शर्मा হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 09 | अंक : 201 | गुवाहाटी | सोमवार, 13 फरवरी, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

पूसीरे ने अप्रैल से दिसंबर तक 104 दलालों को पकड़ा — पेज 3
उत्तर प्रदेश समृद्ध तो भारत भी समृद्ध : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू — पेज 4
यूपी में कंजेनाइटल हार्ट डिजीज से ग्रस्ति नवजात शिशुओं की अब नहीं होगी मौत — पेज 5
बजट के 1 दिन बाद गहलोत सरकार ने किया 155 आरएएस अफसरों का तबादला — पेज 8

गुलाब चंद कटारिया असम के नए राज्यपाल

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता गुलाबचंद कटारिया को असम के राज्यपाल की जिम्मेदारी दी गई है। वे आठ बार विधायक रह चुके हैं। अपनी नियुक्ति पर उन्होंने कहा कि वह ईमानदारी से जिम्मेदारी निभाएंगे। गुलाब चंद कटारिया ने कहा कि मेरी पार्टी ने हमेशा मुझ पर अपना भरोसा दिखाया है। जब भी पार्टी ने मुझे जो भी जिम्मेदारी दी है, मैंने अपनी पूरी क्षमता से उसे निभाने की कोशिश की है। उधर राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष गुलाब चंद कटारिया को असम का राज्यपाल बनाने की घोषणा कर दी गई है। राजस्थान में विधानसभा चुनाव के ठीक पहले अपने एक कद्दावर नेता को सक्रिय राजनीति से हटाकर भाजपा ने यह संकेत दे दिया है कि वह राज्य में नए नेतृत्व को उभारने की कोशिश करेगी। चूंकि, गुलाब चंद कटारिया को वसुंधरा राजे सिंधिया गुट के बड़े नेता के तौर पर देखा जाता है, इस घोषणा को वसुंधरा गुट के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है जो अभी भी राज्य में अपनी राजनीतिक पकड़ बनाए रखने की कोशिश कर रही हैं। दरअसल, वसुंधरा राजे सिंधिया की भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व से तालमेल कमजोर होने को लेकर राजनीतिक गलियारों में हमेशा चर्चा होती रही। कहा गया कि पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व राजस्थान में वसुंधरा युग से आगे बढ़कर नया नेतृत्व विकसित करने पर ध्यान देना चाहता है। इसी को ध्यान में रखते हुए एक तरफ सतीश पूनिया, राज्यवर्धन सिंह राठौर और गजेंद्र सिंह शेखावत जैसे नए नेताओं को मजबूत बनाने की कोशिश की गई, वहीं दूसरी ओर वसुंधरा राजे सिंधिया को पार्टी की केंद्रीय इकाई में उपाध्यक्ष बनाकर उन्हें राज्य की राजनीति से अलग कर केंद्र में लाने की कोशिश की गई। लेकिन इसके बाद भी राजस्थान का नेतृत्व करने की इच्छा पाले वसुंधरा राजे सिंधिया लगातार राज्य की सक्रिय राजनीति में बनी रहीं और अशोक गहलोत सरकार पर जमकर हमले करती रहीं। लेकिन इसके बाद भी पार्टी नेतृत्व लगातार उसी दिशा में आगे बढ़ रहा है जिस तरह का इशारा उसने काफी पहले कर दिया था। कुछ समय पहले राज्य के भाजपा अध्यक्ष सतीश पूनिया ने भी खुलेआम यह कह दिया था कि वे 70 वर्ष से अधिक के नेताओं के स्वैच्छिक राजनीतिक संन्यास को बेहतर समझते हैं। उनके इस -शेष पृष्ठ दो पर

मुख्यमंत्री की हार्दिक बधाई

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने राजस्थान विधानसभा में विपक्ष के नेता गुलाब चंद कटारिया को पूर्वोत्तर राज्य का नया राज्यपाल बनाए जाने पर रविवार को उन्हें बधाई दी। शर्मा ने कहा कि जनसेवा में कटारिया के अनुभव से असम को फायदा होगा। शर्मा ने ट्वीट किया कि गुलाब चंद कटारिया जी को असम का माननीय राज्यपाल नियुक्त किए जाने पर हार्दिक बधाई। मुख्यमंत्री ने -शेष पृष्ठ दो पर

तिपरा मोथा, सीपीएम और कांग्रेस त्रिमुखी समस्याएं : शाह

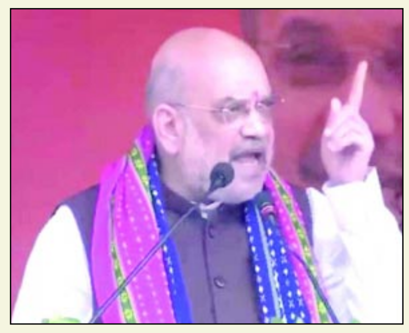

अगरतला (हि.स.)। केंद्रीय गृह मंत्री और भाजपा के नेता अमित शाह ने मतदाताओं से कहा कि त्रिपुरा में तिपरा मोथा, सीपीआई (एम) और कांग्रेस त्रिमुखी समस्या हैं। अगर आप सुखी, शांतिपूर्ण और विकासोन्मुख त्रिपुरा चाहते हैं तो आप गरीबों को लूटने वाली लेफ्ट-कांग्रेस को एक भी वोट न दें। केंद्रीय गृह मंत्री शाह को रविवार को त्रिपुरा में कई विजय संकल्प रैलियों में चुनाव प्रचार कर मतदाताओं को संबोधित कर रहे थे। अमित ने राज्य में आगामी 16 फरवरी को होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर गोमती जिला मुख्यालय उदयपुर एवं विश्रामगंज में चुनावी रैली कीं। उन्होंने अपने पूरे भाषण में देश और त्रिपुरा के विकास के लिए भाजपा की डबल इंजन सरकार के लाभों पर प्रकाश डाला। उन्होंने त्रिपुरा में पिछले वामपंथी शासन के भयानक दिनों का हवाला देते हुए सीपीआईएम और कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने याद दिलाया कि खूनी हाथों के साथ मिलकर कांग्रेस पार्टी चुनाव लड़ रही है, चुनाव जीते तो प्रदेश की जनता के माथे पर पुराने दुख लौट आएंगे। उन्होंने कहा कि ये दोनों दलों का सिद्धांत गरीबों का पैसा लूटपाट कर खाना रहा है। रैली में अमित ने कहा कि कांग्रेस के साथ गठबंधन करके माकपा ने साबित कर दिया है कि वे भाजपा को नहीं हरा सकते, क्योंकि त्रिपुरा की जनता ने इस पार्टी का शासन और यहां की डबल इंजन सरकार देखी है। पिछले पांच साल से भाजपा को त्रिपुरा के लोग समझते हैं कि केंद्र में मोदी और राज्य में माणिक साहा के बिना उनका सुख और विकास संभव नहीं है। इसलिए इस बार भी त्रिपुरा के लोगों ने भाजपा के सभी उम्मीदवारों को वोट देने का फैसला किया है। केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने कहा कि वाम मोर्चा तिपरा मोथा का पिता है। यह तीन पार्टियां सीपीआईएम, कांग्रेस और तिपरा मोथा राज्य के लिए त्रिमुखी समस्या हैं। इसलिए उन्होंने राज्य के लोगों -शेष पृष्ठ दो पर

राज्य में भूकंप

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के नगांव जिले में रविवार की शाम भूकंप के झटके महसूस किए गए। नगांव जिले में शाम 4 बजकर 18 मिनट 17 सेकेंड पर भूकंप का झटका महसूस किया गया। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 4 मापी गई। भूकंप के चलते कहीं से किसी भी तरह के नुकसान की खबर नहीं है। भूकंप का झटका महसूस होते ही लोग अपने घरों से बाहर निकल आए और लोगों में दहशत फैल गई। भारतीय सिस्मोलॉजी केंद्र से मिली जानकारी के अनुसार भूकंप का केंद्र जमीन में 10 किमी नीचे स्थित था। भूकंप का एपिक सेंटर 26.10 उत्तरी अक्षांश तथा 92.72 पूर्वी देशांत्तर पर स्थित था। किसी भी तरह के नुकसान

हम त्रिपुरा को विभाजित नहीं होने देंगे : हिमंत विश्व शर्मा

अगरतला। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने आज यानी रविवार को त्रिपुरा के लोगों को आश्वासन दिया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) राज्य को विभाजित करने के कदम के खिलाफ है और चाहे वह सत्ता में आए या न आए, पार्टी राज्य को एकजुट रखेगी। धलाई जिले में एक जनसभा संबोधन के दौरान, शर्मा ने कहा कि त्रिपुरा के विभाजन की मांगों को लेकर गुवाहाटी में टिपरा मोथा के प्रमुख प्रद्योत बिक्रम माणिक्य देब बर्मा ने उनसे मुलाकात की थी। शर्मा ने आगे कहा कि देब बर्मा, जिन्हें महाराज के नाम से भी जाना जाता है, उन्होंने मुलाकात कर त्रिपुरा जनजातीय क्षेत्र स्वायत्त जिला परिषद (टीटीएएडीसी) के लिए एक अलग भूमि की मांग की थी, जिसे ग्रेटर तिप्रालैंड के रूप में जाना जाता है। शर्मा ने कहा कि उन्होंने मांग को खारिज कर दिया और आगामी विधानसभा चुनाव -शेष पृष्ठ दो पर

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

कोर्ट परिसर : गांजा के पैकेट में मिला ग्रेनेड

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के कूचबिहार जिले के एक कोर्ट परिसर में उस समय हडकंप मच गया, जब सेना के ग्रेनेड डिफ्यूज टीम पहुंची। यह ग्रेनेड कोर्ट परिसर में रखे गांजा के एक पैकेट में बरामद किया गया। रविवार सुबह सेना के टीम ने ग्रेनेड को डिफ्यूज किया। इसे लेकर इलाके में तरह-तरह के सवाल उठ रहे हैं, कि कोर्ट परिसर में रखे गांजा के पैकेट में ग्रेनेड कहां से आया। जानकारी के मुताबिक, सागरदिघी चौराहा पर कचहरी चौक से सटा एक गोदाम है। कुछ दिन पहले सफाई करते हुए एक गांजा के पैकेट के अंदर ग्रेनेड मिला था। मामले की जानकारी पुलिस प्रशासन ने सेना विभाग को दी। रविवार सुबह सेना की टीम -शेष पृष्ठ दो पर

मेघालय में फागू चौहान, मणिपुर में अनुसुइया उइके और नगालैंड में ला गणेशन बने राज्यपाल

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को बड़ा फेरबदल किया। असम, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, झारखंड, हिमाचल समेत 13 राज्यों के राज्यपाल और उप-राज्यपाल बदले गए हैं। राष्ट्रपति ने महाराष्ट्र में विवादों से घिरे भगत सिंह कोश्यारी और लद्दाख के उपराज्यपाल राधाकृष्णन माथुर सहित कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के राज्यपाल का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। इस खबर में विस्तार से जानिए इनका परिचय-

मेघालय के राज्यपाल : बिहार के राज्यपाल फागू चौहान को मेघालय का राज्यपाल नियुक्त किया गया है। आपको बता दें कि बिहार के पूर्व राज्यपाल और मेघालय के नए राज्यपाल फागू चौहान यूपी के 17वें विधानसभा चुनाव में सबसे अधिक मतों से जीतने वाले विधायक थे। फागू चौहान 1985 में पहली बार दलित किसान मजदूर पार्टी से विधायक बने थे, इसके बाद वह जनता दल में गए, बाद में वह बीएसपी में शामिल हुए और 2017 में भाजपा के टिकट पर चुनाव भी लड़े।

मणिपुर के राज्यपाल : वहीं छत्तीसगढ़ की राज्यपाल सुश्री अनुसुइया उइके को मणिपुर का राज्यपाल नियुक्त किया गया है। आपको बता दें कि मणिपुर की नई राज्यपाल अनुसुइया उइके मध्य प्रदेश से विधायक रह चुकी हैं, वह इसी राज्य में मंत्री -शेष पृष्ठ दो पर

जो हमें धार्मिक दर्जा देगा, उसे देंगे वोट : लिगांयत समाज

बंगलुरु। कर्नाटक में विभिन्न समुदायों द्वारा आरक्षण की मांग के बीच, लिंगायतों ने एक अलग धर्म की अपनी मांग को फिर से जिंदा कर दिया है, विभिन्न संगठनों ने 20 फरवरी को बेंगलुरु के फ्रीडम पार्क में विरोध प्रदर्शन करने की योजना बनाई है। वहीं अखिल भारत लिंगायत समन्वय समिति के मानद अध्यक्ष चन्नबासवानंद स्वामी ने शनिवार को कहा कि वे उस पार्टी को वोट देंगे जो केंद्र सरकार से लिंगायत समुदाय के लिए अलग धार्मिक दर्जा देने की सिफारिश करेगी। स्वामी ने कहा कि सिद्धारमैया के नेतृत्व वाली पिछली कांग्रेस सरकार ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार को स्वतंत्र धर्म का दर्जा देने की सिफारिश भेजी थी, लेकिन केंद्र सरकार ने इस सिफारिश को वापस भेज दिया था। उन्होंने कहा कि अब केंद्र और राज्य दोनों ही जगह पर अब भाजपा सरकार, इसलिए अब हम चाहते हैं कि मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई केंद्र को फिर से सिफारिश भेजें और अनुमोदन प्राप्त करें। हम इस संबंध में सत्याग्रह कर रहे हैं। स्वामी ने कहा कि 48 संगठनों के प्रतिनिधि -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path,
Near Dona Planet
ABC, G.S. Road,
Guwahati - 05
97079-99344

दिल्ली से जयपुर अब तीन घंटे में, मोदी ने किया दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवै का उद्घाटन

दौसा। दिल्ली मुंबई एक्सप्रेसवै राजधानी दिल्ली से जयपुर जाने वाले लोगों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज खास तोहफा दिया है। पीएम ने दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के 246 किलोमीटर लंबे दिल्ली-दौसा-लालसोट फेज का उद्घाटन किया। इस एक्सप्रेसवे के शुरू होने के चलते अब लोग पांच घंटे की जगह साढ़े तीन घंटे में ही जयपुर जा सकेंगे। पीएम ने इसी के साथ 18,100 करोड़ रुपए से अधिक की सड़क विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी। राजस्थान के दौसा में एक्सप्रेसवे का उद्घाटन करने पर पीएम मोदी ने कहा कि पिछले 9 वर्षों से केंद्र सरकार लगातार बुनियादी ढांचे में भारी निवेश कर रही है। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे और वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर राजस्थान और देश -शेष पृष्ठ दो पर

तुर्किये-सीरिया में 33 हजार से अधिक की मौत, रेस्क्यू जारी

अंकारा। तुर्किये और सीरिया में भूकंप से खतरनाक तबाही मची है। दोनों ही देशों में मौत का आंकड़ा लगातार बढ़ता जा रहा है। अब तक 33,179 लोगों की मौत हो चुकी है। घायलों की संख्या 78 हजार के पार हो गई है। इसी बीच तुर्किये के 8 प्रान्त से लूटपाट के आरोप में 98 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें से 42 लोग हताय प्रांत के हैं। वहीं तुर्किये में 62 बिल्डिंग कॉन्ट्रैक्टर्स को भी हिरासत में लिया है। अदाना शहर में भूकंप के चलते ढही इमारतों को देखते हुए कार्रवाई के आदेश दिए गए हैं। दूसरी तरफ, यूएन की मदद भेजने वाले इकाई के चीफ -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात
संसार मे सफल और सुखी वही लोग हैं, जिनके अंदर *विनय* हो और विनय विद्या से ही आती है।
ईश्वर चंद्र विद्यासागर

न्यूज गैलरी

20 साल तक आरोपी का पता नहीं

मुंबई। मुंबई की एक अदालत ने शहर की पुलिस को फटकार लगाई। पुलिस 1999 के हत्या के एक मामले में छोटा शकील गिरोह के एक कथित शार्प शूटर का बीस साल तक पता नहीं लगा पाई। जबकि वह इस अवधि के दौरान एक अन्य मामले में विचाराधीन कैदी के रूप में जेल में बंद था। मामले पर महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) मामलों के विशेष न्यायाधीश ए.एम पाटिल सुनवाई कर रहे थे। उन्होंने 1999 में बॉम्बे अमन कमेटी के अध्यक्ष वाहिद अली खान की हत्या के आरोपी माहिर सिद्दीकी को बरी करते हुए तीन फरवरी -शेष पृष्ठ दो पर

मदनी के ओम और अल्लाह एक बोलने पर भड़के संत

नई दिल्ली। जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अधिवेशन के आखिरी दिन मौलाना अरशद मदनी के बयान पर जबर्दस्त बवाल हो गया। मदनी आरएसएस चीफ के उस बयान का जवाब दे रहे थे, जिसमें उन्होंने कहा था कि हिंदुओं और मुसलमानों के पूर्वज एक जैसे हैं। मदनी ने कहा कि तुम्हारे पूर्वज हिंदू नहीं, मनु थे यानी आदम। उनके इस बयान के विरोध में अधिवेशन में पहुंचे अलग-अलग धर्मगुरु मंच छोड़कर चले गए। दिल्ली के रामलीला मैदान में जमीयत उलेमा-ए-हिंद के 34वें अधिवेशन के आखिरी दिन मौलाना मदनी ने कहा कि मैंने पूछा कि जब कोई नहीं था। न श्रीराम थे, न ब्रह्मा थे और न शिव थे; जब कोई नहीं था तो मनु पूजते किसको थे। कोई कहता है कि शिव को पूजते थे। बहुत कम लोग ये बताते हैं कि मनु ओम को पूजते थे। ओम कौन है? बहुत से लोगों ने कहा कि उसका कोई रूप-रंग नहीं है। वो दुनिया में हर जगह हैं। अरे बाबा इन्हीं को तो हम अल्लाह कहते हैं। -शेष पृष्ठ दो पर

जम्मू-कश्मीर : अतिक्रमण-रोधी अभियान के दौरान 45 दुकानों को किया सील

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले के बनिहाल कस्बे में रविवार को अतिक्रमण-रोधी अभियान के दौरान कम से कम 45 दुकानों को सील कर दिया गया और दो को ढहा दिया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच उप-जिला अस्पताल रोड के साथ लगी सरकारी भूमि को पुनः प्राप्त करने के लिए अतिक्रमण-रोधी अभियान शुरू किए जाने से पहले दो राजनीतिक कार्यकर्ताओं को एहतियातन हिरासत में ले लिया गया। बनिहाल के तहसीलदार इम्तियाज अहमद के नेतृत्व में राजस्व -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

तृणमूल का मतलब आतंक माफिया और भ्रष्टाचार : जेपी नड्डा

कोलकाता (हिंस)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने रविवार को पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली राज्य सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि तृणमूल कांग्रेस आतंक, माफिया और भ्रष्टाचार का पर्याय बन चुकी है। उन्होंने कहा कि ममता के जंगल राज को अलविदा कहने का समय आ गया है। अपने एक दिवसीय दौरे पर बंगाल पहुंचे जेपी नड्डा ने आगे कहा कि तृणमूल के शासन में पश्चिम बंगाल का विकास ठहर गया है। तृणमूल को बंगाल की सत्ता से बाहर करने के लिए जो कुछ भी करना पड़े, भाजपा वह सब करेगी। पश्चिम बंगाल में पीएम आवास योजना (पीएमएवाई) को लागू करने में भारी अनियमितताओं के हालिया आरोपों का जिक्र करते हुए नड्डा ने कहा कि गरीबों के लिए बनी इस योजना को तृणमूल नेताओं ने लूट लिया। उन्होंने कहा कि ऑडिट के दौरान, यह पाया गया कि जिन लोगों के पास दो-तीन मंजिला इमारतें हैं, उन्हें योजना के तहत घर मिले हैं। पश्चिम बंगाल में यह स्थिति है। नड्डा ने यह भी कहा कि एक महिला मुख्यमंत्री होने के बावजूद पश्चिम बंगाल महिलाओं के खिलाफ अपराध की सूची में शीर्ष पर है। नड्डा ने मई में होने वाले महत्वपूर्ण पंचायत चुनावों से पहले भाजपा के जनसंपर्क अभियान के तहत पूर्व बर्दवान के पूर्वस्थली इलाके और पूर्व मेदिनीपुर के रामनगर इलाके में एक के बाद एक रैलियों को संबोधित किया। नड्डा ने तृणमूल के आतंकवाद के खिलाफ बहादुरी से लड़ने के लिए पार्टी कार्यकर्ताओं की सराहना करते हुए कहा कि उनकी रैलियों में लोगों का जमावड़ा दर्शाता है कि लोग बदलाव के लिए तरस रहे हैं। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी सरकार के जंगल राज को अलविदा कहने का समय आ गया है। ममता बनर्जी को लंबी छुट्टी पर भेजना है। हमें इस पार्टी को लोकतांत्रिक तरीके से सत्ता से हटाना है। भाजपा अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री पर तंज कसते हुए कहा कि उनका नाम ममता (करुणा) होने के बावजूद उनमें सहानुभूति की कमी है। केंद्र पर पैसा नहीं देने के आरोपों को खारिज करते हुए उन्होंने कहा कि मोदीजी पैसा भेजते हैं और यहां पहुंचते ही घोटाले में बदल जाता है। मोदी की सरकार ईमानदार है, जबकि राज्य सरकार भ्रष्ट है। 2021 के विधानसभा चुनावों में पार्टी की हार के बारे में बोलते हुए उन्होंने कहा कि हां, हम विधानसभा चुनाव नहीं जीत सके, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि सब कुछ खत्म हो गया। हम पश्चिम बंगाल में तृणमूल के कुशासन को खत्म करने के लिए फिर से लड़ेंगे। इसके अलावा भारत के आर्थिक विकास की गति को बनाए रखने के लिए नरेन्द्र मोदी सरकार की सराहना करते हुए, नड्डा ने कहा कि महामारी और रूस-यूक्रेन संघर्ष के बावजूद, भारत एक ऐसे देश (यूके) से आगे निकल गया है जिसने लगभग दो शताब्दियों तक हम पर शासन किया। भारत

भगतसिंह कोश्यारी को राज्यपाल पद से हटाए जाने का विपक्ष ने किया स्वागत

मुंबई (हिंस)। महाराष्ट्र के राज्यपाल पद से भगतसिंह कोश्यारी को हटाकर रमेश बैस को नया राज्यपाल बनाए जाने का स्वागत विपक्ष ने किया है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष शरद पवार ने कहा कि राज्यपाल को हटाने का फैसला देरी से लिया गया लेकिन इस फैसले का वे स्वागत करते हैं। शरद पवार ने कहा कि मुझे लगता है कि महाराष्ट्र बच गया है। यह फैसला बहुत अच्छा है। इस तरह का फैसला सरकार को बहुत पहले ले लेना चाहिए। महाराष्ट्र के नए राज्यपाल राज्य के लिए बेहतर काम करेंगे। सांसद सुप्रिया सुले ने कहा कि जो बीत गया, उस पर चर्चा करना बेमतलब है। नए राज्यपाल संविधान के दायरे में रहकर काम करेंगे, इस तरह की अपेक्षा है। सुप्रिया ने कहा कि नए राज्यपाल रमेश बैस के साथ वह काम कर चुकी हैं। वे बहुत ही सूझबूझ वाले, संस्कारिक और संवैधानिक दायरे में रहकर काम करने वाले हैं। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) पार्टी के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने कहा कि भगत सिंह कोश्यारी पार्टी के नेता की तरह काम करते थे। राज्य में सत्ता परिवर्तन के बाद उनका व्यवहार बदल गया था। कोश्यारी ने छत्रपति शिवाजी महाराज, महात्मा ज्योतिबा फुले, सावित्री बाई फुले सहित कई अन्य महापुरुषों का अपमान किया था। इसलिए केंद्र सरकार को उन्हें बहुत पहले ही हटा देना चाहिए था लेकिन देरी से सही केंद्र सरकार ने उन्हें हटा दिया इसका वे स्वागत करते हैं। शिवसेना नेता संजय राऊत ने कहा कि केंद्र सरकार ने देश में कई राज्यों के राज्यपालों की अदला बदली की है। इसलिए यह कोई नई बात नहीं है।

भारतीय थल सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे को नेपाल आने का न्यौता

काठमांडू (हिंस)। नेपाल की सेना ने भारतीय थल सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे को आमंत्रण भेजा है। सैन्य प्रवक्ता जनरल कृष्ण प्रसाद भंडारी ने बताया कि उन्हें नेपाली सेना के स्थापना दिवस पर विशेष अतिथि के तौर पर आमंत्रित किया गया है। भंडारी के मुताबिक नेपाली सेना के मानद महारथी की उपाधि पाने वाले भारत के सभी पूर्व सेनाध्यक्षों को आमंत्रण भेजा गया है। उन्होंने कहा कि नेपाली सेना की ओर से भारत के सेनाध्यक्ष और नेपाली सेना के मानद महारथी की उपाधि प्राप्त पूर्व भारतीय सेना प्रमुख सबी को निमंत्रण भेजा गया है। परंपरा के अनुसार दो देशों के सेना प्रमुख दूसरे देश के महारथी महारथी का सम्मान करने आ रहे हैं। जनरल मनोज पांडे वर्तमान में नेपाली सेना के मानद महारथी हैं। जनरल प्रभुराम शर्मा भारतीय सेना के मानद महारथी हैं। दोनों देशों के बीच सैन्य संबंध मजबूत हैं। उल्लेखनीय है कि महाशिवरात्रि के अवसर पर नेपाल में सेना दिवस मनाया जाता है। काठमांडू, टुंडीखेल के मध्य भाग के सैन्य चरण में सैन्य परेड और कला का प्रदर्शन किया जाता है।

लंका महाविद्यालय छात्र संघ के चुनाव को लेकर सरगर्मियां तेज

होजाई (होसं)। होजाई महकमे के लंका स्थित लंका महाविद्यालय में छात्र संघ के चुनाव को लेकर सरगर्मियां काफी तेज हो चुकी है। गौरतलब है कि चुनाव फरवरी 16 को है और मतगणना भी उसी दिन होगी। इस बार इस चुनाव में महिला सशक्तिकरण को देखते हुए अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने सचिव पद पर पहली बार अनामिका चंदा को उतारा है। वहीं अध्यक्ष पद हेतु अंकित रांका, उपाध्यक्ष पद हेतु अजय भगत, असिस्टेंट जनरल सेक्रेटरी पद के लिए पंकज पाउदेल, सांस्कृतिक सचिव पद हेतु निहारिका देवी, सहायक सांस्कृतिक सचिव पद हेतु कोलिनया भट्टाचार्य, खेलकूद सचिव हेतु शयन भौमिक, सहायक खेलकूद सचिव पद हेतु राजेन वर्मा, मैगजीन सेक्रेटरी पद हेतु रश्मि नंदी, स्टूडेंट वेलफेयर सचिव पद हेतु नवजीत दे, डिबेटिंग सेक्रेटरी पद हेतु मुस्कान साहू, बॉयस कॉमन रूम सेक्रेटरी पद हेतु विवेक सिंह विवेक सिंह, गर्ल्स कॉमन रूम सेक्रेटरी के पद हेतु सोनिया भौमिक। वही क्लास रिप्रेजेंटेबल हेतु दीप स्वरूप सील निर्विरोध जीत चुके हैं। गौरतलब है कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के उम्मीदवारों की टक्कर निर्दलीय उम्मीदवारों के साथ होगी।

स्वास्थ्य व पर्यटक जागरुकता के लिए साइक्लोथॉन रैली आयोजित

शिवसागर (हि.स.)। रविवार को तीसरी हेरिटेज साइक्लोथॉन रैली आयोजित की गई। इसका उद्देश्य शारीरिक क्षमताओं को बरकरार रखने और शिवसागर के ऐतिहासिक प्राचीन स्मारकों के संरक्षण को लेकर लोगों को जागरूक करना है। रविवार सुबह तीसरी हेरिटेज साइक्लोथॉन रैली को अर्जुन भोगेश्वर बरुवा और नयनमणि सैकिया ने औपचारिक रूप से झंडी दिखाकर रवाना किया। शिवसागर के ऐतिहासिक शिव दौल के सामने से सैकड़ों साइकिल प्रेमियों ने इस साइक्लोथॉन में भाग लिया। यह साइकिल रैली शिवसागर से जयसागर से दिसांगमुख तक आयोजित की गई। इस दौरान साइकिल चालकों ने शिवसागर के प्रमुख पर्यटन केंद्रों का दीदार किया। इस साइकिल रैली, जिसका उद्देश्य स्वास्थ्य के साथ-साथ पर्यटन के प्रति लोगों को जागरूक करना है, ने शिवसागर के साथ-साथ असम में भी बड़े पैमाने पर जागरूकता पैदा की है। उल्लेखनीय है कि ऐतिहासिक शिवसागर में कई पर्यटन हैं, लेकिन प्रचार-प्रसार और आउटरीच के अभाव में शिवसागर पर्यटकों के लिए हब नहीं बन पाया है।

असम के शोधार्थी ने हिंदू विवि के डीन प्रो. विजय बहादुर सिंह से की चर्चा

गुवाहाटी। जीतू कुमार गुप्ता, शोधार्थी, असम विश्वविद्यालय (हिंदी विभाग) ने बनारस हिंदू विश्वविद्यालय हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष एवं संकाय प्रमुख (डीन) प्रो. विजय बहादुर सिंह से भोजपुरी और *असमिया* के प्रकृति, श्रम और संस्कारपरक लोकगीतों का तुलनात्मक अध्ययन विषय पर साक्षात्कार लिया। साक्षात्कार से दौरान गुप्ता ने उनसे भोजपुरी लोकसाहित्य और लोकगीत की प्रासंगिक पर चर्चा किए। साथ ही लोकगीतों का पठन-पाठन, प्रकाशन, संकलन कम होता जा रहा है, इस बिंदू पर भी चर्चा किए। आज के बदलते समाज में लोकगीत कितनी प्राशंगिक है? जिस पर प्रो. सिंह ने इसे चिंता का विषय बताया है, कारण समय के साथ-साथ लिखित रूप में लोकगीत प्रकाशित हो रही है, लेकिन मौखिक रूप में लोकगीतों का विकास नहीं हो पा रहा है। प्रो. विजय जी के अनुसार लोकगीतों का प्रकाशन, संकलन कम होता जा रहा है। छात्रों को केवल अब डिग्री, उपाधि से मतलब है। लोग पढ़ते-लिखते हिंदी में है, खाते हिंदी की हैं, लेकिन हस्ताक्षर अंग्रेजी में करना पसंद करते है। इसी क्रम में गुप्ता पूछते हैं क्या, संस्कारपरक लोकगीतों को आज के समय में लोग रुढ़िवादी मानने लगे हैं? क्या इस पर आधुनिकता और बाजारीकरण का भी प्रभाव पड़ा है? प्रो. सिंह कहते हैं, संस्कार समयानुसार बदलती रहती है। *कोस कोस पर बदले पानी, चार कोस पर बानी* हमें संस्कार को अपनाना चाहिए। लेकिन हटधर्मिता से बच कर रहना चाहिए। केवल हम ही सही है, ऐसी मानसिकता नहीं होनी चाहिए। हमें जो ग्रहण करने योग्य है उसे ग्रहण करना चाहिए बाकि वस्तुओं का त्याग देना चाहिए। परंपरा और रुढ़ि के बीच संस्कारपरक लोकगीतों को बचाकर चलना होगा।

पृष्ठ एक का शेष

गुलाब चंद कटारिया...

बयान को सीधे वसुंधरा राजे सिंधिया पर हमला माना गया था जिनके प्रतिद्वंदी नेताओं के रूप में पूनिया को देखा जाता है। हालांकि, बाद में पूनिया ने इसे अपनी व्यक्तिगत राय बताकर मामला शांत करने की कोशिश की थी, इसके बावजूद इस बयान से राजस्थान का राजनीतिक माहौल गर्म हो गया था। स्वयं प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया को पिछड़ी जाति के बड़े नेता के तौर पर देखा जाता है, माना जा रहा है कि पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व उन्हें आगे बढ़ाते हुए उन्हीं के नेतृत्व में विधानसभा चुनाव में उतर सकता है। गुलाब चंद कटारिया को असम का राज्यपाल बनाने के बाद राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष का पद रिक्त हो जाएगा। इस पद पर भी किसी युवा नेता को स्थान दिया जा सकता है। चूंकि, अब सदन का कार्यकाल कुछ महीने ही शेष रह गया है, पार्टी सदन के उपनेता राजेंद्र राठौर के नेतृत्व में ही सदन का कामकाज चला सकती है। इस बात की अटकलें लगाई जा रही हैं कि यदि भाजपा राजस्थान में वसुंधरा राजे सिंधिया को साइड लाइन करने की कोशिश करती है तो उसे इसका नुकसान हो सकता है। लेकिन भाजपा नेताओं का मानना है कि उनकी पार्टी की राजनीति हमेशा मजबूत वैचारिक आधार और काडर के बल पर आगे बढ़ी है। पार्टी की वरिष्ठ नेता होने के कारण वसुंधरा पार्टी नेतृत्व के हर निर्णय के साथ खड़ी होंगी। एक अलग प्रश्न का उत्तर देते हुए भाजपा नेता ने कहा कि पार्टी से बगावत कर अलग राजनीति करने का निर्णय कल्याण सिंह, उमा भारती, येदियुरप्पा और केशुभाई पटेल जैसे किसी भी नेता के लिए फलदायी नहीं साबित हुआ है। यही कारण है कि भाजपा का कोई नेता पार्टी से बगावत करने का निर्णय नहीं लेता है।

तिपरा मोथा, सीपीएम...

को इन तीनों पार्टियों से सावधान रहने की सलाह दी। शाह ने चुनावी घोषणापत्र में किए गए वादों की जानकारी दी और कहा कि भाजपा सरकार त्रिपुरा के सर्वांगीण विकास के लिए काम कर रही है। जल्द ही राज्य के लिए कई और परियोजनाओं का शुभारंभ किया जाएगा। शाह ने वादा किया कि हमारी सरकार मणिपुरी बिष्णुप्रिया को प्राथमिक शिक्षा में शामिल करेगी। साथ ही नई भाजपा सरकार मेधावी छात्रों को स्कूटी देगी। सरकार की विभिन्न पहलों के बारे में अमित शाह ने कहा कि त्रिपुरा के लोगों को 2.5 लाख घर दिए गए हैं। क्योंकि *हर घर विकास* प्रधानमंत्री मोदी का लक्ष्य है। इसके अलावा राज्य में चाय बागान श्रमिकों के लिए 16,000 वर्ग फुट जमीन पहले ही चिह्नित की जा चुकी है। अमित शाह उदयपुर और विश्रामगंज में विशाल संकल्प रैलियों में भाग लेकर चुनाव प्रचार को तूफानी रफ्तार देने के बाद एक रोड शो में हिस्सा लेने के लिए अगरतला पहुंचे हैं।

मुख्यमंत्री की हार्दिक...

कहा कि सार्वजनिक सेवा में आपके विशाल अनुभव से असम को निश्चित रूप से बहुत लाभ होगा। हमारी प्रगति की यात्रा को आगे ले जाने के लिए आपके साथ काम करने को लेकर उत्सुक हूं। राष्ट्रपति भवन के एक प्रवक्ता ने भाजपा के वरिष्ठ नेता कटारिया को असम का नया राज्यपाल नियुक्त किए जाने की घोषणा की। वह जगदीश मुखी का स्थान लेंगे, जिन्होंने अक्तूबर, 2017 में पदभार ग्रहण किया था।

हम त्रिपुरा को विभाजित...

में सेना में शामिल होने के लिए बातचीत को आगे नहीं बढ़ाया। सीएम ने आगे कहा कि मैंने महाराज से कहा कि त्रिपुरा राज्य मां त्रिपुरा सुंदरी के आशीर्वाद से बना है। किसी को भी राज्य को विभाजित करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। शर्मा ने अपने ट्विटर अकाउंट एक क्लिप साझा करते हुए कहा कि भाजपा ने मोथा से हाथ नहीं मिलाया और राज्य में करीब 50 सीटें जीतने की संभावना को खारिज कर दिया। वहीं गृह मंत्री अमित शाह ने आज एक अन्य जनसभा में कहा कि त्रिपुरा आगामी राज्य विधानसभा चुनाव में कांग्रेस, माकपा और टिपरा मोथा की *तिहरी मुसीबत* का सामना कर रहा है और भाजपा की डबल इंजन सरकार ही राज्य को इससे बचा सकती है। शाह ने यह भी कहा कि त्रिपुरा में लंबे समय तक आदिवासियों को धोखा देने वाला वाम दल अब लोगों को धोखा देने के लिए एक आदिवासी नेता को मुख्यमंत्री के चेहरे के रूप में पेश कर रहा है। यदि आप इस तिहरी मुसीबत से बचना चाहते हैं, तो डबल इंजन वाली भाजपा सरकार को वोट दें।

कोर्ट परिसर : गांजा ...

ने ग्रेनेड को डिफ्यूज कर दिया। दूसरी ओर भारतीय सेना की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि भारतीय सेना के त्रिशक्ति कोर्प्स ने रविवार को कूचबिहार में स्थानीय प्रशासन के निवदेन पर एक ग्रेनेड को डिफ्यूज किया। सेना के जवानों ने स्थानीय पुलिस अधिकारियों की उपस्थिति में सुबह 10.40 बजे इसे डिफ्यूज किया। इस दौरान सुरक्षा के सभी उपाय किए गए थे, बिना किसी नुकसान के ग्रेनेड डिफ्यूज किया गया। इस बीच आम आदमी पार्टी (आप) के कार्यकर्ताओं ने अदाणी समूह के खिलाफ वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों की संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से जांच कराने की मांग को लेकर रविवार को कोलकाता में एक रैली निकाली। वेलिंगटन स्क्वायर से शुरू हुई रैली का समापन मुरलीधर सेन स्ट्रीट पर भाजपा के राज्य मुख्यालय में होना था, लेकिन यह कॉलेज स्ट्रीट में कलकत्ता विश्वविद्यालय के पास समाप्त हुई। रैली में भाग लेने वालों ने आरोप लगाया कि अदाणी समूह को विभिन्न बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा समर्थन दिया गया है। बता दें कि रिपोर्ट के बाद समूह के शेयर बाजार में अस्थिरता का सामना कर रहे हैं।

मेघालय में फागू ...

पद पर रहीं थीं। उइके को राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्या भी रह चुकी हैं। **नगालैंड के राज्यपाल :** मणिपुर के राज्यपाल ला गणेशन को नगालैंड का राज्यपाल नियुक्त किया गया है। इससे पहले जब पश्चिम बंगाल के पूर्व राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने इस्तीफा दे दिया था, तब गणेशन पश्चिम बंगाल के राज्यपाल पद का अतिरिक्त प्रभार संभाला था। **सिक्किम के राज्यपाल :** लक्ष्मण प्रसाद आचार्य को सिक्किम का राज्यपाल बनाया गया है। वह 2018 से सिक्किम के राज्यपाल रहे गंगा प्रसाद की जगह लेंगे। इस नियुक्ति पर उन्होंने महामहिम राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होंने अपने फेसबुक अकाउंट पर लिखा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लुक ईस्ट पॉलिसी के अंतर्गत पूर्वोत्तर राज्यों का विशेष महत्व है। यह दक्षिण एशिया के प्रवेश द्वार है, जिनसे हमारा गहरा सांस्कृतिक और भावनात्मक नाता है। **झारखंड के राज्यपाल :** तमिलनाडु भाजपा के प्रमुख नेता रहे सीपी राधाकृष्णन झारखंड के 11वें राज्यपाल बने हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को उन्हें झारखंड के राज्यपाल के पद पर नियुक्त किया। 65 वर्षीय सीपी राधाकृष्णन वर्तमान में भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य हैं। कोयंबटूर संसदीय सीट से राधाकृष्णन दो बार लोकसभा सदस्य निर्वाचित हो चुके हैं। 48 वर्षों से आरएसएस व भाजपा से वह जुड़े रहे और तमिलनाडु भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भी रह चुके हैं। बता दें कि राधाकृष्णन अखिल भारतीय कॉयर (नारियल के छाल से निकला फाइबर) बोर्ड के अध्यक्ष भी थे जो भारत सरकार के एमएसएमई क्षेत्र के अंतर्गत आता है। **महाराष्ट्र के राज्यपाल :** वहीं झारखंड के वर्तमान राज्यपाल रमेश बैस को महाराष्ट्र का राज्यपाल नियुक्त किया गया हैं। बता दें कि बैस को यह उनके बेहतर कार्य का पुरस्कार मिला है। वह भगत सिंह कोश्यारी का स्थान लेंगे, जिन्होंने नवंबर माह में ही अपने पद से इस्तीफा दे दिया था और राष्ट्रपति ने उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। रमेश बैस का राजनीतिक सफर निकाय चुनाव से हुआ था। वह अटल बिहारी वाजपेयी के मंत्रिमंडल में भी शामिल हो चुके हैं। भाजपा ने 2019 में रमेश बैस को लोकसभा चुनाव का टिकट देने से इनकार कर दिया था, जिसके बाद उन्हें त्रिपुरा का राज्यपाल बनाया गया था। **छत्तीसगढ़ के राज्यपाल :** वर्तमान में आंध्र प्रदेश के राज्यपाल बिस्वा भूषण हरिचंदन को छत्तीसगढ़ का राज्यपाल नियुक्त किया गया है। वह अनुसुइया उइके का स्थान लेंगे। छत्तीसगढ़ के नए राज्यपाल हरिचंदन की उम्र 84 साल की है और वे ओडिशा के भुवनेश्वर और चिल्का विधानसभा से 5 बार विधायक रह चुके हैं। बता दें कि विश्व भूषण ने 1971 में जनसंघ के साथ अपना राजनीतिक सफर शुरू किया था, जिसके बाद 1977 में जनता पार्टी गठित होने तक वे जनसंघ के आंध्र महासचिव रहे। इसके साथ ही हरिचंदन जनसंघ के राष्ट्रीय कार्यकारी सदस्य भी रहे। **बिहार के राज्यपाल :** हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर को बिहार के राज्यपाल की जिम्मेदारी दी गई है। राजेंद्र आर्लेकर का जन्म 23 अप्रैल 1954 को गोवा के पणजी में हुआ था। उन्होंने एमईएस कॉलेज, वास्को डी गामा, गोवा से अपनी डिग्री पूरी की और प्राप्त की। आर्लेकर बचपन से ही आरएसएस (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) से जुड़े थे। साल 1989 में आर्लेकर भाजपा में शामिल हुए। वह उस समय केवल 35 वर्ष के थे, जब उन्होंने राजनीति में आने निर्णय लिया।

दिल्ली से जयपुर...

के लिए प्रगति के दो मजबूत स्तंभ बनने जा रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि जब ऐसी आधुनिक सड़कें, रेलवे स्टेशन, एयरपोर्ट, मेट्रो बनते हैं तो देश की प्रगति होती है। मोदी ने कहा कि इंफ्रास्ट्रक्चर पर होने वाला निवेश, दूसरे तरह के निवेश को भी आकर्षित करता है। उन्होंने कहा कि इस साल के बजट में हमने इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए 10 लाख करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। यह राशि 2014 में प्रावधानित राशि का पांच गुना है और इस निवेश से राजस्थान को काफी फायदा होने वाला है। प्रधानमंत्री ने एक्सप्रेसवे के उद्घाटन के बाद दौसा में राष्ट्रीय सड़क परियोजना प्रदर्शनी का भी निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी भी मौजूद रहे। बता दें कि दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे 1,386 किमी की लंबाई के साथ भारत का सबसे लंबा एक्सप्रेसवे होगा। यह दिल्ली और मुंबई के बीच यात्रा की दूरी को 12 प्रतिशत घटाकर 1,424 किमी से 1,242 किमी कर देगा, जबकि यात्रा के समय में वर्तमान 24 घंटे से 12 घंटे तक 50 प्रतिशत की कमी आएगी। एक्सप्रेसवे छह राज्यों दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र से होकर गुजरेगा और कोटा, इंदौर, जयपुर, भोपाल, वडोदरा और सूरत जैसे प्रमुख शहरों को जोड़ेगा।

तुर्किये-सीरिया में 33...

मार्टिन ग्रिफिथ्स ने कहा कि भूकंप से हुई मौतों का आंकड़ा दो गुना हो सकता है। जैसे-जैसे मलबा हटेगा, शव बरामद होंगे। रेस्क्यू ऑपरेशन फाइनल स्टेज में है। लेकिन हम नहीं जानते की इसे कब रोका जाना चाहिए। वहीं, सीरिया में समय पर मदद नहीं पहुंच पा रही है। इसकी वजह भूकंप के बाद सड़कों पर मलबा जमा हुआ है। हरेम शहर में एक पिता ने बताया कि उनकी बटी मलबे में दबी थी लेकिन किसी ने उनकी मदद नहीं की। अबू अली ने कहा कि मेरी बेटी भूकंप के एक दिन बाद भी जिंदा थी। मलबे में दबे रहने के 24 घंटे बाद भी उस तक मदद नहीं पहुंची। हमारे पास मलबा हटाने के लिए कोई मशीनें नहीं थी। हम मदद का इंतजार करते रहे। काफी वक्त बीत गया। मैंने खुद अपने हाथों से उसके शव को बाहर निकाला।

जो हमें धार्मिक दर्जा ...

और सदस्य विरोध प्रदर्शन में भाग लेंगे। उन्होंने आगे कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि हिंदू धर्म कोई धर्म नहीं है, बल्कि एक जीवन शैली है। यह बात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी कह चुके हैं। स्वामी ने सवाल पूछा की लगभग 500 वर्षों के इतिहास वाला सिख धर्म एक अलग धर्म है। जैनियों का भी अलग धर्म है, तो 900 साल के इतिहास वाले लिंगायत समुदाय का अलग धर्म क्यों नहीं होना चाहिए? यही नहीं उन्होंने कलबुर्गी विश्वविद्यालय का नाम बदलकर बसवेश्वर विश्वविद्यालय करने की भी मांग की। संत ने कहा कि लिंगायत संगठन उस राजनीतिक दल को वोट देंगे जो हमारी मांग का सर्मथन करेगा। फिर चाहे वह भाजपा, कांग्रेस, जद (एस), आप, एसडीपीआई, एआईएमआईएम या कोई भी पार्टी हो।

मदनी के ओम ...

इन्हें आप ईश्वर कहते हैं। मौलाना मदनी के बयान का जैन मुनि लोकेश ने विरोध किया। उन्होंने कहा कि यह अधिवेशन लोगों को जोड़ने के लिए हो रहा है। ऐसे में इस तरह का बयान कहां तक जायज है। मुनि लोकेश ने मंच पर यह बात कही। इसके बाद वे कार्यक्रम से उठकर चले गए। उनके बाद दूसरे धर्मों के संतों ने भी कार्यक्रम छोड़ दिया। मौलाना मदनी ने कहा कि हजरत आदम जो नबी थे, सबसे पहले उन्हें भारत की धरती के भीतर उतारा। अगर चाहता तो आदम को अफ्रीका, अरब, रूस में उतार देता। वो भी जानते हैं, हम भी जानते हैं कि आदम को दुनिया में उतारने के लिए भारत की धरती को चुना गया। मदनी बोले- मैंने बड़े-बड़े धर्मगुरुओं से पूछा कि अल्लाह ने जिस पहले आदमी को धरती पर उतारा वो किसकी पूजा करता था। दुनिया के अंदर अकेला आदम था, उसे कहते क्या हो। लोग अलग-अलग बातें कहते थे। धर्मगुरुओं ने कहा कि हम उसे मनु कहते हैं, हम आदम कहते हैं, अंग्रेजी बोलने वाले एडम कहते हैं। हम आदम की औलाद को आदमी और ये मनु की औलाद को मनुष्य कहते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मदनी ने कार्यक्रम में कहा कि पैगंबर का अपमान मुस्लिम मंजूर नहीं करेंगे। मोहम्मद साहब के खिलाफ बयान नहीं दिए जाने चाहिए। भारत में अभी शिक्षा का भगवाकरण किया जा रहा है और ये उचित नहीं है। दूसरे धर्मों की किताबें थोपी नहीं जानी चाहिए। ये संविधान के खिलाफ है।

जम्मू-कश्मीर : अतिक्रमण-रोधी ...

अधिकारियों की एक टीम ने शनिवार को दुकान मालिकों को नोटिस तामील कराये थे, जिसके बाद विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया था। इन दुकानों में ज्यादातर फार्मेसी और क्लिनिकल लेबोरेट्री शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि दुकानदारों और स्थानीय निवासियों ने पर्यटक छात्रावास में धरना दिया, हालांकि, एक पुलिस दल ने आधी रात के आसपास प्रदर्शनकारियों पर धावा बोल दिया और दो सरपंचों-डेमोक्रेटिक आजाद पार्टी (डीएपी) के मोहम्मद इलियास वानी और कांग्रेस के कैसर हामिद शेख-को एहतियातन हिरासत में ले लिया गया। पूरे शहर में रविवार सुबह अतिरिक्त सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया और अधिसूचित दुकानों को सील कर दिया गया, जबकि दो को ढहा दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि जिन दुकानों को सील किया गया, उनमें 22 फार्मेसी, नौ क्लिनिकल लेबोरेट्री और पांच ऑप्टिकल दुकान शामिल हैं।

20 साल तक ...

को पारित अपने आदेश में यह टिप्पणी की। अदालत ने अभियोजन पक्ष की मामले में कई विसंगतियों का हवाला दिया। अभियोजन पक्ष के मुताबिक, सिद्दीकी और एक सह-आरोपी ने जुलाई 1999 में मुंबई के एलटी मार्ग इलाके में खान के घर के पास कथित तौर पर गोली मारकर उनकी हत्या कर दी थी। वारदात को अंजाम देने के बाद दोनों फरार हो गए थे। पुलिस ने मई 2019 में सिद्दीकी का पता लगाकर उसे गिरफ्तार कर लिया। उन्हें उसके खिलाफ पर्याप्त सबूत मिले और उसके खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया गया। जांच के दौरान, पुलिस को सिद्दीकी और छोटा शकील समेत छह लोगों की संलिप्तता के बारे में पता चला। पुलिस ने कहा था कि उन्हें यह भी पता चला कि अपराध छोटा शकील के इशारे पर हुआ था। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि सिद्दीकी के खिलाफ पूरक आरोपपत्र दाखिल करते समय अभियोजन पक्ष ने दावा किया था कि वह घटना की तारीख से गिरफ्तारी तक फरार था। जबकि वह 2014 से 2019 के बीच एक अन्य मामले में विचाराधीन कैदी था और सीआईडी उसे गिरफ्तार कर चुकी थी। ।

स्वर्वेद भाष्य

चतुर्थ मंडल **अष्टम अध्याय**

(योगाभ्यास)

सन्तन सहज समाधि है, सहज योग सुखसार।
चलत फिरत छूटे नहीं, क्षण क्षण पल पल वार॥ 35 ॥

शब्दार्थ : (सुखसार) सुख का मूल (क्षण क्षण) हर समय (पल पल) निमेष, पलक गिरना (वार) दिन।

भाष्य : सब सुखों का मूल सहज योग है, जिसके द्वारा सन्तों की सहज-समाधि होती है। सहज योग सहज-समाधि में चलते-फिरते, उठते-बैठते, सब घड़ी अपने आनन्द में निमग्न रहते हैं। सहज-समाधि सदैव लगी रहती है, वह कभी छूटती नहीं।

निरगुण पाँच पचीस को, अन्तर करण सम्हार।
अन्तर से अन्तर गुहा, क्षर अक्षर तर सार ॥ 36 ॥

शब्दार्थ : (निरगुण) मन (पाँच) तत्त्व (पचीस) पचीस प्रकृति (अन्तर करण) सुरति (अन्तर) भीतर (तर) अत्यन्त सूक्ष्म (सार) परम अक्षर (गुहा) चेतनभूमि।

भाष्य : पाँच तत्त्व, पचीस प्रकृति, मन और सुरति सब को रोककर, अन्तररतर में प्रवेश करने पर क्षर-अक्षरान्तर व्यापक परम अक्षर का अनुभव, आनन्द प्राप्त होता है।

पूसीरे ने अप्रैल से दिसंबर तक 104 दलालों को पकड़ा

गुवाहाटी (हि.स.)। पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) की रेलवे सुरक्षा बल (रेसुब) ने रेलवे टिकटों की अवैध बिक्री के लिए पिछले कुछ दिनों के दौरान चलाए गए विभिन्न अभियानों में तीन लोगों को पकड़ा। रेसुब ने 4 और 7 फरवरी, 2023 को उन लोगों के पास से 10 रेलवे टिकट भी बरामद किए। जनवरी, 2023 में, 73 हजार रुपए से अधिक कीमत के 32 रेलवे टिकटों की बरामदगी के साथ 09 व्यक्तियों को दलाली गतिविधियों के संबंध में पकड़ा। पकड़े गये व्यक्तियों पर रेलवे अधिनियम, 1989 की धारा 143 के तहत मुकदमा चलाया गया। पूसीरे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची डे ने रविवार को बताया है कि गत 4 फरवरी, 2023 को गुवाहाटी की सीआईबी और रेसुब टीम ने गुवाहाटी रेलवे स्टेशन पर अवैध और अन्य अवांछनीय गतिविधियों के खिलाफ निगरानी/जांच की। जांच के दौरान दो व्यक्तियों को पकड़ा गया, जिन्होंने यात्रियों के एक समूह से ट्रेन में कन्फर्म्ड बर्थ दिलाने का आश्वासन देकर अतिरिक्त राशि की मांग की थी। पूछताछ के दौरान, यह पता चला कि गिरफ्तार व्यक्ति रेलवे टिकटों की अवैध बिक्री का कारोबार करता था और वास्तविक किराया 295 रुपए के बदले इससे अधिक कुल 06 साधारण टिकटों के लिए यात्रियों से 5000 रुपए की अतिरिक्त राशि ली गई थी। जिस कारण, बरामद टिकटों को जब्त कर लिया गया और रेलवे अधिनियम की धारा 143 के तहत मामला दर्ज किया गया। हाल ही एक घटना में, 7 फरवरी, 2023 को रेसुब/कटिहार की सीआईबी टीम ने बारसोई की रेसुब टीम के साथ मिलकर सुधानी रेलवे स्टेशन के पीआरएस काउंटर पर रेलवे टिकटों की दलाली के खिलाफ अभियान चलाया। अभियान के दौरान, उन्होंने एक व्यक्ति को पकड़ा और 9 हजार रुपए से अधिक कीमत के 04 पीआरएस काउंटर टिकट बरामद किए। इस संबंध में रेलवे अधिनियम की धारा 143 के तहत मामला दर्ज किया गया। उल्लेखनीय है कि पूसीरे की रेसुब ने अप्रैल से दिसंबर, 2022 के दौरान 104 दलालों को पकड़ते हुए 31.66 लाख रुपए के अधिक मूल्य के 1102 रेलवे टिकटों की बरामदगी की।

इकरा नेशनल एकाडेमी, आलोपति के वार्षिक सम्मेलन का समापन

नगरबेड़ा (निसं)। वरपेटा जिले का मंदिया शिक्षा खण्ड के अंतर्गत इकरा नेशनल एकादेमी, आलोपति, ने चार दिनों के भव्य कार्यक्रम के साथ अपने वार्षिक सत्र का आयोजन किया। स्कूल के उद्घाटन व पुरस्कार समारोह में बाघबर विधानसभा क्षेत्र के विधायक शेरमान आली आहमेद ने उपस्थित रहे। इसके अलावा भी अन्य अतिथि बैठक में शामिल हुए क्रमानुसार आजमल कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस, कोलगछिया के प्राचार्य नुरुल आलम मुल्ला, लुइत परिया कॉलेज के प्राचार्य डॉ. जशिम उद्दीन आहमेद, लुइत पारिया कॉलेज के अंग्रेजी विभाग के प्रोफेसर शम्सुल आलम सरवर्दी, आलोपति माजर चर जिला परिषद सदस्य मौसम नरजियारा पारविन,आलोपति माजर चर गांव पंचायत सभापति सिराजुल हक, पूर्वी प्रोफेसर आमजाद हुछेन, मिर्जा फिरोज नबी आलहादी और अन्य वक्ता। स्कूल के प्रिंसिपल जयनाल आबदीन ने संबोधित कियाबैठक की अध्यक्षता स्कूल के मालिक आशीक इकबाल ने की। बैठक में उन अतिथियों ने भाग लिया जिन्होंने शिक्षा पर बहुमूल्य भाषण दिए।

कार से गांजा बरामद, तस्कर फरार

उदालगुड़ी (हि.स.)। उदालगुड़ी जिला के माजबाट पुलिस ने एक बोलोरो कार से भारी मात्रा में गांजा बरामद किया है। पुलिस ने रविवार को बताया कि माजबाट थाना प्रभारी राजीव गोहाई के नेतृत्व में एपीआरजी कमांडो की टीम के सहयोग से अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान असम-अरुणाचल प्रदेश के सीमावर्ती इलाका लालपानी पुलिस चौकी क्षेत्र के शिकारीडांगा ओरांग-रूपा सड़क पर रविवार तड़के चलाए गए तलाशी के दौरान तस्कर बोलोरो कार (एएस-12एए-6943) छोड़कर मौके से फरार हो गए। पुलिस ने कार की तलाशी ली। कार के भीतर से 173 किग्रा गांजा बरामद किया गया। पुलिस इस संबंध में एनडीपीएस एक्ट के तहत एक प्राथमिकी दर्ज कर फरार तस्करों की तलाश कर रही है। वहीं रेलवे पुलिस ने रविवार को गुवाहाटी रेलवे स्टेशन पर छापा मारकर 42 किग्रा गांजा जब्त किया है। बरामद गांजे की कीमत लाखों रुपए आंकी गई है। रेलवे पुलिस ने बताया है कि खुफिया सूत्रों से मिली जानकारी के आधार पर विवेक एक्सप्रेस के ए वन कोच से गांजा को जब्त किया गया है।

माहेश्वरी युवा संगठन का 200वां अन्नपूर्णा रसोई कार्यक्रम

गुवाहाटी (नसं)। माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा 200वां अन्नपूर्णा रसोई का कार्यक्रम आज असम माहेश्वरी भवन के सामने रखा गया जिसकी शुरुआत करते हुए मनोज चांडक ने अन्नपूर्णा रसोई कार्यक्रम के बारे में उपस्थित सभी सदस्यों को विस्तार से बताया वहीं युवा संगठन के अध्यक्ष आदित्य मुंदड़ा ने बताया कि ये प्रकल्प सेवा के हिसाब से दिनांक 25 जुलाई 2021 को सयोंजक प्रवीण फलोड और नारायण जाजू के सयोजन में शुरू किया गया जिसमें आजतक लगभग 35000 हजार से अधिक जरूरत मंद लोगों को सेवा दी गई। माहेश्वरी समाज के इस सेवा प्रकल्प की हर जगह प्रशंसा हो रही है। कार्यक्रम में पूर्वोत्तर माहेश्वरी युवा संगठन के मंत्री महावीर चाण्डक ने गोहाटी युवा संगठन के इस कार्यक्रम के लिए साधुवाद दिया और बताया आप की प्रेरणा से तेजपुर युवा संगठन भी ऐसा कार्यकम कर रही है। कार्यक्रम में उपस्थित सभा उपाध्यक्ष कुशल काबरा, सयुंक्त मंत्री बनवारी बिड़ला, महिला समिति की अध्यक्षा सरला लाहोटी,सचिव वर्षा सोमानी,संगीता जी काबरा एवम युवा संगठन के पूर्व अध्यक्ष अखिलेश मूंधड़ा ने युवा संगठन के सभी सदस्यों को इस सेवा प्रकल्प के लिए बधाई दी।कार्यक्रम संयोजक भाई प्रवीण फलोड व नारायण जाजू ने उपस्थित सभी सदस्यों से भविष्य में इसी तरह से सहयोग की कामना की। अंत मे युवा संगठन के कार्यवाहक सचिव शिवरतन सोनी ने उपस्थित सभी सदस्यों को तहेदिल से धन्यवाद दिया।

लियो क्लब की कई शाखाओं ने संयुक्त रूप से आहार दान किया

गुवाहाटी (नसं)। लियो क्लब आफ गौहाटी गर्ल्स, गुवाहाटी गोल्ड, शिलांग यूथ, गुवाहाटी कामरूपा, गुवाहाटी उमंग, धुबडी टाउन, गुवाहाटी अल्पाइन, गुवाहाटी अल्पाइन एक्सिस, बोंगाईगांव, गुवाहाटी एलीट, गुवाहाटी दक्षिण के लियो क्लब के सदस्यों ने संयुक्त रूप से एक सौ बच्चो के लिए आहार दान पर एक क्षेत्रीय गतिविधि का आयोजन किया। इस अवसर पर गुवाहाटी के मिशनरीज ऑफ चैरिटी मे नाश्ते के लिए कच्चे अन्न का योगदान दिया।इस अवसर पर लियो जिलाध्यक्ष अंजन राय, जिला कोषाध्यक्ष तनुज जालान,लियो प्रदेश अध्यक्ष आदित्य अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति ने नूडल्स, चना, केले और कई अन्य उपयोगी सामग्री वितरित की।साथ ही वहां रहने वाले लोगों के साथ समय बिताने के लिए आज 30 से अधिक लायंस सदस्य मौजूद थे।

विज्ञान में महिलाओं और लड़कियों के अंतर्राष्ट्रीय दिवस का आयोजन

गुवाहाटी। रोटरी क्लब ऑफ गुवाहाटी साउथ ने इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस स्टडी इन साइंस एंड टेक्नालॉजी (आईएएसएसटी), गुवाहाटी के सहयोग से विज्ञान पृष्ठभूमि से स्कूल और कॉलेज की छात्राओं के लिए एक संवाद सत्र और लैब विजिट का आयोजन किया। आईएएसएसटी, गुवाहाटी की वैज्ञानिक और अग्रणी डॉ. जयंती सुतिया और वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. बुला चौधरी ने इस कार्यक्रम की शोभा बन्ढाई। जेएएसएसटी, गुवाहाटी के निदेशक प्रो. आशीष कुमार मुखर्जी, संस्थान के कुछ रोटेरियन और शोध विद्वान भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। छात्रों ने प्रयोगशाला का दौरा किया और उन्हें संस्थान की विभिन्न सुविधाओं के बारे में अवगत कराया गया। इंटरैक्टिव सत्र के दौरान, छात्रों को कई संस्थानों के विभिन्न फैलोशिप और शोध कार्यक्रमों के बारे में जागरूक किया गया। चित्र में सर्टिफिकेट प्राप्त करती कार्यक्रम प्रतिभागी एवं प्राग्ज्योतिष कॉलेज की स्नातक की छात्रा अंशू झा।

होजाई : सरस्वती विद्यामंदिर में राउंड टेबल इंडिया ने किया भूमि पूजन

होजाई (होसं)। होजाई के सिलीगुड़ी बस्ती स्थित सरस्वती विद्या मंदिर विद्यालय में राउंड टेबल इंडिया गुवाहाटी शाखा के तत्वाधान में अतिआधुनिक शिक्षा भवन भूमि पूजन हाल ही में संपन्न किया गया। उक्त जानकारी एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से सरस्वती विद्या मंदिर के सचिव अजीत सरकार ने देते हुए आगे बताया की भूमि पूजन का शुभारंभ राउंड टेबल इंडिया गुवाहाटी शाखा के अध्यक्ष श्री सनी सेठिया के साथ शाखा के सदस्य आदित्य तोदी,आदित्य अग्रवाल, सलील अग्रवाल, विशाल जालान, अश्विनी भजनका ने सरस्वती विद्या मंदिर के मुख्य सचिव अजीत सरकार और विद्यालय के प्रधान शिक्षक कमल देवनाथ, अश्विनी वेलफेयर सोसाइटी के संपादक डॉ रंजीत रॉय और अंचल के कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इस उपलक्ष में एक उद्घाटन समारोह का आयोजन किया गया। उक्त सभा के अध्यक्ष अश्वनी वेलफेयर सोसाइटी के प्रतिष्ठापक संस्थापक अजीत सरकार ने किया। सभा मे मुख्य अतिथि के रूप में राउंड टेबल इंडिया गुवाहाटी शाखा के अध्यक्ष सनी सेठिया ने सरस्वती विद्या मंदिर विद्यालय के शैक्षिक उन्नयन के बारे में उल्लेख करते हुए कहा कि विद्यालय में एक अत्याधुनिक गृह निर्माण के लिए संपूर्ण खर्च राउंड टेबल इंडिया गुवाहाटी शाखा वगन करेगी। उक्त बृहत्तर अंचल में शैक्षिक उन्नयन के साथ ही साथ उन्होंने कहा कि नवनिर्मित अत्याधुनिक गृह में बहुत संख्यक अतिरिक्त श्रेणी कक्षा, स्मार्ट लेब और अत्याधुनिक सभी सुविधाएं संलग्न रहेगी जैसे कौशल विकास, वोकेशनल कोर्स, आईटीआई इत्यादि। समारोह में अश्वनी वेलफेयर के संस्थापक अध्यक्ष अजीत सरकार ने राउंड टेबल इंडिया गुवाहाटी शाखा के इस भूमि पूजन कार्यक्रम और अत्याधुनिक प्रकल्प निर्माण के लिए आगे बढ़ने हेतु धन्यवाद ज्ञापन किया।

नि:शुल्क मोबाइल मेडिकल बस कैंप का 1025 ने लिया लाभ

गुवाहाटी (नसं)। महानगर के पानबाजार स्थित गुवाहाटी रेलवे स्टेशन के पार्किंग परिसर में रविवार को चार दिवसीय नि:शुल्क मोबाइल मेडिकल बस कैंप शिविर का समापन हुआ। बीडीजी रमेश गोयल सेवा संस्थान की लोटस टीएमटी बार मेडिकल बस सेवा के सहयोग से गुवाहाटी नगर निगम, राउंड टेबल इंडिया (आरटीआई), लेडीज सर्किल इंडिया (एलसीआई) व असम टेक्सटाइल मर्चेंट्स एसोसिएशन (आत्मा) के संयुक्त तत्वाधान में इस मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस मोबाइल मेडिकल बस के भीतर आयोजित शिविर में जरूरतमंद लोगों की आई टेस्टिंग एंड ट्रीटमेंट, डेंटल टेस्टिंग एंड ट्रीटमेंट, ईएनटी टेस्टिंग एंड ट्रीटमेंट, पैथोलॉजिकल लैबोरेट्री की सुविधा, जनरल ओपीडी, ईसीजी एवं एक्सरे आदि कर उन्हें जरूरत के हिसाब से दवाइयां व चश्मा सहित चिकित्सकों द्वारा उचित परामर्श दिया गया। शिविर के पहले दिन सातगांव में 178, दूसरे दिन चांदमारी में 248, तीसरे दिन फाटाशिल में 255 तथा आज रेलवे स्टेशन के पार्किंग परिसर में 344 लोगों के स्वास्थ्य की नि:शुल्क जांच की गई। कुलमिलाकर चार दिनों में 1025 आर्थिक रूप से कमजोर परिवार के लोगों को इस शिविर से लाभ मिला। शिविर को सफल बनाने में जीएम बीडीजी मैटर्स लोटस टीएमटी के महाप्रबंधक अनिर्बान गुप्ता, प्रबंधन मेडिकल बस शिविर संजय गुप्ता, आसाम टेक्सटाइल मर्चेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष शुभकरण मालू, सचिव नरेश कुमार कासलीवाल, राउंड टेबल इंडिया से मोहित अग्रवाल, विनित अग्रवाल, नीरज बुधिया, लेडीस सर्कल इंडिया की एरिया चेयरपर्सन वंदना अग्रवाल, चेयरमैन गुवाहाटी सिटी राउंड टेबल 239 अंकित जैन एवं चेयरपर्सन गुवाहाटी सिटी लेडीज सर्किल 159 रीबेका अग्रवाल सहित सभी संस्थाओं के सदस्यों का भरपूर सहयोग रहा। इस शिविर को सफल बनाने में संबंधित इलाके के पार्षदों का भी भरपूर सहयोग रहा।

जेमा क्रिकेट लीग के साथ खेल सप्ताह शुरू

गुवाहाटी। गुवाहाटी इलेक्ट्रिक मरचेंट्स एसोसिएशन (जेमा) के तत्वाधान में खेल सप्ताह का शुभारंभ रविवार से किया गया। जेमा के अध्यक्ष नवल किशोर शारदा ने बताया कि खेल सप्ताह को दो चरणों में बांटा गया है। लतासिल खेल मैदान में आज से दो दिवसीय जेमा प्रीमियर लीग का शुभारंभ हुआ। जेमा प्रीमियर लीग का उद्घाटन मुख्य प्रायोजक जानी-मानी इलेक्ट्रिकल कंपनी मारू के पूर्वोत्तर में प्रमुख दिलीप गुरसाहनी ने किया। इस मौके पर सचिव साकेत पुगलिया, उपाध्यक्ष गोपाल पसारी, नवीन सेठिया, सज्जन अग्रवाल, राजकुमार धनुका, प्रमोद मोर, अनिल दुगड़, अशोक सेठिया, अभिषेक कांगलीवाल, दीपक अग्रवाल, अभिषेक केजरीवाल, टूर्नामेंट के संयोजक आनंद सराफ सहित जेमा के बड़ी संख्या में सदस्य मौजूद थे। कार्यक्रम संयोजक श्री सराफ ने बताया कि क्रिकेट टूर्नामेंट में कुल 8 टीमें हिस्सा ले रही है। दो दिवसीय टूर्नामेंट में कुल 15 मैच खेले जाएंगे। वही जेमा खेल सप्ताह के दूसरे चरण में इंडोर गेम्स का आयोजन किया जाएगा, जिसमें संस्था के सभी सदस्य हिस्सा लेंगे। उपाध्यक्ष गोपाल पसारी ने बताया कि इस खेल सप्ताह को सफल बनाने में जेमा के सभी सदस्य जुटे हुए हैं।

मूवर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया का छठा राष्ट्रीय सम्मेलन गुवाहाटी में

गुवाहाटी। मूवर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया ने गुवाहाटी में अपना छठा वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया। मूवर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एमएफआई), भारत के सभी प्रांतों से मालिक प्रबंधित कंपनियों का प्रतिनिधित्व करता है। प्रबंधित और अत्यधिक स्वामित्व वाले पुनर्वास सेवा प्रदाताओं के भारत के सबसे बड़े स्वायत्त निकाय के रूप में, मूवर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया, एमएफआई बोर्ड के सदस्य उद्योग मानकों को बनाए रखने, ग्राहकों की मदद करने, नवाचार को बढ़ावा देने और क्षेत्रीय और राष्ट्रीय सरकारी प्राधिकरणों द्वारा चलती कंपनियों के हितों की रक्षा के लिए समर्पित हैं। इस अवसर पर माननीय परिवहन मंत्री श्री परिमल सुकलाबैद्य ने कहा कि मैं पूर्वोत्तर गुवाहाटी के प्रवेश द्वार पर उनके छठे सम्मेलन के आयोजन हेतु मूवर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया का बहुत आभारी हूं। मुझे यकीन है कि चलती और पैकिंग उद्योग इस अंतर को पाट देगा और ग्राहक को सर्वोत्तम अनुभव प्रदान करायेगा। एमएफआई अपने व्यवसाय और अपने ब्रांड को और अधिक आगे बढ़ाने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों, संसाधनों, ग्राहक संरक्षण और अद्वितीय नेटवर्किंग अवसरों की पेशकश करके विकास और सफलता का निर्माण कर रहा है। श्री अजीत शर्मा, संस्थापक अध्यक्ष, एमएफआई ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि मूवर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया का गठन अंतिम उपयोगकर्ता को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से किया गया था। हमने बहुत सी धोखाधड़ी गतिविधियों को देखा है, जहां बुकिंग लेने वाले व्यक्ति रातोंरात गायब हो गए तथा ट्रक के नंबर और विवरण का पता नहीं चल पा रहा था। इस तरह की बहुत सारी कहानियों को सुनने के बाद, हम वास्तव में अंतिम उपयोगकर्ता को एक सकारात्मक अनुभव देना चाहते थे। इसलिए हम एक संघ स्थापित करने का विचार लेकर आए जिससे लोगों के साथ ही साथ बड़े पैमाने पर पुनर्वास उद्योग को भी लाभ होगा। एमएफआई ने सहयोगी सदस्यों को प्रशिक्षित करने के लिए बैंगलोर, लखनऊ और पुणे में अपने शारीरिक प्रशिक्षण और कौशल केंद्रों की शुरुआत की है ताकि वे अपने कौशल को सुधार सकें और सर्वोत्तम सेवाएं प्रदान कर सकें। पैकर्स और मूवर्स उद्योग ने अच्छी मात्रा में विकास संबंधी प्रतिवेदन दी है। सह-संस्थापक और अध्यक्ष श्री आलोक भार्गव ने कहा कि उद्योग का निवल मूल्य 20,000 करोड़ के करीब है। आलोक ने कहा कि मैंने ऐसे कई परिदृश्य देखे हैं जहां अनुभवी पैकर्स के रूप में पेश आए लोगों द्वारा गंभीर कदाचार किया गया और ग्राहकों से पैसे वसूले गए। मुझे याद है कि एक उदाहरण था, एक ग्राहक का शिपमेंट एक सप्ताह के समय के बाद भी डिलीवर नहीं किया गया था। जब वह कार्यालय पहुंचे तो उन्हें खाली कुर्सियां और मेजें मिलीं। हम ग्राहक के अनुभव को बढ़ाना चाहते थे और मौजूदा प्रणाली में सुधार करना चाहते थे। हमने इस फेडरेशन को 5 साल पहले तैयार किया था और हमने काफी प्रगति की है। अनूप मिश्रा, सचिव एवं प्रवक्ता ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि फेडरेशन स्थापित करने का मुख्य एजेंडा उन उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करना है जो अपनी गाढ़ी कमाई को पैकर्स और मूवर्स के हाथों में सौंप देते हैं। मीडिया को संबोधित करते हुए, उन्होंने दो दशकों में देखे गए अनुभवों को साझा किया और उद्धृत किया मैंने लोगों को एक ही कमरे से दस अलग-अलग कंपनियों का संचालन करते देखा है। अलग-अलग नामों वाला केवल एक व्यक्ति ग्राहक को गुमराह करके और शिफ्टिंग का आदेश प्राप्त करके वहां कई कोटेशन पोस्ट करता है। प्रबंधित और अत्यधिक स्वामित्व वाले पुनर्वास सेवा प्रदाताओं के भारत के सबसे बड़े स्वायत्त निकाय के रूप में, मूवर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया का मुख्य उद्देश्य - एक मंच का निर्माण करना है, जिसमें आपसी चिंताओं पर चर्चा की जा सके, ताकि सभी को लाभ हो। फोरम के सह-संस्थापक श्री जतिन गुलाटी और श्री रमेश जांगड़ा ने एमएफआई/एमएफआई के रोड मैप के आगे के विस्तार के बारे में भी बताया और यह भी बताया कि यह स्थानीय संचलित समुदायों को कैसे प्रभावित करेगा।

होजाई : सावरिया भक्त मंडल ने किया विशाल निशान पद यात्रा का आयोजन

होजाई (निसं)। होजाई-सावरिया भक्त मंडल के सौजन्य से होजाई से नगांव तक विशाल निशान पद यात्रा दो दिवसीय कार्यक्रम के साथ सफलता पूर्वक सम्पन्न हुई। गत 11 फरवरी को स्थानीय लक्ष्मी नारायण मंदिर के प्रांगण से नगांव तक पैदल निशान यात्रा निकाला गया। उक्त निशान यात्रा को हरी झंडी दिखाया होजाई थाना के प्रभारी तपन मेधी ने। निशान यात्रा में करीबन 2 सौ भक्त पुरूष, महिलाओं के साथ-साथ छोटे-छोटे बच्चे भी बड़ी उमंग के साथ शामिल रहे। यात्रा निलबगान दबका जबराखोवा रेंग बेंग होते हुए रात्रि विश्राम हेतु कोठियातुलि पहुंची। पुन: 12 फरवरी को प्रात:कालीन बेला में निशान यात्रा आरंभ होकर नोनोई बरघाट होते हुए श्याम धाम नगांव मंदिर में भक्तो ने कलयुग के अवतार खाटू नरेश पर निशान अर्पण कर आशीर्वाद ग्रहण किया। उक्त यात्रा की विशेषता थी कि निलबगान में मदरसा के छात्र छात्राओं ने पदयात्रा को से स्वागत किया।साथ ही दबका में आमसू के सदस्यों ने पदयात्रा के भक्तों को जल सेवा प्रदान की।पदयात्रा के संयोजक द्वय प्रताप कयाल एवं मोहन मोर ने पदयात्रा की सफलता हेतु समाज के सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया है।

उत्तर प्रदेश समृद्ध तो भारत भी समृद्ध : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

-यूपी को उत्तम निवेश प्रदेश बनाने में सहायक होगा ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट : राष्ट्रपति
-तीन दिवसीय यूपी जीआईएस के समापन समारोह में बोलीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू
-समिट में 33 लाख करोड़ के निवेश प्रस्तावों पर हुए करार, सृजित होंगे 93 लाख रोजगार

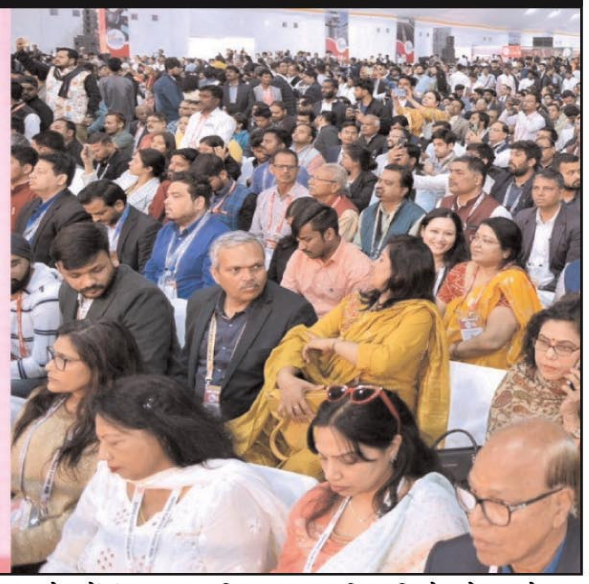

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के संकल्प में अवश्यम्भावी सिद्धि बनने वाले ऐतिहासिक यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2023 का समापन रविवार शाम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के मार्गदर्शन के साथ हुआ। तीन दिवसीय यूपी जीआईएस का शुभारंभ 10 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया था। इस समिट के जरिये उत्तर प्रदेश में समावेशी विकास के लिए करीब 33 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों के करार हुए, जिनसे लगभग 93 लाख नए रोजगार सृजित होंगे। यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि समावेशी विकास की सोच के साथ आयोजित यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिति के सार्थक परिणाम आएंगे। उत्तर प्रदेश को विश्वव्यापी ख्याति मिलेगी। दूरदर्शितापूर्ण नीतियों को लागू कर तथा उसके कार्यान्वयन से उत्तर प्रदेश प्रधानमंत्री के विजन के अनुरूप नए भारत का ग्रोथ इंजन बनने के लिए सक्षम भी है और इसके लिए तैयार भी है। उत्तर प्रदेश समृद्ध होगा तो भारत भी समृद्ध होगा। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट उत्तर प्रदेश को उत्तम निवेश प्रदेश बनाने में सहायक सिद्ध होगा। वृंदावन योजना के वाल्मीकि मेन हाल में उपस्थित देश विदेश के उद्यमियों, निवेशकों, नवाचारियों, नीति निमार्ताओं, मंत्रियों, अधिकारियों आदि को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि उत्तर प्रदेश न केवल आबादी के लिहाज से देश का सबसे बड़ा प्रदेश है बल्कि यह देश की अर्थव्यवस्था में भी महत्वपूर्ण योगदान देता है। देश की कई योजनाओं में या पहले स्थान पर है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की धरती अन्नदाता की धरती है। खाद्यान्न, गन्ना, आलू आदि व दूध के उत्पादन में यह देश में अग्रणी है। राष्ट्रपति ने कहा कि उत्तर प्रदेश में कृषि आधारित उद्यमिता विकास की अनेक संभावनाएं हैं। प्रसन्नता की बात है कि उत्तर प्रदेश सरकार फूड प्रोसेसिंग पॉलिसी से खाद्य प्रसंस्करण उद्योग को प्रोत्साहित कर रही है। खुद को किसान परिवार का सदस्य बताते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि कृषि व कृषि आधारित उद्योगों के विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों हेतु वह उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व उनकी टीम की प्रशंसा करती है। उन्होंने इस बात पर भी प्रसन्नता जताई कि प्रधानमंत्री के प्रयासों से संयुक्त राष्ट्र संघ की तरफ से वर्ष 2023 को अंतरराष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है और इस दिशा में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा मिलेट्स की डिमांड और सप्लाई चैन को प्रोत्साहित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि औद्योगिक विकास के लिए राजनीतिक स्थिरता व निरंतरता सहायक सिद्ध होती है। उत्तर प्रदेश में निवेश के लिए प्रदेश सरकार द्वारा जिस प्रकार प्रक्रियाओं को सरल बनाने के प्रयास किए गए हैं, वह सराहनीय है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में 95 लाख एमएसएमई हैं, जो देश में सर्वाधिक हैं। एमएसएमई, कृषि के बाद सर्वाधिक रोजगार का अवसर प्रदान करने वाला क्षेत्र है। आर्थिक विकास में एमएसएमई की प्रमुख भूमिका है। द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था को पांच ट्रिलियन डॉलर बनाने के लक्ष्य में उत्तर प्रदेश ने एक ट्रिलियन डॉलर का योगदान देने का संकल्प लिया है। देश की कुल अर्थव्यवस्था का पांचवां हिस्सा उत्तर प्रदेश से पूरा होगा। इस संकल्प के सिद्ध होने से प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर अभियान को भी काफी बल मिलेगा। उन्होंने कहा कि 2019 में प्रयागराज कुंभ के शानदार आयोजन के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जिस प्रकार पूरे विश्व में प्रशंसा हुई थी, उनकी कामना है कि इस ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट को भी विश्वव्यापी ख्याति मिले। राष्ट्रपति ने कहा कि उत्तर प्रदेश में इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट पर काफी काम हुआ है। सड़क यातायात, हाइवे व एक्सप्रेस में निवेश से आर्थिक विकास में काफी सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा कि उन्हें यह जानकर प्रसन्नता है कि देश में 65 प्रतिशत मोबाइल उपकरण अकेले उत्तर प्रदेश में बनते हैं। यही नहीं परंपरागत उद्यम को बढ़ावा देने वाली उत्तर प्रदेश की एक जिला एक उत्पाद योजना (ओडीओपी) भी काफी सफल है। परंपरागत उद्योगों को बढ़ावा देने से स्थानीय स्तर पर आर्थिक उन्नयन तो होता ही है, निवेशकों को भी काफी अवसर मिलता है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में डिफेंस कॉरिडोर का भी निर्माण हो रहा है। यह डिफेंस कॉरिडोर देश की रक्षा आत्मनिर्भरता को सफलता प्रदान करने के साथ ही उद्यम, रोजगार और विकास को भी बढ़ावा देगा। उन्होंने प्रदेश सरकार की इस बात के लिए भी प्रशंसा की कि यहां विकास के साथ पर्यावरण संतुलन के भी अनेक प्रयास किए जा रहे हैं। इस सिलसिले में उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर भी विकसित कर रहा है। उत्तर प्रदेश के यह प्रयास देश के ग्रीन एनर्जी लक्ष्य को प्राप्त करने में काफी सहायक सिद्ध होंगे। उन्होंने कहा कि जब निवेश का माहौल बनता है तो स्वरोजगार को भी बल मिलता है। इस दिशा में स्टार्टअप को लेकर उत्तर प्रदेश में काफी महत्वाकांक्षी प्रयास हो रहे हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि देश के सबसे युवा राज्य उत्तर प्रदेश का स्वरोजगार में भी अग्रणी स्थान होगा। राष्ट्रपति ने राज्य सरकार की इस बात के लिए भी सराहना की है कि उत्तर प्रदेश में विकास के सामाजिक आयामों पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। यहां आर्थिक विकास के साथ ही सामाजिक व आध्यात्मिक, सांस्कृतिक विकास के प्रयास भी किए जा रहे हैं। जीआईएस में महिला उद्यमियों व शिल्पकारों को खासी भागीदारी दी गई। उन्होंने कहा कि उन्होंने कहा कि आधी आबादी का विकास किए बिना देश का विकास संभव है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की चर्चा करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि इस नीति का लक्ष्य भारत को सुपर पावर बनाना है। विरासत से युवाओं को जोड़कर 21वीं सदी की चुनौतियों के लिए तैयार करना है। प्रदेश सरकार की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर चर्चा को आगे बढ़ाने के साथ शिक्षा में निवेश को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। शिक्षा व निवेश के संगम से काफी परिवर्तन आएगा। पूर्व में प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राष्ट्रपति का स्वागत किया। प्रदेश के दोनों उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व ब्रजेश पाठक और योगी सरकार के कई अन्य मंत्री भी जीआईएस के समापन समारोह में मौजूद रहे।

दिल्ली में 10 क्विंटल वेस्ट लोहे से डेवलप किया गया वेस्ट टू वंडर पार्क

अजय कुमार

नई दिल्ली। केशवपुरम जोन के अशोक विहार फेस-1 के एफ ब्लाक के सेंट्रल पार्क में नगर निगम की ओर से करीब दस क्विंटल वेस्ट लोहे व अन्य सामान से जी-20 की थीम पर ह्यवेस्ट टू वंडरह्ण पार्क विकसित किया गया है। सांसद डा। हर्षवर्धन ने शनिवार को इस पार्क का उद्घाटन किया। डा. हर्षवर्धन ने कहा कि केशवपुरम में इस प्रकार का यह पहला पार्क है जहां पर वेस्ट-टू-वंडर के तहत पुराने लोहे टूटे हुए झूले प्लास्टिक की सीट्स पेड़ों के गले व खराब लकड़ियों का इस्तेमाल कर इसे विकसित किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को दिल्ली में होने वाले जी-20 सम्मेलन का अध्यक्ष बनाया जाना सभी के लिए गौरव का विषय है और इस परिप्रेक्ष्य में समस्त दिल्ली का सुंदरीकरण करने का कार्य जोर-शोर पर किया जा रहा है। विकसित करने के लिए नगर निगम द्वारा किसी प्रकार का कोई खर्च नहीं किया गया है। इसे पूरी तरह से पुराने व खराब सामग्रियों को एकत्रित कर स्थानीय आरडब्ल्यूए व जनता के सहयोग से सुंदर बनाया गया है। डा। हर्षवर्धन ने वेस्ट-टू-वंडर पार्क को विकसित करने के लिए उद्यान विभाग के अधिकारियों/कर्मचारियों को सम्मानित किया। इस पार्क को विकसित करने के लिए सूखे पत्तों दस क्विंटल लोहे (जोकि टूटे बैंच झूलों पाइप आदि) 50 किलो टूटे पाइप 70 वर्ग फीट लकड़ी के बोर्ड 1200 वर्ग फीट मार्बल 500 वर्ग फीट लाल बजरी व 700 फीट सफेद बजरी का इस्तेमाल किया गया है।

अब महरौली में नहीं चलेगा बुलडोजर दिल्ली सरकार ने अतिक्रमण रोका

राकेश शर्मा

नई दिल्ली। दिल्ली के महरौली इलाके के डीडीए की ओर से अतिक्रमण हटाने के लिए चलाए जा रहे अभियान पर रोक लगाई गई है। दिल्ली सरकार ने दखल देते हुए डीडीए से तोड़फोड़ को रोकने को कहा है। दिल्ली के राजस्व मंत्री कैलाश गहलोत ने विवादित क्षेत्र में नए सिरे से सीमा चिन्हित करने का आदेश दिया है। साथ ही कैलाश गहलोत ने डीडीए से कहा है कि नए सिरे से सीमा चिन्हित किए जाने तक रहने वालों को विस्थापित नहीं किया जा सकता है। दरअसल डीडीए ने राजस्व विभाग के सीमांकन को गिराने का आधार बनाया था। पुलिस सुरक्षा के बीच महरौली पुरातत्व पार्क इलाके में अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाया। इसका कई स्थानीय लोगों ने विरोध किया था। इस अभियान को लेकर दिल्ली में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी और केंद्र में बीजेपी में आरोप प्रत्यारोप का दौर भी शुरू हो गया। अधिकारियों ने बताया कि ध्वस्तीकरण की कार्रवाई अगले महीने नौ मार्च तक जारी रहेगी। यह अभियान जी-20 बैठक से पहले की जा रही है जिसकी मेजबानी दक्षिण दिल्ली स्थित पुरातत्व पार्क में करने की योजना है।

इस पूरे मामले पर डीडीए के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया ऐतिहासिक पार्क में अतिक्रमण को लेकर कई मामलों पर अदालत ने संज्ञान लिया था और कई लोगों ने गत दशकों में अनधिकृत ढांचे खड़े कर लिए और इनमें से कुछ ने तो पांच-छह मंजिला इमारतें बना लीं। पिछले साल दिसंबर में ऐसे लोगों को नोटिस दिया गया था और उन्हें कार्रवाई की जानकारी के लिए नोटिस दीवार पर चस्पा किया गया था। डीडीए द्वारा 12 दिसंबर 2022 को जारी नोटिस जिसके मुताबिक महरौली पुरातत्व पार्क के भीतर और बाहर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की जा रही है। साथ ही उन मौजूदा अनधिकृत अतिक्रमण को भी हटाया जा रहा है जो महरौली पुरातत्व पार्क के विकास में बाधा बन रहे हैं। कई स्थानीय लोगों ने दावा किया कि अभियान सुबह शुरू हुआ और अंधेरिया मोड़ के नजदीक कई झुग्गियों और औलिया मस्जिद के नजदीक बनी दो और तीन मंजिला इमारतों को ध्वस्त कर दिया गया।

भीम आर्मी का भोपाल में बड़ा शक्ति प्रदर्शन, विभिन्न मांगों को लेकर जुटे हजारों कार्यकर्ता

- भीम आर्मी के राष्ट्रीय प्रमुख चंद्रशेखर रावण करेंगे जनसभा को संबोधित

भोपाल, (हि.स.)। जातिगत जनगणना, प्रमोशन में आरक्षण का कानू बनवाने समेत विभिन्न मांगों को लेकर भीम आर्मी ने राजधानी भोपाल में रविवार को बड़ा शक्ति प्रदर्शन किया है। दशहरा मैदान पर आयोजित जनसभा में कार्यक्रम स्थल पर भारी संख्या में लोग जमा हो चुके हैं। ग्रामीण क्षेत्रों से बसों के माध्यम से लोगों को इस सभा में लाया गया है। इसमें प्रदेश भर से पांच लाख कार्यकताओं के पहुंचने की उम्मीद है। रात से ही कार्यकर्ताओं का कार्यक्रम स्थल पर जुटना शुरू हो गया था। भीम आर्मी के राष्ट्रीय प्रमुख चंद्रशेखर रावण भी इसमें शामिल हो रहे हैं। भेल दशहरा मैदान पर आयोजित जनसभा में भीम आर्मी के अलावा जय युवा आदिवासी संगठन (जयस), ओबीसी महासभा, गोडवाना गणतंत्र पार्टी और आजाद समाज पार्टी के लोग भी इसमें शामिल हो रहे हैं। यह प्रदर्शन जातिगत जनगणना कराने, प्रदेश सरकार से प्रमोशन में आरक्षण का कानून बनवाने, आरक्षण को संविधान की नौवीं अनुसूची में शामिल करवाने जैसी 15 से ज्यादा मांगों को लेकर हो रहा है। इस जनसभा को आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद रावण संबोधित करेंगे। वह भोपाल पहुंच चुके हैं। वह दोपहर 2.00 के बाद वाहनों की रैली के साथ सभा स्थल पर पहुंचेंगे। भीम आर्मी संगठन 2023 के विधानसभा चुनाव में एक मोर्चा बनाकर चुनाव मैदान में उतर सकता है। इस सभा में जय युवा आदिवासी शक्ति संगठन (जयस) के संरक्षक आनंद राय, गोंडवाना गणतंत्र पार्टी की अध्यक्ष मोनिका शाह भट्टी, ओबीसी महासभा के नेता महेन्द्र लोधी भी शामिल होंगे। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सुनील कुमार आस्तेय का दावा है कि प्रदर्शन में पांच लाख लोग शामिल होंगे। चंद्रशेखर के अलावा ओबीसी नेता प्रीतम लोधी, व्यापम कांड के व्हिसिल ब्लोअर डॉ. आनंद राय, सुनील आस्तेय, सुनील बैरसिया सहित प्रदेश भर के भीम आर्मी और आजाद समाज पार्टी के कार्यकर्ता और अनुसूचित जाति-जनजाति के लोग इस प्रदर्शन में शामिल होंगे। प्रदर्शन के लिए प्रदेशभर से भीम आर्मी और आजाद समाज पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता रात में ही राजधानी पहुंच गए थे। भोपाल में पहली बार इन दोनों संगठनों का इतना बड़ा शक्ति प्रदर्शन हो रहा है। मप्र में इस साल विधानसभा के चुनाव होने हैं। इस लिहाज से यह शक्ति प्रदर्शन काफी अहम माना जा रहा है। भाजपा और कांग्रेस से नाराज नेता और खासकर दलित और युवा इस कार्यक्रम में बुलाए गए हैं। जिला पंचायत, जनपद पंचायत सदस्यों के साथ ही सरपंच और पार्षद भी आज के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए पहुंचे हैं। भीम आर्मी के सुनील अस्तेय ने बताया कि प्रदेश में एक जनवरी से सामाजिक न्याय यात्रा निकाली गई, जो 52 जिलों, 230 विधानसभा क्षेत्रों को भ्रमण कर चुकी है। राजधानी में आज इसका समापन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि भीम आर्मी राज्य और केंद्र सरकार से जातिगत जनगणना, आरक्षण की सीमा बढ़ाने, ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण देने, दो अप्रैल 2018 को अनुसूचित जाति वर्ग के लोगों पर दर्ज किए गए आपराधिक प्रकरण वापस लेने, बैकलाग के खाली पदों पर भर्ती करने, ओबीसी के 51 हजार पदों पर नियुक्ति को लेकर लगी रोक हटाने, ठेकेदारी प्रथा खत्म करने, सफाई कर्मचारियों को नियमित करने और छात्रावासों की संख्या बढ़ाने की मांग कर रही है।

मेयर चुनाव के लिए एलजी ने दी 16 फरवरी की मंजूरी

अजय त्यागी

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के मेयर का चुनाव 16 फरवरी को होगा। दिल्ली सरकार निगम सदन की बैठक 16 फरवरी को बुलाने के प्रस्ताव को उपराज्यपाल (एलजी) विनय कुमार सक्सेना ने अपनी मंजूरी दे दी। एमसीडी चुनाव के नतीजे आए हुए तीन महीने से अधिक हो चुके है। इस दौरान तीन बार मेयर चुनाव के लिए सदन की बैठक बुलाई गई, लेकिन हंगामे की वजह से मेयर चुनाव नहीं हो सका है। बीते 6 फरवरी को मेयर चुनाव के लिए बुलाई गई सदन की बैठक में भी खूब हंगामा हुआ, जिसके बाद बैठक स्थगित कर दी गई। उसके बाद आम आदमी पार्टी की ओर से मेयर पद की प्रत्याशी शैली ओबरॉय ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर चुनाव कराने की मांग की। बीते बुधवार को संज्ञान लेते हुए सुप्रीम कोर्ट ने उपराज्यपाल, दिल्ली सरकार, एमसीडी और पीठासीन अधिकारी को नोटिस भेजा था। इस पर सोमवार को सुनवाई होनी है। इसी बीच दिल्ली सरकार की ओर से मेयर चुनाव के लिए 16 फरवरी को निगम सदन की बैठक बुलाने की स्वीकृति उपराज्यपाल ने दे दी है। उल्लेखनीय है कि एमसीडी चुनाव के नतीजे 7 दिसंबर को आए थे, जिसमें 134 सीटें जीतकर आम आदमी पार्टी सबसे बड़ी पार्टी है। वहीं भाजपा को 104 सीटें मिली हैं।

दिल्ली में 16 साल के लड़के के साथ कुकर्म पड़ोस के 5 युवकों ने की हैवानियत

नई दिल्ली। उत्तरी दिल्ली के सिविल लाइंस इलाके में 16 वर्ष के एक किशोर के साथ उसके पड़ोस में रहने वाले पांच लोगों ने कथित तौर पर कुकर्म किया। यह जानकारी पुलिस ने शनिवार को दी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपियों में से एक को गिरफ्तार किया जा चुका है। उसकी पहचान विक्रम (26) के तौर पर की गई है जो नोएडा में एक प्राइवेट कंपनी में नौकरी करता है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि सिविल लाइंस थाने को बीते शुक्रवार को पांच लोगों द्वारा लड़के से कुकर्म किए जाने की सूचना मिली थी। उन्होंने बताया कि मौके पर पहुंचने पर पीड़ित किशोर ने बताया कि कुछ स्थानीय लड़कों ने उसका यौन शोषण किया है। पुलिस उपायुक्त (उत्तर) सागर सिंह कलसी ने कहा कि पीड़ित किशोर ने पांचों लड़कों के खिलाफ शिकायत दी। उन्होंने बताया कि पीड़ित किशोर ने पांचों लड़कों पर उसके साथ कुकर्म करने का आरोप लगाया है। कलसी ने बताया कि आरोपी पिछले कुछ वर्षों से किशोर के पड़ोस में रह रहे हैं। उन्होंने कहा कि पीड़ित किशोर का मेडिकल परीक्षण कराया गया है और भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 377 के साथ ही यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो) की धारा-चार के तहत एक मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने कहा कि पांचों आरोपियों को पकड़ने के लिए आगे की जांच की जा रही है।

भारत ने तुर्किये और सीरिया के लिए 'ऑपरेशन दोस्त' का 7वां विमान भेजा

- दोनों देशों के लिए 35 टन से अधिक राहत सामग्री भेजी गई
- तुर्किये में एक भारतीय नागरिक का शव मलबे में मिला

नई दिल्ली, (हि.स.)। भूकंप प्रभावित तुर्किये और सीरिया के लिए भारत ने 'ऑपरेशन दोस्त' के तहत शनिवार देर शाम 7वां विमान गाजियाबाद के हिंडन एयरबेस से रवाना किया। वायु सेना के इस विमान में राहत सामग्री, चिकित्सा सहायता, आपातकालीन और महत्वपूर्ण देखभाल दवाएं, चिकित्सा उपकरण और उपभोग्य वस्तुएं हैं। इससे पहले भी भारत ने विशेष विमानों से दोनों देशों के लिए आर्मी फील्ड अस्पताल से 89 सदस्यीय सेना की मेडिकल टीम भेजी है। एनडीआरएफ की टीमें तुर्किये में राहत एवं बचाव कार्यों में लगी हैं। भूकंप प्रभावित सीरिया और तुर्किये के लिए शनिवार को वायु सेना के सी-17 परिवहन विमान से राहत सामग्री और उपकरण भेजे गए।इस उड़ान में राहत सामग्री, चिकित्सा सहायता, आपातकालीन और महत्वपूर्ण देखभाल दवाएं, चिकित्सा उपकरण और उपभोग्य वस्तुएं हैं। वायु सेना का यह विमान पहले दमिश्क जाकर वहां राहत सामग्री उतारने के बाद अदाना के लिए उड़ान भरेगा। इस उड़ान में 35 टन से अधिक राहत सामग्री भेजी गई है, जिसमें से 23 टन से अधिक राहत सामग्री सीरिया के लिए और लगभग 12 टन तुर्किये के लिए है। सरकार के बयान में बताया गया है कि सीरिया के लिए भेजी जा रही सहायता में स्लीपिंग मैट, जेनसेट, सोलर लैंप, तिरपाल, कंबल, आपातकालीन और महत्वपूर्ण देखभाल दवाएं, और आपदा राहत सामग्री जैसी राहत सामग्री शामिल है। तुर्किये के लिए जाने वाली सामग्री में आर्मी फील्ड अस्पताल और एनडीआरएफ के लिए टीम की आपूर्ति, ईसीजी जैसे चिकित्सा उपकरण, रोगी मॉनिटर, एनेस्थीसिया मशीन, सिरिंज पंप, ग्लूकोमीटर, आदि, कंबल और अन्य राहत सामग्री शामिल हैं। तुर्किये में विनाशकारी भूकंप से हुई तबाही के मलबे में शनिवार को एक भारतीय नागरिक का शव मिला है। मृतक की पहचान उत्तराखंड के पौड़ी जिले के कोटद्वार के रहने वाले विजय कुमार के रूप में हुई है। वह बीते माह अपने व्यवसाय के सिलसिले में तुर्किये गए थे, लेकिन बीते 6 फरवरी से लापता थे। तुर्किये में स्थित भारतीय दूतावास ने शनिवार को पुष्टि की है कि 6 फरवरी को भूकंप के बाद से तुर्किये में लापता भारतीय नागरिक विजय कुमार के शव के कुछ हिस्से मिल गए हैं। उनका शव तुर्किये के मलत्या में एक होटल के मलबे के बीच से निकाला गया। उनके पार्थिव शरीर को जल्द से जल्द भारत पहुंचाने के लिए इंतजाम किये जा रहे हैं। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक विजय का चेहरा पहचानना मुश्किल था, क्योंकि उनका चेहरा पूरी तरह से कुचल गया था। उनके एक हाथ पर 'ओम' शब्द का टैटू था, जिससे उनकी पहचान हो पाई है। विजय कुमार के रिश्तेदार गौरव काला ने बताया कि हमें कल सूचना मिली कि उसका सामान और पासपोर्ट मिल गया है, लेकिन वहां कोई शव नहीं है। हम उसकी सलामती की उम्मीद कर रहे थे कि आज दोपहर में दूतावास से फोन आया। वे पहचान के लिए पुष्टि चाहते थे, इसलिए हमने उन्हें बाएं हाथ पर एक निशान के बारे में बताया। वह बेंगलुरु में एक कंपनी में काम करता था। वह 22 जनवरी को तुर्किये गया था और वह 20 फरवरी को लौटने वाला था। लगभग एक महीने पहले उनके पिता का निधन हो गया था और अब यह हुआ है। इससे पहले 8 फरवरी को विदेश मंत्रालय के सचिव (पश्चिम) संजय वर्मा ने बताया था कि भूकंप आने के बाद तुर्किये के दूरदराज के हिस्सों में दस भारतीय फंसे थे, लेकिन एक नागरिक के लापता होने की जानकारी दी थी। भूकंप से तबाह हो चुके यूरोप के पास बसे पश्चिम एशिया के दो देश तुर्किये और सीरिया में छह दिन से मलबे में जिंदगी की तलाश की जा रही है। इन देशों में भूकंप के बाद से मृतकों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। इस आपदा में अब तक 25 हजार से अधिक लोगों की जान गई है। तुर्किये में 19 हजार से ज्यादा लोग मारे गए हैं। बाकी लोग सीरिया के हैं।

नजफगढ़ की 39 अनाधिकृत कॉलोनियों में दिल्ली सरकार बिछाएगी सीवर लाइन

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने जलबोर्ड को नजफगढ़ विधानसभा क्षेत्र की 39 अनधिकृत कॉलोनियों में सीवर लाइन बिछाने और लोगों के घरों में मुफ्त व्यक्तिगत हाउस सीवर कनेक्शन देने की योजना को स्वीकृति दे दी। कुल 41 करोड़ रुपये की लागत वाली इस परियोजना से करीब 55 हजार लोगों को फायदा होगा। सिसोदिया ने डीजेबी के अधिकारियों को परियोजना को समय-सीमा के भीतर उम्मीदों के अनुरूप बनाने और गुणवत्ता पूर्ण कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। सिसोदिया ने रविवार को बताया कि दिल्ली सरकार राष्ट्रीय राजधानी के विभिन्न इलाकों में सीवर लाइन बिछाने और यमुना की सफाई को लेकर चरणबद्ध तरीके से काम कर रही है। उन्होंने कहा कि हमने यमुना नदी को 2025 साल में पूरा साफ करने का लक्ष्य रखा है। इसी कड़ी में नजफगढ़ विधानसभा क्षेत्र की 39 अनधिकृत कॉलोनियों में 34 किमी लंबी सीवर लाइन बिछाई जाएगी। आगे उन्होंने कहा कि इस परियोजना से करीब 55 हजार लोगों को सीवर की समस्या से राहत मिलेगी। उल्लेखनीय है कि यहां सीवेज को बिना ट्रीट किए ही नालों में बहाया जाता है, जिससे यमुना नदी में गंदा पानी गिरता है। यमुना में गंदा पानी न बहे, इसी को ध्यान में रखते हुए डीजेबी ने सीवर लाइन बिछाने का फैसला लिया है।

राष्ट्रीय सेवा योजना के शिविर में छात्रों को दी गयी प्राथमिक उपचार की जानकारी

लखनऊ, (हि.स.)। कालीचरण पोस्ट ग्रेजुएट कालेज में सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना के शिविर में रविवार को कुशल प्रशिक्षकों की ओर से छात्रों को प्राथमिक उपचार की ट्रेनिंग दी गयी। राष्ट्रीय सेवा योजना से जुड़े छात्रों ने दुर्घटना या चोट लगने पर तत्काल उपचार की विधि को ध्यानपूर्वक सीखा और उसका अभ्यास किया। कालेज के प्राचार्य प्रोफेसर चन्द्र मोहन उपाध्याय ने कहा कि उनके कालेज में प्रतिदिन कुछ नया करने की सोच से कार्यक्रम आयोजित होते रहे हैं। राष्ट्रीय सेवा योजना की ओर से 08 फरवरी से 14 फरवरी तक शिविर का आयोजन किया गया। इसमें विभिन्न शैली को सीखाने का कार्य हुआ, इसी कड़ी में प्राथमिक उपचार की विधि बताई गयी गया। उन्होंने कहा कि उनके कालेज के विद्यार्थी हर क्षेत्र में कुशल कार्य करते हुए दिखायी दें, उनकी यही सोच रही है। इण्टरमीडिएट के छात्रों में राष्ट्रीय सेवा योजना को लेकर विशेष रुचि देखी जा रही है। इस शिविर के माध्यम से छात्रों को खेल, रोजगार, समाजसेवा, कौशल विकास से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। राष्ट्रीय सेवा योजना से जुड़े छात्रों ने बताया कि बीते कुछ दिनों में उन्हें विभिन्न प्रकार खेल, रोचक बातों की जानकारी मिली है। आखिरी के दो दिनों में प्राथमिक उपचार की जानकारी बेहद रोचक रही। इससे चोट लगने पर तत्काल प्रभाव से किये जाने वाले उपचार का प्रशिक्षण दिया गया, जो निजी जीवन में जानना भी बेहद जरुरी है।

आगामी दो दिनों में तापमान में गिरावट की उम्मीद

कानपुर, (हि.स.)। तापमान में लगातार उतार-चढ़ाव का सिलसिला जारी है। रविवार सुबह से ही गर्मी का असर ऐसा दिखने लगा है कि मानो यह फरवरी का महीना नहीं बल्कि अप्रैल माह चल रहा हो। शनिवार को अधिकतक तापमान 29.2 और न्यूनतम पारा 12.4 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। दिन का तापमान से आठ डिग्री अधिक रहा। मौसम विभाग का कहना है कि आगामी 48 घंटों के बाद तापमान में कुछ गिरावट आएगी। सीएसए यूनिवर्सिटी के मौसम विज्ञानी डा. एस.एन सुनील पांडेय के मुताबिक, 14 फरवरी के बाद तापमान एक बार फिर से नीचे आएगा। तापमान में गिरावट बहुत अधिक नहीं होगी। इसलिए उत्तर पश्चिम भारत के किसी भी हिस्से में शीतलहर की वापसी की उम्मीद नहीं है। एक ताजा पश्चिमी विक्षोभ भी संभावित है, लेकिन यह तीव्रता में कमजोर है। फरवरी माह में गर्मी का क्रम जारी है। उन्होंने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ के चलते स्थितियां प्रतिकूल बनी हुई हैं। इस कारण हवा की दिशा कभी दक्षिण पश्चिमी को कभी उत्तर पश्चिमी हो रही है। जब तक उत्तर पश्चिमी हवाएं नहीं चलतीं तब तक तापमान में बहुत कमी नहीं होगी। माना जा रहा है कि आगामी 24 से 48 घंटों में पश्चिमी विक्षोभ का असर कम होगा और फिर ठंडी हवाएं चलेंगी।

तीन वर्ष पूर्व जीडी में दर्ज शिकायत की जांच के निर्देश

बागपत, (हि.स.)। बागपत जिले के एक अस्पताल में हुई गर्भवति पत्नि की मौत की शिकायत पर पुलिस ने संज्ञान लिया है। सीओ बड़ौत ने पीड़ित के प्रार्थना पत्र पर जांच के निर्देश देते हुए रिपोर्ट मांगी है। बागपत जिले के मौजिजाबाद नांगल गांव निवासी प्रदीप ने शिकायती पत्र देते हुए कहा है कि उसकी गर्भवति पत्नि मौना को उसने बड़ौत के छपरौली रोड़ स्थित सरस्वति अस्पताल में भर्ती कराया था। खून कमी बताकर डाक्टरों ने उसे खून लेने की जिए भेजा दिया। गाजियाबाद के ब्लड बैंक से उसने खून लाकर दिया था। डाक्टरों के द्वारा खून चढ़ाते ही उसकी पत्नि की हालत खराब हो गयी। डाक्टरों ने उसको दूसरे अस्पताल में ले जाने को बोलकर उसकी पत्नि को अस्पताल से बाहर निकाल दिया। जिसके चलते उसकी पत्नि की मौत हो गयी। पीड़ित ने इसकी शिकायत बड़ौत पुलिस से की तो उसकी पत्नि का पोस्टमार्टम कराया गया। आरोप है कि घटना 18 दिसंबर 2019 की है, मामले को तीन वर्ष बीत गये है लेकिन पुलिस ने आज तक उसकी शिकायत पर न तो कोई कारवाई की और न ही उसकी पत्नि की पोस्टमार्टम रिपोर्ट उसको दी गयी है। पीड़ित ने एक बार फिर बड़ौत सीओ को मामले की शिकायत देते हुए न्याय मांगा है। सीओ बड़ौत ने मामले की जांच के निर्देश दिये है। बड़ौत थाना प्रभारी का कहना है कि मामला पुराना है। अस्पताल से रिकार्ड लेकर पीड़ित को पोस्टमार्टम रिपोर्ट भी दी जायेगी और कानूनी कार्रवाई भी होगी।

झारखंड के नए राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन का प्रोफाइल

रांची, (हि.स.)। सीपी राधाकृष्णन को झारखंड का नया राज्यपाल बनाया गया है। वो झारखंड के 11वें राज्यपाल होंगे। वो झारखंड के राज्यपाल रमेश बैस का स्थान लेंगे। बैस को महाराष्ट्र का नया राज्यपाल नियुक्त किया है। 20 अक्टूबर, 1957 को तमिलनाडु के तिरूपुर जिले के साधारण परिवार में जन्मे सीपी राधाकृष्णन 1973 से आरएसएस और जनसंघ से जुड़ गए। 1998 के कोयम्बटूर बम धमाकों के बाद उन्होंने चुनाव लड़े। 1998 और 1999 के आम चुनाव में उन्होंने भाजपा के टिकट पर लोकसभा चुनाव जीता। 2004, 2012 और 2019 में वह चुनाव हार गए। सीपी राधाकृष्णन ने 2004 के चुनाव के लिए अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम के साथ संबंध बनाने के लिए राज्य इकाई के साथ काम किया। 2012 में राधाकृष्णन ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के एक कार्यकर्ता पर हमला करने वाले दोषियों के खिलाफ निष्क्रियता का विरोध करने के लिए मेट्टुपालयम में गिरफ्तारी दी। वो दक्षिण और तमिलनाडु में भाजपा के सबसे वरिष्ठ नेताओं में से हैं। 2014 में कोयम्बटूर निर्वाचन क्षेत्र से लोकसभा के लिए भाजपा का उम्मीदवार नामित किया गया। तमिलनाडु की दो बड़ी पार्टी डीएमके और एआईएडीएमके के गठबंधन के बिना उन्होंने 3 लाख 89 हजार 000 से अधिक मतों के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। कोयम्बटूर से 2019 के चुनाव के लिए एक बार फिर से पार्टी का उम्मीदवार बनाया गया। वर्तमान में वह भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य हैं। उन्हें पार्टी के आलाकमान द्वारा केरल भाजपा प्रभारी नियुक्त किया गया। वे 2016 से 2019 तक अखिल भारतीय कॉयर बोर्ड के अध्यक्ष रहे। यह सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय के अंतर्गत आता है।

पत्रकारिता का स्वभाव न्याय करना: राकेश सिन्हा

बेगूसराय, (हि.स.)। बिहार के बेगूसराय में दो दिवसीय मीडिया कार्यशाला के आखिरी दिन रविवार को राज्यसभा सदस्य राकेश सिन्हा ने कहा कि पत्रकारिता का स्वभाव न्याय करना है। उन्होंने कहा कि न्यायाधीश की तरह पत्रकारिता करना चाहिए। आंखों से देखी चीजें ही परोसनी चाहिए। आज की पत्रकारिता दिखती तो है लेकिन जनता उसमें से गायब है। जन सरोकार के मुद्दे और आम आदमी उसमें कहीं दिख नहीं रहा है। सिन्हा ने कहा कि आलोचना और हास्य विनोद करने वाली पत्रकारिता का चलन सा हो गया है। राजनीतिक बयान मोटे अक्षर में छपती हैं। स्थानीय मुद्दे गौण हो रहे हैं। स्थानीय मुद्दों की बात करते हुए सांसद सिन्हा ने कहा कि बेगूसराय में 75 साल बाद भी वही समस्या है जो आजादी के समय में थी। यहां के लोग बाढ़ कटाव की समस्या से दो-चार हो रहे हैं। हर साल नई योजना बनती है लेकिन वह धरातल पर फलीभूत नहीं हो रही। उन्होंने कहा कि वर्ष 2024 का लोकसभा चुनाव राष्ट्रवाद बनाम गैर राष्ट्रवाद की तर्ज पर लड़ा जाएगा। राजनेता नेता का चरित्र वहीं होना चाहिए, जो उसके सार्वजनिक जीवन में रहता हो। साथ ही कहा कि मापदंड तय करना पत्रकारिता का काम है। पूंजीपति आश्रय लेकर पत्रकारिता के आदर्श स्थापित नहीं हो सकते।

यूपी में कंजेनाइटल हार्ट डिजीज से ग्रसित नवजात शिशुओं की अब नहीं होगी मौत

–सलोनी हार्ट फाउंडेशन की फाउंडर और प्रेसीडेंट ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से की मुलाकात
–एसजीपीजीआई में चिल्ड्रेन हॉस्पिटल बनाने में सहयोग करेगी फाउंडेशन

लखनऊ, (हि. स.)। प्रदेश में कंजेनाइटल हार्ट डिजीज से ग्रसित नवजात शिशुओं की अब मौत नहीं होगी। इस संबंध में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान (एसजीपीजीआई) में चिल्ड्रेन हॉस्पिटल बनाने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बड़ी संख्या में बच्चे हार्ट डिजीज के साथ जन्म लेते हैं। इनमें से बहुत से शिशु को पहले साल में ही हार्ट डिजीज की सर्जरी की आवश्यक्ता होती है। इलाज न मिल पाने की वजह से इनमें से कई शिशुओं की मौत हो जाती है। इसको देखते हुए एसजीपीजीआई में शीघ्र अति शीघ्र सेंटर फॉर एक्सीलेंस इन पीडियाट्रिक कॉर्डियोलॉजी यूनिट का निर्माण किया जाए। प्रदेश में जारी निवेश महाकुंभ के बीच मुख्यमंत्री से मुलाकात कर देश-विदेश के उद्यमी विकास परक योजनाओं में निवेश कर रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ मुख्यमंत्री योगी ऐसे उद्यमियों का भी स्वागत कर रहे हैं, जो प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को और मजबूत करना चाह रहे हैं। इस कड़ी में रविवार को अमेरिका की सलोनी हार्ट फाउंडेशन की फाउंडर एवं प्रेसीडेंट मृणालनी सेठी और उनके पति हिमांशु सेठी ने मुख्यमंत्री से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान सलोनी हार्ट फाउंडेशन की फाउंडर ने मुख्यमंत्री से एसजीपीजीआई में कंजेनाइटल हार्ट डिजीज से ग्रसित शिशुओं के लिए चिल्ड्रेन हॉस्पिटल बनाने की बात कही और इसके लिए 500 करोड़ रुपये के निवेश करने की इच्छा जाहिर की थी। मुख्यमंत्री ने सलोनी हार्ट फाउंडेशन के प्रस्ताव का स्वागत किया और सरकार की तरफ से हर तरह के उन्हें हर तरह का सहयोग दिए जाने का भरोसा दिलाया। प्रस्ताव के तहत सलोनी हार्ट फाउंडेशन शुरूआती चरण में 30 बेड से यूनिट की शुरूआत करेगी। इसके सफल क्रियान्वयन के बाद दूसरे चरण में 100 और तीसरे चरण में यूनिट का विस्तार 200 बेड तक कर दिया जाएगा। यहां पर प्रतिवर्ष इस बीमारी से जूझने वाले पांच हजार बच्चों की सर्जरी और 10 हजार बच्चों का इलाज संभव हो सकेगा। इस यूनिट के पूर्ण रूप से संचालित होने के बाद बीएचयू के साथ मिलकर सलोनी हार्ट फाउंडेशन एक और यूनिट का भी निर्माण करेगी।

सिनेमा में विचारों की स्वतंत्रता का है भविष्य, अभिव्यक्ति पर पाबंदी भी जरूरी : चंद्रप्रकाश द्विवेदी

– भारतीय सिनेमा के विभिन्न दौर विषय पर आयोजित सत्र में बोले चाणक्य के निर्देशक

– अतीत से जोड़कर वर्तमान का निर्णय लेने पर जोर दिया गया

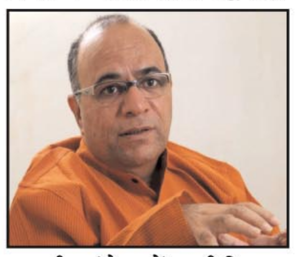

काशी, (हि.स.)। सिगरा स्थित रुद्राक्ष इंटनेशनल कन्वेंशन सेंटर में आयोजित काशी शब्दोत्सव में शनिवार को "भारतीय सिनेमा के विभिन्न दौर" विषय पर बोलते हुए फिल्म निर्देशक और पटकथा लेखक चंद्रप्रकाश द्विवेदी ने कहा कि अब सिनेमा बड़े पर्दे तक सीमित नहीं रहा। आने वाला समय विचारों की स्वतंत्रता का होगी, लेकिन अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता आवश्यक एवं न्यूनतम प्रतिबन्धों के साथ होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भ्रांतियों से मुक्त होना आवश्यक है। हमें यह भी देखना होगा कि क्या हम अतीत से जोड़कर वर्तमान का निर्णय करेंगे? भारत का दृष्टिकोण समन्वय का दृष्टिकोण है। हमारे वेद संघर्ष नहीं, समन्वय का मार्ग प्रशस्त करते हैं। अभिव्यक्ति के माध्यम के रूप में सिनेमा को इस दृष्टिकोण के साथ न्याय करना होगा। अध्यक्षीय संबोधन में पद्मश्री शिवनाथ मिश्र ने कहा कि भारतीय सिनेमा के प्रारंभिक दौर में धार्मिक सिनेमा निर्माण को तवज्जो दिया जाता था। सिनेमा भारतीय विधा के संगीत पर आधारित होता था। उस काल में बनने वाली धार्मिक फिल्में हृदय को अंदर तक झकझोरतीं थीं, लेकिन अब ऐसा संजोग नहीं दिखता। उन्होंने कहा कि हमने पूरा जीवन संगीत को समर्पित किया है। हमारी अभिलाषा है कि संगीत पर आधारित हृदयस्पर्शी सिनेमा पुनः बनाये जाएं। कार्यक्रम का संचालन विष्णु शर्मा ने किया। इस दौरान विष्णु शर्मा की पुस्तक "इंदिरा फाइल्स" का विमोचन भी हुआ। काशी शब्दोत्सव की स्मारिका भी विमोचित हुई।

कृषि मंत्री बादल पत्रलेख ने शहीद जवानों के परिजनों को दी सांत्वना

देवघर, (हि.स.)। राज्य के कृषि मंत्री बादल पत्रलेख रविवार सुबह सदर अस्पताल पहुंचकर गोलीबारी की घटना पर दुःख जताते हुए मृत दोनों पुलिस जवानों के परिजनों को सांत्वना दी। कृषि मंत्री की उपस्थिति में ही दोनों जवानों के शव का पोस्टमार्टम कर पुलिस लाइन भेजा गया। स्थानीय पुलिस लाइन में दोनों जवानों को श्रद्धांजलि दिए जाने के बाद उन्हें साहिबगंज अपने घर अंतिम संस्कार के लिए भेज दिया जाएगा। कृषि मंत्री ने सदर अस्पताल में सिविल सर्जन डॉ जुगल किशोर चौधरी व सदर अस्पताल के डीएस डा प्रभात रंजन से भी इस मुद्दे पर बातचीत कर जानकारी प्राप्त की। इसके अलावा उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री और एसपी सुभाष चंद्र जाट से भी घटना की जानकारी ली।

उल्लेखनीय है कि देवघर नगर थाना क्षेत्र स्थित श्याम गंज रोड अंडा पट्टी मोहल्ले में शनिवार देर रात 12:30 बजे पुलिस और अपराधियों के बीच हुई मुठभेड़ में मछली व्यवसाई सुधाकर झा की सुरक्षा में तैनात दो पुलिस जवान शहीद हो गए।

सुंदरधाम में महाशिवरात्रि मेला की तैयारियों को लेकर अररिया सांसद ने किया चर्चा

फारबिसगंज, (हि.स.)। अररिया सांसद प्रदीप कुमार सिंह ने कुसाकांटा ने सुंदर धाम मंदिर में लगाने वाले महाशिवरात्रि मेला का आयोजन की तैयारियों पर चर्चा किया, वही, इस चर्चा में पूर्व राज्य मंत्री सह सिकटी विधायक व सुंदरी मठ न्यास समिति के अध्यक्ष विजय कुमार मंडल ने बताया कि मुख्य रूप से महाशिवरात्रि मेला में उमड़ने वाली शिव भक्तों की भीड़ को नियंत्रित करने समेत विधि व्यवस्था को लेकर विस्तृत चर्चा की गयी। सिकटी विधायक मंडल ने बताया कि सुंदरनाथ धाम सुंदर बने इसे लेकर सुंदरी मठ न्यास समिति सदैव सजग रही है। उन्होंने बताया कि सुंदरी मठ का चयन बिहार के पहले स्थान पर रखा गया है, जो हम सबों के लिये गौरव की बात है। बैठक में महाशिवरात्रि मेला के अवसर पर विधि व्यवस्था को लेकर चर्चा किया गया । जिसमें महाशिवरात्रि को लेकर मेला की साफ सफाई, श्रद्धालुओं को जलार्पण को लेकर स्वच्छ पानी की व्यवस्था, स्वच्छ पेय जल की व्यवस्था, मेला में सड़क के दोनों किनारे को अतिक्रमण मुक्त रखने, शिव गंगा के महाड़ पर सार्वजनिक शौचालय की साफ सफाई, चलंत शौचालय की व्यवस्था, मेला में श्रद्धालुओं को नियंत्रित करने को लेकर शिव गंगा के किनारे बेरिकेडिग की व्यवस्था, बाबा सुंदरनाथ व माता पार्वती मंदिर को सजाने की स्वीकृति न्यास समिति द्वारा दी गयी। सीसीटीवी कैमरा से निगरानी समेत अन्य विषयों पर विस्तृत चर्चा की गयी। सांसद प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि मेला के दौरान पड़ोसी राष्ट्र नेपाल से काफी संख्या में श्रद्धालु आते हैं उसे बेहतर सुविधा मिले इसकी व्यवस्था की जाएगी। इस मौके पर सांसद प्रदीप कुमार सिंह, सिकटी विधायक विजय कुमार मंडल, सरफराज हुसैन, स्थानीय मुखिया, प्रमुख एवं स्थानीय नागरिक मौजूद थे

न्यायिक सेवा सिविल जज की परीक्षा शुरू, सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

–सीसीटीवी की निगरानी में 27 केंद्रों पर हो रही परीक्षा

कानपुर, (हि.स.)। न्यायिक सेवा सिविल जज की परीक्षाएं दो पालियों में रविवार को जिले के 27 परीक्षा केंद्रों पर सम्पन्न होनी है। प्रथम पाली की परीक्षा सुबह कड़ी सुरक्षा के बीच शुरू हो चुकी है। नकल विहीन परीक्षा कराने के लिए परीक्षा केंद्रों में सीसीटीवी कैमेरा लगाया गया है। सेक्टर मजिस्ट्रेट, केन्द्र व्यवस्थापक और स्टैटिक मजिस्ट्रेट की भी तैनाती की गई है। जिलाधिकारी विशाख जी ने रविवार को बताया कि जिले के 27 परीक्षा केंद्रों में प्रथम पाली में होने वाली परीक्षा सुबह 9:30 से 11:30 बजे तक हुई है। अब द्वितीय पाली की परीक्षा दोपहर दो बजकर 30 मिनट पर शुरू होकर 4:30 बजे समाप्त होगी। पारदर्शी और नकल विहीन परीक्षा संपन्न कराने के लिए इन केंद्रों पर तैनात व्यवस्थापक, नौ सेक्टर मजिस्ट्रेट और 27 स्टैटिक मजिस्ट्रेट को कड़े निर्देश जारी किए गए है। सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टैटिक मजिस्ट्रेट और केंद्र व्यवस्थापकों को संयुक्त रूप से नामित परीक्षा केंद्र का निरीक्षण कर परीक्षा केंद्रों की सभी व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करेंगे। निरीक्षण के दौरान परीक्षा केंद्रों में सीसीटीवी कैमरे, आने वाले अभ्यर्थियों के लिए उनके बैग व अन्य सामान को रखने की व्यवस्था की जाएगी। परीक्षा में किसी भी प्रकार का कोई भी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस या अन्य कुछ भी परीक्षा कक्ष में ले जाना प्रतिबंधित रहेगा। चेकिंग के दौरान इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए। परीक्षा कक्ष में सभी अभ्यर्थियों पर कड़ी नजर रखी जाए।

देवघर मुठभेड़ दो जवान शहीद, बाल-बाल बचे थानेदार

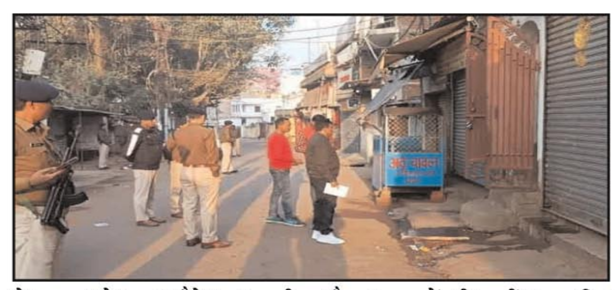

देवघर (झारखंड), (हि.स.)। देवघर नगर थाना क्षेत्र स्थित श्याम गंज रोड अंडा पट्टी मोहल्ले में शनिवार देररात 12:30 बजे पुलिस और अपराधियों के बीच हुई मुठभेड़ में मछली व्यवसाई सुधाकर झा की सुरक्षा में तैनात दो पुलिस जवान शहीद हो गए। यह मुठभेड़ नगर थाने से 500 मीटर की दूरी पर हुई है। शहीद जवान साहिबगंज जिले के रहने वाले रवि कुमार मिश्रा और संतोष यादव हैं। सूचना पाकर नगर थाना प्रभारी केके साहू कुशवाहा जवानों के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। इस दौरान अपराधियों ने थाना प्रभारी की गाड़ी पर भी फायरिंग की। इस घटना में थाना प्रभारी भी बाल-बाल बच गए। पुलिस ने जवाबी कार्रवाई करते हुए दो अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया। इस घटना में एक अपराधी गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर एसपी सुभाष चंद्र जाट, एसडीपीओ पवन कुमार समेत कई पुलिस अधिकारी भी पहुंचे। गिरफ्तार किए गए दोनों अपराधियों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस का कहना है कि अपराधियों ने सुधाकर झा पर हमला किया। उनकी सुरक्षा पर तैनात दोनों पुलिस जवानों से अपराधियों की मुठभेड़ हुई। इसी दौरान गोली लगने से दोनों पुलिस जवानों की मौत हो गई। मुठभेड़ के दौरान तलवारें भी चलीं। कुछ दिन पहले सुधाकर झा के मुंशी पर भी जानलेवा हमला हुआ था।

इसके बाद उन्होंने एसपी से सुरक्षा की मांग की थी। तब दो पुलिस जवानों को उनकी सुरक्षा के लिए नियुक्त किया गया था। इस घटना में तलवारबाजी से सुधाकर झा भी घायल हुए हैं। दोनों पुलिस जवान शहीद होकर मछली व्यवसाई सुधाकर झा की जान बचाने में सफल रहे।

निकाली गई निशान शोभायात्रा

भागलपुर, (हि.स.)। बाबा बूढ़ानाथ भक्त मंडल की भागलपुर शाखा ने विशाल निशान शोभायात्रा निकाली। निशान शोभायात्रा श्री गौशाला प्रांगण से शुरू होकर नगर भ्रमण करते हुए बाबा बूढ़ानाथ मंदिर पहुंची। इस निशान शोभायात्रा में काफी संख्या में श्रद्धालु शामिल थे। श्री गौशाला प्रांगण से नगर भ्रमण करने के लिए जैसे ही झांकी निकली वैसे ही भक्ति गीतों पर श्रद्धालु नाचते, झूमते और गाते हुए आगे बढ़ते रहे। सभी श्रद्धालुओं ने अपने हाथों में निशान लिए बूढ़ानाथ मंदिर प्रांगण पहुंचकर बाबा का जलाभिषेक किया। मौके पर बाबा बूढ़ानाथ भक्त मंडल के महासचिव नीतिन भुवानिका ने बताया कि आज शाम में गोकुलधाम में नृत्य नाटिका, भजन कीर्तन और प्रसाद वितरण का कार्यक्रम है। उन्होंने बताया कि यह आठवां निशान शोभायात्रा है। कोरोना के चलते दो वर्ष यह निशान शोभायात्रा नहीं किया जा सका था। कार्यक्रम संचालन और कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ रतन शर्मा, संजय शाह, प्रशांत टेकरीवाल, नीतिन भुवानिका, योगेश शर्मा, अमित कुमार हांडा, सुनील छैला के अलावा दर्जनों कार्यकर्ताओं की सराहनीय भूमिका रही।

कटिहार में सड़क दुर्घटना में तीन युवकों की मौत

–मुख्यमंत्री ने जताया दुख

पटना/कटिहार, (हि.स.)। बिहार के कटिहार जिले में रविवार को सड़क दुर्घटना में तीन लोगों की मौत हो गई। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इस दुर्घटना पर संवेदना प्रकट की है। उन्होंने अपने शोक संदेश में कहा कि इस घटना से मैं काफी दुखी हूं। पुलिस के मुताबिक तीनों युवक दोस्त थे और बेगूसराय से दार्जिलिंग घूमने के लिए जा रहे थे। कटिहार में कुसेर्ला थाना क्षेत्र अंतर्गत एनएच-31 पर कटरिया के समीप एक अज्ञात वाहन ने स्कॉर्पियो को टक्कर मार दी। हादसा इतना भयंकर था कि स्कॉर्पियो के परखच्चे उड़ गए। गाड़ी में सवार तीनों दोस्तों की मौके पर ही मौत हो गई। तीनों मृतकों की पहचान सौरभ गौतम, अभिनव कुमार और गौरव कुमार के रूप में हुई है। तीनों की उम्र 28 से 35 वर्ष के बीच है। तीनों बेगूसराय जिले के रतनपुरा के रहने वाले थे। बताया जा रहा है कि करीब एक महीने पहले सौरभ गौतम ने स्कॉर्पियो गाड़ी खरीदी थी। स्थानीय पुलिस ने तीनों युवकों के परिवारों को घटना की सूचना दी है।

संपादकीय

बाइडन का संदेश

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन का सालाना स्टेट ऑफ द यूनियन भाषण इस बार ऐसे मौके पर आया है, जब उनके कार्यकाल में पहली बार विधायिका पूरी तरह उनकी पार्टी के नियंत्रण में नहीं है। सीनेट पर अब भी उनकी पार्टी का नियंत्रण है, लेकिन हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में विरोधी रिपब्लिकन पार्टी का बहुमत है। राजनीतिक हलकों में माना जा रहा है कि राष्ट्रपति बाइडन अगले कार्यकाल के लिए चुनावी मैदान में उतरने का मन बना चुके हैं। ऐसे में आश्चर्य नहीं कि उनका भाषण खासतौर पर घरेलू मामलों पर ही केंद्रित रहा। जहां उन्होंने अमेरिका को फिर से मजबूती दिलाने वाली अपनी उपलब्धियां गिनाईं, वहीं इस बात पर भी जोर दिया कि वह विपक्षी दल के साथ मिलकर भी देश हित में जरूरी फैसले लेते हुए देश को आगे ले जा सकते हैं। यह इसलिए भी जरूरी था कि अपने कार्यकाल के बचे हुए हिस्से में अगर उन्हें कुछ बड़े फैसले करने हैं तो विपक्ष के सहयोग की दरकार होगी। बहरहाल, इन सबके बीच भी विदेश नीति को लेकर जो संकेत उन्होंने अपने भाषण में दिए, वे खासे अहम हैं। सबसे ज्यादा जोर उन्होंने चीन पर दिया, जिसके कथित जासूसी गुब्बारे को मार गिराने के उनके फैसले की पिछले दिनों खासी चर्चा रही है। स्वाभाविक ही उन्होंने अपने इस फैसले का बचाव किया और यह भी दोहराया कि जब भी चीन की तरफ से अमेरिका की संप्रभुता के लिए किसी तरह का खतरा पैदा किया जाएगा, हम कार्रवाई करेंगे। हालांकि इसके साथ ही बाइडन यह रेखांकित करने से भी नहीं चूके कि वह अमेरिकी हितों और वैश्विक हितों के मद्देनजर चीन के साथ सहयोग करने को प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने ध्यान दिलाया कि चीनी राष्ट्रपति शी चिन फिंग के सामने भी वह स्पष्ट कर चुके हैं कि अमेरिका कॉन्फ्लिक्ट नहीं कॉम्पिटिशन चाहता है। दिलचस्प है कि इस भाषण पर प्रतिक्रिया जताते हुए चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि चीन को प्रतियोगिता से डर नहीं लगता, हालांकि वह दोनों देशों के संपूर्ण रिश्ते को प्रतियोगिता के ही रूप में परिभाषित करने के पक्ष में नहीं है। जाहिर है, भाषणों में निहित औपचारिकता को ध्यान में रखें तो इस भाषण के पॉजिटिव पहलुओं को चीन-अमेरिका रिश्तों में सुधार के संकेत के रूप में नहीं लिया जा सकता। खासकर यूक्रेन युद्ध और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन का रुख ऐसी कोई संभावना नहीं छोड़ता। लेकिन पिछले साल अगस्त में पूर्व हाउस स्पीकर नैंसी पेलोसी की ताइवान यात्रा से दोनों देशों के रिश्तों में आए अप्रत्याशित उबाल को ध्यान में रखें तो ये संकेत उस उबाल को नियंत्रित रखने की कोशिश जरूर माने जा सकते हैं। खासकर इस तथ्य के मद्देनजर कि नए हाउस स्पीकर केविन मैकार्थी (रिपब्लिकन) के भी इस साल ताइवान जाने की योजना है।

राष्ट्रपति बाइडन अगले कार्यकाल के लिए चुनावी मैदान में उतरने का मन बना चुके हैं। ऐसे में आश्चर्य नहीं कि उनका भाषण खासतौर पर घरेलू मामलों पर ही केंद्रित रहा। जहां उन्होंने अमेरिका को फिर से मजबूती दिलाने वाली अपनी उपलब्धियां गिनाईं, वहीं इस बात पर भी जोर दिया कि वह विपक्षी दल के साथ मिलकर भी देश हित में जरूरी फैसले लेते हुए देश को आगे ले जा सकते हैं। यह इसलिए भी जरूरी था कि अपने कार्यकाल के बचे हुए हिस्से में अगर उन्हें कुछ बड़े फैसले करने हैं तो विपक्ष के सहयोग की दरकार होगी। बहरहाल, इन सबके बीच भी विदेश नीति को लेकर जो संकेत उन्होंने अपने भाषण में दिए, वे खासे अहम हैं। सबसे ज्यादा जोर उन्होंने चीन पर दिया, जिसके कथित जासूसी गुब्बारे को मार गिराने के उनके फैसले की पिछले दिनों खासी चर्चा रही है। स्वाभाविक ही उन्होंने अपने इस फैसले का बचाव किया और यह भी दोहराया कि जब भी चीन की तरफ से अमेरिका की संप्रभुता के लिए किसी तरह का खतरा पैदा किया जाएगा, हम कार्रवाई करेंगे। हालांकि इसके साथ ही बाइडन यह रेखांकित करने से भी नहीं चूके कि वह अमेरिकी हितों और वैश्विक हितों के मद्देनजर चीन के साथ सहयोग करने को प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने ध्यान दिलाया कि चीनी राष्ट्रपति शी चिन फिंग के सामने भी वह स्पष्ट कर चुके हैं कि अमेरिका कॉन्फ्लिक्ट नहीं कॉम्पिटिशन चाहता है।

कुछ अलग

घरों के अंदर क्यों बंद नहीं होती महिलाओं से हिंसा

यह एक बड़ा सवाल है कि क्या हमारे घर लैंगिक हिंसा से मुक्त हैं? क्योंकि हम जब भी लैंगिक हिंसा की बात करते हैं, तब हमारा इशारा घर से बाहर की दुनिया की ओर ही होता है। जमाना खराब है। देर रात तक बाहर रहना ठीक नहीं। ऐसी नौकरी करना ठीक नहीं। ऐसे लोगों से मिलना ठीक नहीं। तमाम हिदायतें घर से बाहर कदम रखने पर दी जाती हैं। लेकिन क्या कभी हम अपने परिवारों के भीतर स्त्रियों से हिंसा पर बात करते हैं? या क्या हम कभी लड़कियों को घर के भीतर जेंडर्ड हिंसा के बारे में जागरूक करते हैं? हिदायतें देते हैं? यह सोचना एक झटके में तो हैरान करता है कि औरतों के खिलाफ अपराध घर में? लेकिन यह भी तो सच है कि सती-प्रथा, बाल-विवाह, विधवाओं के साथ अमानवीय व्यवहार, जबरन केश-मुंडन जैसी कितनी ही जेंडर-आधारित हिंसाएं परंपराओं के नाम पर घरों में पलती रहीं, जिनमें से कुछ आज भी जीवित हैं। इसे विडंबना ही कहा जा सकता है कि शादी को लड़कियों के लिए इसलिए जरूरी बताया जाता है क्योंकि यह माना जाता है कि घर-परिवार ही उसे सामाजिक सुरक्षा दे सकते हैं। यह चिराग तले अंधेरे वाली बात है। इस पर कोई बात नहीं करना चाहता कि असल में कितनी लड़कियों को शादी के बाद सुरक्षित जीवन मिल पाता है। सुरक्षित जीवन का मतलब सिर्फ रोटी, कपड़ा, मकान नहीं गरिमापूर्ण ढंग से जीवनयापन कर सकना और बराबरी से घर के जरूरी मामलों में शरीक हो सकना भी है। दहेज के लिए मौखिक और शारीरिक प्रताड़ना के मामले भले ही समय के साथ कम हुए हों, घरेलू हिंसा के मामलों में कोई कमी नहीं आई है। राष्ट्रीय महिला आयोग की 4 अप्रैल 2020 की रिपोर्ट के अनुसार, कोविड लॉकडाउन के शुरुआती हफ्ते में ही घरेलू हिंसा की शिकायतें कई गुना बढ़ गईं। उस दौरान मर्दों की नौकरियां चली गईं, तनख्वाह का पता नहीं मिलेगी या नहीं, परिवार एकांत में धकेल दिए गए। ऐसी स्थिति में सारी चिढ़ और हिंसा स्त्रियों पर निकाली गई। यूएन वुमन की वेबसाइट ने इसे 'शैडो पैंडेमिक' बताया। लॉकडाउन ने महिलाओं से उनका एकांत छीन लिया। वे पल छीन लिए, जब वे कुछ पल सुस्ता सकती थीं। जिन घरों में सारा घरेलू श्रम स्त्री के हिस्से में ही आया, वहां काम के अतिरिक्त बोझ और फरमाइशों, अपेक्षाओं, शिकायतों ने स्त्रियों की कमर ही तोड़ दी। इसी के बीच जीवनसाथी द्वारा यौन-हिंसा, वैवाहिक बलात्कार को भी शामिल कर लें तो ये आंकड़े कई गुना बढ़ सकते हैं। 2020 में रिपोर्ट हुए बलात्कार के कुल मामलों में से 9.3% में रेपिस्ट घर का ही सदस्य था। गर्भावस्था में दी जाने वाली मानसिक हिंसा या थोपी गई गर्भावस्था घर की संरचना के भीतर होने वाली हिंसा है। जन्म लेते ही लड़की को मार डालने के पाप से बचाने के लिए मानो गैर-कानूनी सोनोग्राफी अवतरित हो गई। गर्भस्थ शिशु का लिंग पता लगाकर परिवार का गर्भपात के लिए दबाव डालना या जबरन गर्भपात करवा देना भी हमारे समाज का सच है।

सुरक्षित जीवन का मतलब सिर्फ रोटी, कपड़ा, मकान नहीं गरिमापूर्ण ढंग से जीवनयापन कर सकना और बराबरी से घर के जरूरी मामलों में शरीक हो सकना भी है। दहेज के लिए मौखिक और शारीरिक प्रताड़ना के मामले भले ही समय के साथ कम हुए हों, घरेलू हिंसा के मामलों में कोई कमी नहीं आई है। राष्ट्रीय महिला आयोग की 4 अप्रैल 2020 की रिपोर्ट के अनुसार, कोविड लॉकडाउन के शुरुआती हफ्ते में ही घरेलू हिंसा की शिकायतें कई गुना बढ़ गईं। उस दौरान मर्दों की नौकरियां चली गईं, तनख्वाह का पता नहीं मिलेगी या नहीं, परिवार एकांत में धकेल दिए गए।

भाषा की मर्यादा को कायम रखते हुए कडवे सच एवं यथार्थ को भी शालीनता एवं सहजता से परोसा

संसद ही नहीं, देश एवं दुनिया में गूंजा मोदी संदेश

ललित गर्ग

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता और उनकी जन-कल्याण की योजनाओं से भड़के कांग्रेस के नेता राहुल गांधी एवं विपक्षी दलों के नेता अपनी जुबान संभाल नहीं पा रहे। जैसे-जैसे मोदी की साख एवं प्रतिष्ठा बढ़ती जा रही है वैसे-वैसे उनके प्रति विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं की बौखलाहट बढ़ती जा रही है, जिसे बजट सत्र में पहले संसद को बाधित करने एवं फिर संसद शुरु होने पर बहसों के दौरान देखने को मिला है। प्रधानमंत्री जब भी संसद में बोलते हैं, गहरा सन्नाटा छा जाता है। उनका एक-एक शब्द नपा-तुला एवं अर्थपूर्ण-परिपूर्ण होता है, जिसमें शेर-शायरी, महापुरुषों के कोटेशन भी होते हैं। यह सुखद एवं प्रेरक है कि भाषण के दौरान शायर जिगर मुरादाबादी से कवि दुष्यंत कुमार और काका हाथरसी तक की पंक्तियों को मोदी ने याद किया और अपने उद्बोधन का हिस्सा बनाया।

इन दिनों संसद एवं संसद के बाहर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनकी सरकार के खिलाफ विवादित बयानों की बाढ़ आयी है, सभी राजनीतिक दल कीचड़ उछाल रहे हैं, गाली-गलौच, अपशब्दों एवं अमर्यादित भाषा का उपयोग कर रहे हैं, जो लोकतंत्र के सर्वोच्च मंच में लोकतांत्रिक मूल्यों पर कुठाराघात है। विशेषतः प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता और उनकी जन-कल्याण की योजनाओं से भड़के कांग्रेस के नेता राहुल गांधी एवं विपक्षी दलों के नेता अपनी जुबान संभाल नहीं पा रहे। जैसे-जैसे मोदी की साख एवं प्रतिष्ठा बढ़ती जा रही है वैसे-वैसे उनके प्रति विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं की बौखलाहट बढ़ती जा रही है, जिसे बजट सत्र में पहले संसद को बाधित करने एवं फिर संसद शुरु होने पर बहसों के दौरान देखने को मिला है। प्रधानमंत्री जब भी संसद में बोलते हैं, गहरा सन्नाटा छा जाता है। उनका एक-एक शब्द नपा-तुला एवं अर्थपूर्ण-परिपूर्ण होता है, जिसमें शेर-शायरी, महापुरुषों के कोटेशन भी होते हैं। यह सुखद एवं प्रेरक है कि भाषण के दौरान शायर जिगर मुरादाबादी से कवि दुष्यंत कुमार और काका हाथरसी तक की पंक्तियों को मोदी ने याद किया और अपने उद्बोधन का हिस्सा बनाया। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव को लेकर हुई चर्चा में विपक्षी नेताओं और विशेष रूप से राहुल गांधी ने जो आरोप लगाए थे, उनका जवाब देते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जो उद्बोधन दिया, निश्चित ही संसद के इतिहास का एक यादगार उद्बोधन है। नरेन्द्र मोदी के दर्शन, उनके विकासमूलक कार्यक्रमों, उनके व्यक्तित्व, उनकी बढ़ती ख्याति व उनकी कार्य-पद्धतियां पर कीचड़ उछालने की हदें पार हो रही हैं, उनके खिलाफ अमर्यादित भाषा का उपयोग हो रहा हैं, संसद में बहस एवं चर्चाओं में भाषा की मर्यादा बिखर रही है, लेकिन मोदी ने अपने उद्बोधन में भाषा की मर्यादा को कायम रखते हुए कडवे सच एवं यथार्थ को भी शालीनता एवं सहजता से परोसा। जिस तरह अदाणी मामले को लेकर कुछ कहने की आवश्यकता उन्होंने नहीं समझी, उससे उन्होंने उस शोर को शांत करने का ही काम किया, जो अदाणी समूह को लेकर मचाया जा रहा है। आम तौर पर प्रधानमंत्री विपक्ष के आरोपों का चुन-चुनकर जवाब देते हैं, लेकिन इस बार उन्होंने रणनीति के तहत अदाणी मामले पर कुछ नहीं कहा। इससे उन्होंने बिना कुछ कहे यही संदेश दिया कि विपक्ष अदाणी मामले को लेकर निराधार आरोप

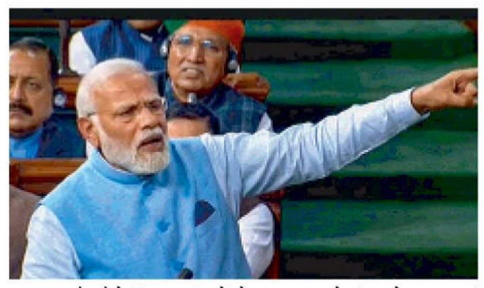

लगा रहा है। वैसे भी अदाणी को लेकर भाजपा ने संसद के बाहर एवं भीतर बहुत कुछ स्थितियों को स्पष्ट कर दिया था। भले ही धन्यवाद प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित हो गया, लेकिन इस दौरान सदन में तीखे भाषण हुए, आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला चला, जो संसदीय परम्परा का एक हिस्सा कहा जा सकता है लेकिन जैसी बहस हुई, उसे देश में स्वस्थ लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत करने वाला कत्तई नहीं कह सकते है। विपक्ष की ओर से सबसे बड़ा मुद्दा अडाणी मामले में संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) जांच की मांग है। अमेरिकी संस्था हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के बाद इस ग्रुप के शेयरों में बड़ी गिरावट आई और उसके लगाए आरोपों का भारतीय कारोबारी समूह ने जवाब भी दिया। इससे जुड़े पहलुओं पर बैंकिंग और शेयर बाजार नियामकों की ओर से भी पहल हुई। ऐसे में जेपीसी की जांच की मांग इस मुद्दे का राजनीतिक पहलू ही है। यहां विपक्ष से गंभीर होकर सार्थक बहस करने एवं बुनियादी तथ्यों को उजागर करने की अपेक्षा थी, क्योंकि यह मसला बेवजह देश की अर्थव्यवस्था एवं बाजार को अस्त-व्यस्त कर रहा है। नियामक संस्थाओं की ओर से इस मामले में तत्परता से जांच-पडताल हो रही है, फिर भी राजनीतिक दलों एवं नेताओं के द्वारा इस मुद्दे को लेकर तिल का ताड़ बनाना, देशहित में नहीं है। क्योंकि विपक्ष के बेतूके बयानों एवं आरोपों से शेयर बाजार अनिश्चित होता है, जो ठीक नहीं है। वैसे सरकार को चाहिए कि अदाणी को लेकर छाये धूंध की तस्वीर को साफ करें ताकि इस मामले का साया स्टॉक मार्केट से हट सके। देश के विकास में उद्योगपतियों की भी एक बड़ी भूमिका है, लेकिन विपक्ष और विशेष रूप से कांग्रेस की ओर से रह-रहकर ऐसा माहौल बनाया जाता है कि उद्योगपति सरकार की सहायता से देश को ठगने-लूटने का काम कर रहे हैं। यह इसलिए ठीक नहीं, क्योंकि इससे उद्योगपतियों के साथ उद्यमशीलता के विरुद्ध भी वातावरण बनता है। जो देश को विकास की ओर अग्रसर करने की बड़ी बाधा है। मोदी के इस भाषण को एक सन्देश के रूप में याद किया जायेगा। जैसे अटल विहारी वाजपेयी के अनेक संसदीय उद्बोधन आज भी याद किये जाते हैं, सुने जाते हैं। इस तरह वर्षों बाद संसद में ऐसी रोचक एवं प्रेरक स्थिति बनी, जब लोगों ने कान लगाकर मोदी को सुना है और उनके इस उद्बोधन को याद भी रखेंगे। विपक्ष का हमला अगर तीखा था, तो सत्ता पक्ष का जवाबी प्रहार भी कुछ कम न था। बहरहाल, अडानी के संबंध में मोदी ने एक शब्द भी नहीं बोला बल्कि उन्होंने विपक्ष और विशेष रूप से कांग्रेस पार्टी को आड़े हाथ लेने की रणनीति को तरजीह दी। विशाल आबादी वाले हमारे देश की तेज उभरती अर्थव्यवस्था में अनैतिक चालाकियों के लिए कोई जगह न रहे, बेवजह के आरोपों से राजनीतिक दलों का भले हित सधता हो, लेकिन देश का भारी नुकसान होता है। इस नुकसान की चिन्ता मोदी के उद्बोधन में थी। प्रधानमंत्री का जहां तक संबंध है, विपक्ष के आरोपों को उन्होंने बहुत गंभीरता से लिया है, उनके आहत मन को उनकी चुटकियों और उक्तियों में समझा जा सकता है। अपशब्दों और आरोपों से वह आहत थे और उन्होंने यह भी छिपाया नहीं। उन्होंने अपनी ओर से भी शालीनता से सुनाने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी। विपक्ष अडानी-अडानी के शोर के साथ विरोध में जुटा रहा, मोदी अपने इस उद्बोधन से देश की असंख्य जनता के दिलों में जगह बनाने में कामयाब होते रहे। प्रधानमंत्री ने विपक्ष की ओर इशारा करते हुए कहा कि 'ये लोग तो अपने और अपने लोगों के लिए जी रहे हैं, लेकिन मोदी देश के 25 करोड़ परिवारों का सदस्य है। मेरे लिए 25 करोड़ परिवार ही सुरक्षा कवच हैं, जिसे आप इन शस्त्रों से कभी भेद नहीं सकते।' यह एक तरह से विपक्ष की ओर इशारा भी है कि हमले की उसकी तैयारी मुकम्मल नहीं है, निस्तेज एवं आधारहीन आरोपों की विपक्षी संस्कृति उसके लिये ही नुकसान का कारण बनती रही है। प्रधानमंत्री के जवाब ने बता दिया कि मजबूत सत्ता पक्ष के सामने बिखरे हुए विपक्ष की मंजिल अभी दूर है। देखा जाये तो प्रधानमंत्री ने यह कहकर विपक्ष के बुने जाल में फंसने के बजाय उसके इरादों पर पानी फेर दिया कि झूठ और झूठ के हथियार से उन्हें हराया नहीं जा सकता।

मजहब से मुक्ति का संग्राम

ईरान में 1979 का समय इस्लामिक बदलाव का दौर था। ईरान के पूर्व राष्ट्रपति, जो अमेरिका के समर्थक माने जाते थे, को हटाकर इस्लामिक गुरु खुमैनी का शासन स्थापित हुआ था। तत्कालीन ईरान के शाह ने काफी संपत्ति अमेरिका में जमा की थी और अमेरिका ने ईरान में काफी कारखाने आदि लगाए थे। कुछ अमेरिका की वजह से, कुछ राजनीतिक वजह से, कुछ इस्लामिक कायदे-कानून न होने की वजह से, ईरान के लोगों ने खुमैनी के नेतृत्व में विद्रोह किया था। फिर ईरान में खड़ी की गई अमेरिकी संपत्ति को ईरान सरकार ने खुमैनी के नेतृत्व में जब्त किया था। तभी से ईरान में इस्लामिक राष्ट्र है और इस्लामिक धर्म गुरु के नियंत्रण में शासित है। इस्लामिक क्रांति के चार वर्ष के बाद 1983 में ईरान में हिजाब पहनना अनिवार्य किया गया था। वैसे तो हिजाब पहनने की परंपरा इस्लामिक कानून में पहले से है। यह व्यवस्था थी कि अगर कोई महिला बुर्का नहीं पहन सकती है, तो वह हिजाब पहने। इस्लामिक धार्मिक गुरुओं का कहना था कि महिलाओं को बुर्का, हिजाब पहनना अल्लाह का आदेश है।

दरअसल उनका यह कहना ईरान की उस बैचेनी की अभिव्यक्ति है, जो वहां के आम युवा के मन में घूम रही है। अब युवा लोकतंत्र चाहता है, मुक्त जीवन चाहता है, मजहब के नाम पर अमानवीय बंधनों से मुक्ति चाहता है। लगभग तीन महीने से अधिक चले इस आंदोलन ने ईरान और दुनिया के मनों को हिलाया-डुलाया और बड़ी हलचल पैदा कर दी है। ईरान में 1979 का समय इस्लामिक बदलाव का दौर था। ईरान के पूर्व राष्ट्रपति, जो अमेरिका के समर्थक माने जाते थे, को हटाकर इस्लामिक गुरु खुमैनी का शासन स्थापित हुआ था। तत्कालीन ईरान के शाह ने काफी संपत्ति अमेरिका में जमा की थी और अमेरिका ने ईरान में काफी कारखाने आदि लगाए थे। कुछ अमेरिका की वजह से, कुछ राजनीतिक वजह से, कुछ इस्लामिक कायदे-कानून न होने की वजह से, ईरान के लोगों ने खुमैनी के नेतृत्व में विद्रोह किया था। फिर ईरान में खड़ी की गई अमेरिकी संपत्ति को ईरान सरकार ने खुमैनी के नेतृत्व में जब्त किया था। तभी से ईरान में इस्लामिक राष्ट्र है और इस्लामिक धर्म गुरु के नियंत्रण में शासित है। इस्लामिक क्रांति के चार वर्ष के बाद 1983 में ईरान में हिजाब पहनना अनिवार्य किया गया था। वैसे तो हिजाब पहनने की परंपरा इस्लामिक कानून में पहले से है। यह व्यवस्था थी कि अगर कोई महिला बुर्का नहीं पहन सकती है, तो वह हिजाब पहने। इस्लामिक धार्मिक गुरुओं का कहना था कि महिलाओं को बुर्का, हिजाब पहनना अल्लाह का आदेश है। इसका जिक्र कुरान में है और कुरान वह ईश्वरीय ग्रंथ है, जिसे हजरत मोहम्मद पैगंबर साहब के जरिए अल्लाह ने भेजा है। दरअसल, यही दृष्टिकोण बदलाव और प्रगतिशील परंपराओं को रोकता और जड़ता को कायम रखता है। ये परंपराएं मजहब नहीं हैं, बल्कि इस्लाम के उदय के कालखंड में जो सामाजिक परिस्थितियां रही होंगी, उनमें इनकी उपयोगिता महसूस की गई होगी। जो भी हो, इन परंपराओं के कारण महिलाओं को एक प्रकार के कैद जैसे बंधनों में रखा गया और उन्हें बराबरी का मनुष्य नहीं माना गया। उनकी स्थिति एक बच्चा जनने जैसी बन गई तथा सात-आठ सौ साल के कालखंड में महिलाओं को मजहब के नाम पर भेदभाव सहना पड़ा। उनके घर से बाहर निकलने पर भी कई प्रकार की सीमाएं थीं। 1983 से लेकर पिछले लगभग तीस वर्षों से ईरान की महिलाएं इस मजहब के नाम पर दमन चक्र में पिस रहीं थीं। छिटपुट आवाजें बीच-बीच में उठती थीं, पर उन्हें कठोरता से दबा दिया जाता था। ईरान की बेटियां इससे भीतर से आहत थीं। अंततः उनके गुस्से का घड़ा फूटा और सितंबर 2022 में समूचे ईरान में महिलाओं द्वारा हिजाब विरोधी आंदोलन फैल गया। ईरान की पुलिस ने बेटियों को गिरफ्तार करना शुरू किया और इसी पकड़ा-धकड़ी में महसा अमीनी नामक लड़की की मृत्यु पुलिस हिरासत में हो गई, जिसे पुलिस ने हिजाब का विरोध करने के कारण गिरफ्तार किया था। महसा अमीनी की मौत ने सारे ईरान की महिलाओं के मन में आक्रोश भर दिया और वे स्वयंभू प्रेरणा से राजधानी तेहरान से लेकर कस्बों तक हिजाब के विरोध में सड़कों पर निकल पड़ीं। हिजाब पहनने की अनिवार्यता वाले कानून को वापस लेने की मांग करने लगीं। खुमैनी की इस्लामी हुकूमत द्वारा स्त्रियों का जिस प्रकार दमन किया गया, वह अवर्णनीय है। ईरान की महिलाओं का कुपरंपराओं को तोड़ने का आंदोलन एक अर्थ में गांधी के 'सिविल नाफरमानी' जैसा था। उसमें महिलाएं केवल कानून की सविनय अवज्ञा कर रही थीं, किसी ने भी कभी हिंसा का रास्ता नहीं अपनाया। पुलिस की लाठियों, हल्की प्लास्टिक की गोलियों, अपमानजनक शब्दों के प्रयोग को, ये महिलाएं शांतिपूर्ण ढंग से सहती और अपनी बात पर अडिग रहीं। ईरान की इस्लामिक हुकूमत ने शरीअत कानून के आधार पर एक 'नैतिक पुलिस' शाखा बनाई है, जो इस्लामी कट्टर परंपराओं की रक्षा करती और प्रगतिशील सोच को दबाती है। इस नैतिक पुलिस, जिसे वहां 'गश्त-ए-इरशाद' कहा जाता है, ने चरम क्रूरता का प्रदर्शन किया। हालांकि इसके बावजूद आंदोलनकारी लड़कियों ने साहस नहीं छोड़ा। इन बच्चियों के ऊपर पैलेटगन से प्लास्टिक और धातु से बने छर्रें दागे गए, जो शरीर में घाव करते हैं। कुछ समय बाद नौजवान भी महिलाओं के साथ आंदोलन में शामिल हो गए और ऐसा लगने लगा कि सारा युवा ईरान सड़कों पर उतर आया है। नैतिक पुलिस ने पूरी क्रूरता दिखाई। लड़कियों के चेहरों पर छर्रे चलाए गए, ताकि उनकी सुंदरता खत्म हो जाए। उनके निजी अंगों पर पैलेटगन दागी गई, जिससे उन्हें इलाज कराना भी शर्म की वजह से कठिन हो गया। इतना ही नहीं, लगभग अस्सी लोगों को मृत्यु दंड की सजा सुनाई गई तथा ग्यारह लोगों को, जिनमें चार लड़कियां भी शामिल थीं, मृत्यु दंड दिया गया। बताया जाता है कि, इन विरोध प्रदर्शनों में सुरक्षा बलों की क्रूर कार्रवाई में पांच सौ से अधिक लोग मारे गए, जिनमें साठ बच्चे भी शामिल हैं। इसके बावजूद ईरान में 16 सितंबर 2022 से 2 दिसंबर तक लगभग सोलह सौ बड़े प्रदर्शन आयोजित हुए। ईरान इस्लामिक रिपब्लिक के 'कमांडर इन चीफ' होसैन अश्तरी ने आंदोलनकारियों को धमकी दी कि अभी तक हमने संयम बरता है, अब सख्ती बरतेंगे। यानी उनके लिए पैलेट गन चलाना और मृत्युदंड देना संयम की श्रेणी में आता है। इस सबके बाद भी आंदोलन शांत नहीं हुआ। एक कृत्रिम खबर फैलाई गई कि सरकार ने नैतिक पुलिस को भंग करने का फैसला किया है तथा उनतालीस साल पुराने हिजाब कानून को बदला जाएगा। यह खबर आंदोलन को भ्रमित कर वापस कराने की थी, पर जब इसका भी असर नहीं हुआ, तो फिर शासन और पुलिस अपने मूल पर वापस आ गई। हालांकि इसके बावजूद महिलाएं और युवा अपने आंदोलन पर डटे रहे। कुछ महिलाओं ने अपने हिजाब जला दिए, कुछ ने बाल काट लिए और अहिंसक आंदोलन जारी रहा। इसी बीच एक युवा समूह ने इस्लामिक राज्य के खिलाफ आवाज उठानी शुरू कर दी तथा कहा कि हम मजहबी राष्ट्र नहीं चाहते। दरअसल, उनका यह कहना ईरान की उस बेचैनी की अभिव्यक्ति है, जो वहां के आम युवा के मन में घूम रही है। अब युवा लोकतंत्र चाहता है, मुक्त जीवन चाहता है, मजहब के नाम पर अमानवीय बंधनों से मुक्ति चाहता है। लगभग तीन महीने से अधिक चले इस आंदोलन ने ईरान और दुनिया के मनों को हिलाया-डुलाया और बड़ी हलचल पैदा कर दी है। लाठी, गोली, यातना सहते-सहते आंदोलन में कुछ थकान आई है, पर शासन की निष्ठुरता और हठधर्मिता ने एक निराशा भी उनके मन में भर दी है। आंदोलनकारियों का एक हिस्सा निराश होकर घरों की ओर लौटा है। उनके मन में घोर हताशा और कुंठा है। अब यह निराशा और कुंठा भविष्य में क्या रूप लेगी, इसकी कल्पना अभी कठिन है। पर इतना तो तय है कि अगर सरकार ने अपने प्रचारित वादों यानी नैतिक पुलिस को भंग करने, हिजाब कानून वापस लेने के कदम नहीं उठाए, तो फिर एक और दौर आंदोलन का सड़कों पर दिखेगा। यह भी संभव है कि, हताश और कुंठित युवा हिंसा की ओर मुड़ें या कोई और खतरनाक रास्ता चुनें। दुनिया के एक बड़े हिस्से और आबादी ने प्रकट या अप्रकट रूप से इस आंदोलन को समर्थन दिया है। ईरान की युवा प्रगतिशीलता और कट्टर कानूनों के विरुद्ध चले आंदोलन ने वैश्विक सहानुभूति अर्जित की।

नागरिक बोध

अडाणी मामले में कीचड़ अभी तो विपक्ष उछाल रहा है, कहीं जनता भी ना उछालने लग जाये

अडानी समूह के तथाकथित भांडाफोड़ पर हमारी संसद का पूरा पिछला हफ्ता खप गया लेकिन अभी तक देश के लोगों को सारे घपले के बारे में कुछ भी ठोस जानकारी नहीं मिली है। हालांकि अडानी समूह ने सैंकड़ों पृष्ठों का खंडन जारी करके दावा किया है कि उसने कोई गलत काम नहीं किया है। उसका सारा हिसाब-किताब एकदम साफ-सुथरा है। भारत के रिजर्व बैंक ने भी नाम लिये बिना अपने सारे लेन-देन को प्रामाणिक बताया है लेकिन आश्चर्य है कि भारत सरकार से अभी तक इस मुद्दे पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति के भाषण पर हुई बहस का जवाब देते हुए हमेशा की तरह काफी आक्रामक भाषण दिया और कांग्रेस की लगभग मिट्टी पलीत कर दी लेकिन अडानी-समूह के बारे में उन्होंने एक शब्द भी नहीं बोला। यही बात शक पैदा करती है कि कहीं दाल में कुछ काला तो नहीं है? राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने मोदी पर कई गंभीर आरोप लगाए और मोदी-अडानी सांठ-गांठ के कई उदाहरण भी दिए लेकिन एक मूल बात पर ध्यान देना जरूरी है। वह यह कि भारत-जैसे देश में क्या आर्थिक उन्नति के लिए यह जरूरी नहीं है कि सरकार और उद्योगपतियों के बीच घनिष्ठ सामंजस्य बना रहे। पं. नेहरु की समाजवादी सरकार के दौरान भी टाटा, बिड़ला, डालमिया आदि समूहों की नजदीकी का पता किसे नहीं था? अडानी और अंबानी समूह कांग्रेस-राज के दौरान ही आगे बढ़े और मोदी-राज में अब वे दौड़ने भी लगे। दोनों समूह गुजराती हैं और हमारे दोनों भाई- नरेंद्र मोदी और अमित शाह- भी गुजराती ही हैं। इनका संबंध परस्पर थोड़ा घनिष्ठ और अनौपचारिक भी रहा हो सकता है लेकिन यह देखना बेहद जरूरी है कि इन उद्योगपतियों को आगे बढ़ाने में कहीं गैर-कानूनी हथकंडों का सहारा तो नहीं लिया गया है? ये गैर-कानूनी हथकंडे इसलिए भी आसान बन जाते हैं कि हमारी भ्रष्ट नौकरशाही को संबंधों की फुलझड़ी दिखाकर पटाना कहीं अधिक आसान होता है। अडानी-समूह को अरबों रु. का धक्का लगभग रोज़ ही लगता जा रहा है। यदि लाखों शेयरधारकों की गाढ़ी कमाई बहने लगी तो वह गुस्सा मोदी सरकार पर ही फूट पड़ेगा। विदेशी उद्योगपति और पूंजीपति भी प्रकंपित हो जाएंगे।

देश दुनीया से

भूकंप से बड़ा नुकसान ना हो, कैसे करें पक्का

यह समझना जरूरी है कि एजियन समुद्र के चारों ओर जो देश हैं- तुर्किये, सीरिया और ग्रीस- वे साइस्मेकली बहुत एक्टिव एरिया हैं। पूरा तुर्किये भूकंप के लिहाज से सक्रिय क्षेत्र है और वहां भूकंप अक्सर आते भी रहते हैं। हालांकि 7.8 तीव्रता का भूंकप 100 साल बाद आया है, लेकिन 5-6 तीव्रता वाला भूकंप आना यहां के लिए कोई बड़ी बात नहीं। हाल में जो भूकंप आया, वह ईस्ट एनाटोलियन फॉल्ट लाइन पर आया है, जो कि अरेबियन प्लेट के साथ जुड़ा हुआ है। अरेबियन प्लेट धक्का मार रहा है एनाटोलियन प्लेट को, जिसके कारण बहुत अधिक तीव्रता वाले भूकंप के इस एरिया में आने की हमेशा आशंका रही है। इसका परिणाम हमने पिछले कुछ दिनों में देखा है, जब इस क्षेत्र में 70 के करीब भूकंप आए। शहर नष्ट हो गए हैं और हजारों लोग मारे गए हैं। सवाल यह है कि क्या भूकंप इतना विनाशकारी होना चाहिए? क्या हम भूकंप से होने वाले नुकसान को कम कर सकते हैं? दुनिया में सबसे अधिक भूकंप सक्रिय क्षेत्र जापान है। ऐसे में भूकंप से सबसे अधिक कहीं नुकसान हो सकता है तो जापान में हो सकता है। लेकिन जापानी समाज ने अपने आपको इस तरह से ढाला है, अपनी बिल्डिंगों को इस तरह से डिजाइन किया है, अपने लोगों को इस तरह से प्रिपेयर किया है कि बहुत बड़े भूकंप में भी वहां जान-माल का नुकसान ज्यादा नहीं होता। जैसे कि मार्च, 2022 में फुकुशिमा भूकंप। यह 7.4 तीव्रता का भूकंप था, लेकिन इसमें केवल तीन लोगों की मौत हुई और 247 घायल हुए। इन बड़े-बड़े भूकंपों में भी जरूरी नहीं कि इतनी अधिक हानि हो, अगर हम अपनी सोसायटी को जापान की तरह तैयार करें। पहले तो मानना पड़ेगा, 7.8 रिक्टर स्केल का जो भूकंप है, वह एक बड़ा भूकंप है। इसमें हानि होनी थी, लेकिन क्या इतने लोगों की जान जाने की जरूरत थी? इस बात को समझने की जरूरत है क्योंकि कुछ बिल्डिंगों के जो विडियो मैंने देखे हैं, उनसे लगता है कि उनका बहुत ही खराब निर्माण था, क्योंकि कई जगहों पर पूरी की पूरी बिल्डिंग एक साथ धंस गई है। ऐसा लगता है कि तुर्किये में भवन निर्माण के मानक बहुत सख्त नहीं हैं। जापान जितने स्ट्रॉन्ग तो बिल्कुल नहीं। इसी कारण हमें इतनी हानि देखने को मिली है। अब अगर अपने देश की बात करें तो हिमालयी क्षेत्र को भूकंप के झटकों के लिहाज से काफी संवेदनशील माना जाता है। पिछले कुछ समय से हम देख रहे हैं कि हिंदुकुश रीजन से यहां तक काफी बार भूकंप के झटके आ चुके हैं। दिल्ली-एनसीआर के इलाके भी हिले हैं, जो भूकंप सक्रिय क्षेत्र है। इस जोन में रहने का क्या मतलब होता है भूकंप के लिहाज से? क्या हमारे यहां भी 7.8 रिक्टर स्केल जितना शक्तिशाली भूकंप आ सकता है? हमारे हिस्ट्री में 7-8 तीव्रता वाला भूकंप आ चुका है। कश्मीर में 2005 में जो भूकंप आया था, वह 7.6 रिक्टर स्केल का था। कच्छ, गुजरात का भूकंप जो 2001 में आया था वह 7.7 था। तो 7 और 8 की तीव्रता वाले भूकंप हमारे यहां भी आए हैं, लेकिन वे दशकों में आते हैं। जहां तक दिल्ली का सवाल है, दिल्ली जोन-4 में आता है। लेकिन कश्मीर, हिमाचल, उत्तराखंड, बिहार के कुछ स्थान जो नेपाल से सटे हुए हैं, वे और पूरा नॉर्थ-ईस्ट जोन-5 में। ये सबसे अधिक भूकंप संभावित एरिया हैं। यह भी समझना जरूरी है कि पिछले 20-30 साल से जितनी तेजी से हमने शहरीकरण किया है और जितनी तेजी से कंस्ट्रक्शन हुए हैं वह भी अहम है। ऐसे में भूकंप का असर जोन-5 और जोन-4 में काफी होगा। हमारे यहां बहुत गैरकानूनी कंस्ट्रक्शन भी होते हैं। बहुत सटी-सटी इमारतें हैं, पतली गलियां हैं।

7.8 तीव्रता का भूंकप 100 साल बाद आया है, लेकिन 5-6 तीव्रता वाला भूकंप आना यहां के लिए कोई बड़ी बात नहीं। हाल में जो भूकंप आया, वह ईस्ट एनाटोलियन फॉल्ट लाइन पर आया है, जो कि अरेबियन प्लेट के साथ जुड़ा हुआ है। अरेबियन प्लेट धक्का मार रहा है एनाटोलियन प्लेट को, जिसके कारण बहुत अधिक तीव्रता वाले भूकंप के इस एरिया में आने की हमेशा आशंका रही है। इसका परिणाम हमने पिछले कुछ दिनों में देखा है, जब इस क्षेत्र में 70 के करीब भूकंप आए। शहर नष्ट हो गए हैं और हजारों लोग मारे गए हैं। सवाल यह है कि क्या भूकंप इतना विनाशकारी होना चाहिए? क्या हम भूकंप से होने वाले नुकसान को कम कर सकते हैं? दुनिया में सबसे अधिक भूकंप सक्रिय क्षेत्र जापान है। ऐसे में भूकंप से सबसे अधिक कहीं नुकसान हो सकता है तो जापान में हो सकता है। लेकिन जापानी समाज ने अपने आपको इस तरह से ढाला है।

रूस की 5000 से अधिक गर्भवती महिलाएं अर्जेंटीना पहुंचीं, सामने आई चौकाने वाली वजह

मॉस्को ।
हाल के महीनों में 5,000 से अधिक गर्भवती रूसी महिलाओं ने अर्जेंटीना में प्रवेश किया है, जिनमें 33 एक ही उड़ान से शामिल हैं। राष्ट्रीय प्रवासन एजेंसी के अनुसार नवीनतम आगमन सभी गर्भावस्था के अंतिम सप्ताह में थे। ऐसा माना जाता है कि महिलाएं अर्जेंटीना की नागरिकता प्राप्त करने के लिए यह सुनिश्चित करना चाहती हैं कि उनके बच्चे अर्जेंटीना में पैदा हों। अधिकारियों के मुताबिक रूसी महिलाएं चाहती थीं कि उनके बच्चों के पास अर्जेंटीना की नागरिकता हो क्योंकि यह रूसी पासपोर्ट की तुलना में अधिक स्वतंत्रता देता है।

माइग्रेशन एजेंसी के प्रमुख फ्लोरेंसिया कैरिग्नानो ने ला नेसिओन को बताया कि गुरुवार को एक उड़ान से अर्जेंटीना की राजधानी पहुंची 33 महिलाओं में से तीन को उनके दस्तावेजीकरण में समस्या के कारण हिरासत में लिया गया था।उन्होंने कहा कि रूसी महिलाओं ने शुरू में दावा किया था कि वे पर्यटकों के रूप में अर्जेंटीना जा रही थीं। इन मामलों में यह पाया गया कि वे पर्यटन गतिविधियों में शामिल होने के लिए यहां नहीं आए थे। उन्होंने इसे स्वयं स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि रूसी महिलाएं चाहती थीं कि उनके बच्चों के पास अर्जेंटीना की नागरिकता हो क्योंकि यह रूसी पासपोर्ट की तुलना में अधिक स्वतंत्रता देता है।

समस्या यह है कि वे अर्जेंटीना आते हैं, अपने बच्चों को अर्जेंटीना के रूप में साइन अप करते हैं और छोड़ देते हैं। हमारा पासपोर्ट दुनिया भर में बहुत सुरक्षित है। यह पासपोर्ट धारकों को 171 देशों में बिना वीजा के प्रवेश करने की अनुमति देता है। बीबीसी द्वारा देखी गई एक रूसी भाषा की वेबसाइट अर्जेंटीना में जन्म देने की इच्छा रखने वाली माताओं के लिए विभिन्न पैकेज पेश करती है। वेबसाइट अर्जेंटीना की राजधानी में सबसे अच्छे अस्पतालों में रहने की लागत पर व्यक्तिगत जन्म योजना, एयरपोर्ट पिक-अप, स्पेनिश पाठ और छूट जैसी सेवाओं का विज्ञापन करती है। वेबसाइट का कहना है कि इसके संस्थापक जन्म पर्यटन की सुविधा दे रहे हैं और 2015 से प्रवासन सहायता की पेशकश कर रहे हैं।

गुरुवार को हिरासत में ली गई तीन महिलाओं के एक वकील क्रिश्चियन रूबिलर ने कहा कि उन्हें झूठा कैद किया जा रहा है, क्योंकि उन्हें झूठे पर्यटक होने के संदेह से देखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिन महिलाओं ने कोई अपराध नहीं किया, जिन्होंने कोई प्रवासी कानून नहीं तोड़ा, उन्हें अवैध रूप से उनकी स्वतंत्रता से वंचित किया जा रहा है।

न्यूज़ ब्रीफ

ब्रिटेन में सेकेंड वर्ल्ड वॉर का बम फटा: 24 किलोमीटर दूर तक सुनाई दी आवाज, सैकड़ों लोगों को घर से दूर भेजा था

लंदन। इंगलैंड के ग्रेट यारमाउथ में शुक्रवार को एक सेकेंड वर्ल्ड वॉर के समय का बम डिफ्यूज किए जाने से पहले ही फट गया। घटना शाम 5 बजे के आस पास हुई। बम फटने की आवाज लोगों को 15 मील यानी 24 किलोमीटर दूर तक सुनाई दी। पुलिस के मुताबिक बम फटने से किसी को भी चोट नहीं पहुंची, इलाके के सभी लोग सुरक्षित हैं। एरिया कमांडर ने बताया कि विस्फोट के बाद कई घरों और कारों की खिड़कियां चटक गई और ब्रिज की बाउंड्री भी डैमेज हुई हैं। दो गैस पाइप लाइन के पास बम होने की सूचना मंगलवार को ही मिल गई थी। इसके बाद बम के पास के 200 और 400 मीटर की दूरी पर पुलिस, इमरजेंसी सर्विसेज और बचाव कर्मियों की तैनाती कर दी गई थी। हालांकि, इन्हें बम फटने के बाद हटा लिया गया है। स्थानीय प्रशासन ने मंगलवार को बम मिलने की सूचना मिलते ही आसपास के इलाकों को खाली करवा लिया था। सैकड़ों लोगों को उस एरिया से दूर जाने को कहा गया, साथ ही सभी रास्तों और सड़कों को सील कर दिया गया था। बम फटने से होने वाले नुकसान को कम करने के लिए इसे चारों और से मिट्टी से घेर दिया गया था। एरिया कमांडर नेथन क्लार्क के मुताबिक अगर इस बम के इर्दगिर्द सैंड बैरियर नहीं बनाया होता तो यह घातक हो सकता था। वहीं नोर्फोक के असिस्टेंट चीफ कॉन्सटेबल निक डेविसन ने बताया कि जैसे ही एक्सपर्ट्स की टीम ने बम के डिफ्यूज करने का काम शुरू किया वो तभी फट गया। शुक्र है कि उसे समय टीम का कोई सदस्य उसके आसपास मौजूद नहीं था।

पुतिन ने रूसी अधिकारी को लगाई फटकार, कहा- दुनिया में सबसे अच्छा देश है रूस

मास्को । रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने रूस को अच्छा देश न कहने पर क्रेमलिन के एक अधिकारी को कड़ी फटकार लगाई है। इस घटना का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर साझा किया गया है, जिसमें पुतिन अधिकारी को फटकारते हुए नजर आ रहे हैं। पुतिन ने कहा- रूस दुनिया का सबसे अच्छा देश है। मुझे लगता है कि आप गलत बोल गए हैं। पुतिन की फटकार सुनने के बाद अधिकारी काफी शर्मिंदा हो गए। दरअसल, उन्होंने बैठक के दौरान कहा था कि दुनिया में अन्य राष्ट्र हैं, जो सर्वश्रेष्ठ हैं। यह अधिकारी कोई और नहीं, क्रेमलिन की एजेंसी फॉर स्ट्रैटेजिक इनिशिएटिव्स (एएसआई) के प्रमुख, आधिकारिक रॉबर्ट उराजोव थे। पुतिन और क्रेमलिन के अधिकारी के बीच हुई बातचीत का यह वीडियो यूक्रेन के आंतरिक मामलों के मंत्री के सलाहकार एंटोन गेराशचेंको द्वारा साझा किया गया। जानकारी के मुताबिक, यह घटना तब हुई, जब पुतिन रूसी कंपनियों के लिए एक मजबूत घरेलू बाजार स्थापित करने को लेकर अधिकारियों के साथ चर्चा कर रहे थे। बैठक के दौरान, यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद पश्चिमी प्रतिबंधों के कारण रूस में कंपनियों के देश छोड़ने की ओर इशारा करते हुए पुतिन कहा कि कंपनियां छोड़ना नहीं चाहती थीं, लेकिन उन्हें अपनी संबंधित सरकारों के निर्देश के तहत ऐसा करना पड़ा।

अब कनाडा के एयरस्पेस में दिखी संदिग्ध वस्तु, अमेरिकी लड़ाकू विमानों ने मार गिराया

वाशिंगटन । आसमान में संदिग्ध वस्तुओं और गुब्बारों के मिलने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। इस बार कनाडा के एयरस्पेस में मानव रहित उच्च ऊंचाई वाली संदिग्ध हवाई वस्तु देखी गई जिसे अमेरिकी लड़ाकू विमानों ने एक झटके में मार गिराया। व्हाइट हाउस ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के बीच फोन पर हुई बातचीत के बाद इस संबंध में फैसला किया गया। बता दें कि एक दिन पहले ही अमेरिका ने बाइडेन के आदेश पर अलास्का के उत्तरी तट से करीब 40,000 फीट की ऊंचाई पर उड़ रही एक वस्तु को मार गिराया था। पेंटागन के प्रेस सचिव ब्रिगेडियर जनरल पैट राइडर के अनुसार, उत्तरी अमेरिकी एयरोस्पेस डिफेंस कमांड ने शुक्रवार देर शाम अलास्का के ऊपर वस्तु का पता लगाया।

आईएमएफ के आगे मदद का हाथ फैलाए पाकिस्तान को बड़ा झटका, डूबती अर्थव्यवस्था बचाने के अब क्या रास्ते

इस्लामाबाद।
पाकिस्तान के आर्थिक हालात बद से बदतर होते जा रहे हैं। विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार कमी हो रही है जो 9 साल के अपने सबसे निचले स्तर पर आ गया। पाकिस्तान की आम जनता की कमर बढ़ती महंगाई से टूट रही है। रोजमर्रा की जरूरत की चीजों के दाम आसमान छू रहे हैं। इन सबके बीच पाकिस्तानी सरकार की सबसे बड़ी उम्मीद को भी तगड़ा झटका लगा है। उसकी आईएमएफ के साथ बेलआउट पैकेज को लेकर चल रही बातचीत भी असफल हो गई है। पाकिस्तान आया आईएमएफ का एक प्रतिनिधिमंडल गुरुवार को वापस वॉशिंगटन लौट गया। इस प्रतिनिधिमंडल और पाकिस्तानी अधिकारियों के बीच आईएमएफ द्वारा पास 1.1 बिलियन डॉलर के कर्ज को जारी करने के लिए 10 दिन बातचीत चली। इसके बाद भी आईएमएफ के समझौते पर हस्ताक्षर के बिना ही वापस लौट गए। हालांकि, पाकिस्तान अभी भी आईएमएफ से कर्ज मिलने की उम्मीद कर रहा है। पाकिस्तानी दल का नेतृत्व कर रहे पाकिस्तान के वित्त मंत्री इशाक डार ने शुक्रवार को कहा कि दोनों पक्ष सोमवार से वर्चुअल मोड में वार्ता फिर से शुरू करेंगे।

इसकी वार्ता असफल होने के क्या मायने हैं

पाकिस्तान को दिवालिया होने से बचाने के लिए आईएमएफ का बेलआउट पैकेज काफी अहम है। पाकिस्तान का विदेशी मुद्रा भंडार तीन अरब डॉलर से भी कम रह गया है। राजस्व विभाग की एक रिपोर्ट के अनुसार, स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान का विदेशी मुद्रा भंडार घटकर 2.917 बिलियन डॉलर रह गया। उसे आर्थिक रूप से धराशायी होने से बचने के लिए इस समय वित्तीय मदद और आईएमएफ से राहत पैकेज की बहुत ज्यादा जरूरत है। आईएमएफ के बेल आउट पैकेज के लिए जारी वार्ता की विफलता पाकिस्तान के लिए कई और मुसीबतें लाएगी। सबसे ज्यादा प्रभाव आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता पर पड़ेगा। पाकिस्तान अपने दैनिक उपयोग की अधिकांश चीजों का आयात करता है। इसमें पेट्रोलियम, गैस, दवाएं, प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ, वाहन, मशीनरी और यहां तक कि खाद्य पदार्थ भी शामिल हैं। बकाये का भुगतान न करने की स्थिति में इन सामानों की उपलब्धता बाधित होगी जिससे पाकिस्तान के आम लोगों का जीवन प्रभावित होगा। देश की महंगाई दर 48 साल के उच्चतम स्तर पर है। विदेशी मुद्रा भंडार एक महीने से कम के आयात को कवर करता है। जनवरी 2023 में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में 27.6प्रतिशत की वृद्धि हुई। इसी अवधि में थोक मूल्य सूचकांक बढ़कर 28.5प्रतिशत हो गया।

आटा, प्याज से लेकर पेट्रोल तक की कीमतें आसमान छू रहीं

बढ़ती मुद्रास्फीति के दबाव के कारण आवश्यक वस्तुओं जैसे गेहूं, प्याज, गैस सिलेंडर आदि की कीमतों में भारी बढ़ोतरी हुई। जनवरी के अंत में पाकिस्तान में पेट्रोल और डीजल के दामों में भी इजाफा हुआ। सरकार ने कीमतें बढ़ाकर 262 रुपये प्रति लीटर कर दीं। जनवरी 2022 में 20 किलो गेहूं के आटे के बैग की औसत कीमत पाकिस्तानी रुपया 1,164.8 थी। यह जनवरी 2023 में 50प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1,736.5 तक पहुंच गया। बढ़ती मुद्रास्फीति के दबाव ने गेहूं, प्याज, दूध और अंडे जैसी आवश्यक वस्तुओं की कीमतों को बढ़ा दिया है। इसी तरह, एक साल की अवधि में एक किलो प्याज की कीमत 39.4 पाकिस्तानी रुपये से बढ़कर 231 पाकिस्तानी रुपये हो गई। पाकिस्तान के दूसरे सबसे बड़ी आबादी वाले शहर लाहौर में पिछले 24 घंटों के दौरान ही फल और सब्जियों के दाम में भारी बढ़ोतरी हुई है। यहां कई फलों और सब्जियों के प्रति क्विंटल दाम में 1000 से 2500 पाकिस्तानी रुपया बढ़ा है।

पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था क्यों डूब रही

पाकिस्तान में आर्थिक संकट लंबे समय से मंडरा रहा है। पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो असंगत आर्थिक नीतियां, गलत प्राथमिकताओं का चयन और कुशासन अर्थव्यवस्था की मौजूदा संकट के लिए जिम्मेदार हैं। लगातार सरकारों ने राजकोषीय प्राथमिकताओं में बदलाव किए, जिससे अस्थिर आर्थिक स्थितियां पैदा हुई हैं। इसके अलावा, पाकिस्तान की जीडीपी भुगतान संकट के अनसुलझे संतुलन की ओर जा चुकी है। पाकिस्तान को वर्तमान गंभीर आर्थिक संकट की ओर ले जाने के लिए दो कारण अहम हैं: पहला- 2008 में बढ़ती ऊर्जा लागत के लिए तेजी से बढ़ता सब्सिडी बिल और दूसरा- बेहद कम कर राजस्व। इनके कारण तेजी से राजकोषीय घाटा बढ़ा।

नवाज शरीफ के परिवार में दरार, बेटी मरियम अपने पति से ही भिड़ीं

इस्लामाबाद ।
पाकिस्तान में बढ़ता सियासी टकराव से अब नवाज शरीफ परिवार के भीतर तक पहुंच गया है। हालात यहां तक पहुंच गए हैं कि पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की बेटी मरियम नवाज सार्वजनिक रूप से अपने पति से ही भिड़ गई हैं। उन्होंने अपने पति रिटायर्ड कैप्टन मोहम्मद सफदर पर 'पार्टी विरोधी' बयान देने का आरोप लगाया है। पर्यवेक्षकों के मुताबिक अर्थव्यवस्था को संभाल पाने में नाकामी और बढ़ती राजनीति चुनौतियों का दबाव साफ तौर पर सत्ताधारी गठबंधन में शामिल पार्टियों के अंदर महसूस किया जा रहा है। सत्ताधारी गठबंधन की प्रमुख पार्टी पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज) की नीतियों की कड़ी आलोचना कर दी। उन्होंने कहा- 'पार्टी का वोट को इज्जत दो नैरेटिव पहले बहुत सशक्त था। लेकिन जिस रोज पार्टी ने पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल कमर जावेद बाजवा का कार्यकाल बढ़ाने के पक्ष में मतदान किया था, उसे रोक उसने इस नैरेटिव की बेइज्जती कर दी थी।' जनरल बाजवा का कार्यकाल तत्कालीन प्रधानमंत्री इमरान खान की सरकार ने बढ़ाया था, जिसका पीएमएल-नवाज ने समर्थन किया था। नवाज शरीफ ने कार्यकाल विस्तार का विरोध क्यों नहीं किया, तो कैप्टन सफदर ने कहा कि उन्हें कुछ लोगों ने गुमराह किया। सफदर ने कहा- 'कुछ लोग नवाज शरीफ के पास गए और कार्यकाल विस्तार के फायदे उन्हें समझाए। अब नवाज शरीफ को उन नामों को सार्वजनिक करना चाहिए, जिन्होंने उन्हें गलत फैसला लेने के लिए प्रेरित किया।

सफदर से उनकी पत्नी मरियम के राजनीतिक भविष्य के बारे में भी सवाल पूछा गया। क्या प्रधानमंत्री बनेंगी, इस प्रश्न पर उन्होंने कहा- 'निकट भविष्य में मैं ऐसी संभावना नहीं देखता हूं। अभी शहबाज शरीफ पांच साल प्रधानमंत्री रहेंगे। उसके बाद अगला चुनाव 2025 में होगा।' शरीफ परिवार में दरार पड़ गई है। मरियम नवाज ने सार्वजनिक रूप से अपने पति की बातों का जवाब दिया। उन्होंने उनकी बातों पर अफसोस जताया और चेतावनी दी कि वे भविष्य में ऐसी बातें ना करें। सूत्रों के हवाले से छपी एक रिपोर्ट के मुताबिक मरियम नवाज ने पार्टी नेताओं के लिए एक निर्देश जारी किया है, जिसमें कहा गया है कि वे पार्टी की घोषित नीति से अलग कोई बात ना कहें।

ईरानी क्रांति की 44वीं वर्षगांठ पर हैकर्स ने डाला रंग में भंग, राष्ट्रपति के टीवी भाषण को रोका

तेहरान ।
ईरान में शनिवार को लोगों ने उत्साह के साथ क्रांति की 44वीं वर्षगांठ मनाई लेकिन इस दौरान सरकार विरोधी हैकरों की नजर इस कार्यक्रम पर बनी रही। हैकरों ने राष्ट्रपति इब्राहिम रायसी के एक टेलीविजन भाषण को संक्षिप्त रूप से बाधित कर दिया। बता दें कि देश में राष्ट्रपति रायसी को हटाने के लिए कई युवा प्रदर्शनकारी पिछले कुछ दिनों से सड़क पर उतर रहे हैं। हालांकि, सरकार युवाओं के इस प्रदर्शन के खिलाफ काफी सख्ती भी बरत रही है।

राष्ट्रपति के लाइव टीवी भाषण को लगभग एक मिनट के लिए बाधित किया गया

राष्ट्रपति के लाइव टेलीविजन भाषण को लगभग एक मिनट के लिए इंटरनेट पर बाधित किया गया था, जिसमें ईरानी सरकार विरोधी हैकर्स के एक समूह की स्क्रीन पर एक लोगो दिखाई दे रहा था, जिसे एदलते अली (जस्टिस ऑफ अली) के नाम से जाता है। इस दौरान एक आवाज भी आई इस्लामिक गणराज्य की मौत।

ईरानी क्रांति की 44वीं वर्षगांठ को लेकर युवाओं में उत्साह दिखा

हजारों ईरानियों ने क्रांतिकारी और धार्मिक नारों वाले झंडों, गुब्बारों और तख्तियों से सजी प्रमुख सड़कों और चौराहों से मार्च किया। सेना ने अपनी एमाद और सेज्जिल बैलिस्टिक मिसाइलों और क्रूज मिसाइलों के साथ-साथ शहीद-136 और मोहजर ड्रोन का प्रदर्शन किया।

राजधानी तेहरान में आजादी स्क्वायर में एक भाषण में, राष्ट्रपति इब्राहिम रायसी ने विरोध प्रदर्शनों को ईरान के दुश्मनों द्वारा एक परियोजना के रूप में संदर्भित किया, जिसका उद्देश्य राष्ट्र को अपनी उपलब्धियों को जारी रखने से रोकना था। रायसी ने देश में क्रांति के बाद की उपलब्धियों की प्रशंसा करते हुए उत्सव को महाकाव्य और राष्ट्रीय अखंडता का एक शो कहा। इस टिप्पणी ने भीड़ को अमेरिका को मौत का जाप करने के लिए प्रेरित किया।

हिंसक भीड़ ने थाने पर किया हमला, ईशनिंदा के आरोपी को निर्वस्त्र कर बेरहमी से पीटा, मौत

इस्लामाबाद ।
पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में हिंसक भीड़ ने शनिवार को एक पुलिस थाने पर हमला करने के बाद ईशनिंदा के आरोपी एक व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या कर दी। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि भीड़ ने लाहौर से करीब अस्सी किलोमीटर दूर वारबर्टन, ननकाना साहिब में पुलिस स्टेशन पर धावा बोला और आरोपी वारिस इसा को अपने कब्जे में ले लिया। भीड़ ने उसे निर्वस्त्र किया और उसे सड़क पर घसीटा। इसके बाद उसे पीट-पीटकर मार डाला। स्थानीय मीडिया की खबर के मुताबिक, इलाके के वाशिंदों ने दावा किया कि दो साल जेल में बिताने के बाद घर लौटा व्यक्ति पवित्र पुस्तकों पर अपनी पूर्व पत्नी की तस्वीर चिपकाकर जादू-टोना करता था। घटना के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। एक वीडियो में भीड़ को पुलिस स्टेशन के बड़े गेट पर

चढ़ते हुए देखा जा सकता है। इस भीड़ में बच्चे में बच्चे भी दिखाई दे रहे हैं। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने घटना में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई के आदेश दिए हैं। उन्होंने यह भी सवाल किया कि पुलिस हिंसक भीड़ को रोकने में क्यों विफल रही। उन्होंने पंजाब के पुलिस महानिरीक्षक को जिले में कानून और व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। शरीफ ने कहा, कानून का शासन सुनिश्चित किया जाना चाहिए। किसी को भी कानून को प्रभावित करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि शांति और व्यवस्था के लिए जिम्मेदार संस्थानोंकी पहली प्राथमिकता शांति है और यह हमेशा पहले आनी चाहिए। पंजाब के आईजीपी उस्मान अनवर ने ननकाना सर्कल के डीएसपी नवाज विर्क और वारबर्टन के एसएचओ फिरोज भट्टी को सेवा से निलंबित कर दिया। आईजीपी ने डीआईजी अमीन बुखारी और राजा फैसल को मौके पर पहुंचने और जिम्मेदारों और लापरवाही के दोषियों की पहचान करने के बाद एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने का भी आदेश दिया। आईजीपी ने एक बयान में कहा, किसी को भी कानून अपने हाथ में लेने की अनुमति नहीं है, चाहे वह कितना भी प्रभावशाली क्यों न हो, इसलिए घटना के लिए जिम्मेदार लोगों और लापरवाही और पेशेवर कदाचार के अपराधियों के खिलाफ सख्त विभागीय और कानूनी कार्रवाई की जाएगी। दिसंबर 2021 में पंजाब के सियालकोट शहर में भीड़ ने एक स्थानीय कारखाने में प्रबंधक के रूप में काम करने वाले श्रीलंकाई व्यक्ति पर ईशनिंदा का आरोप लगाकर उसे मार डाला था। इस घटना की व्यापक निंदा हुई थी। लाहौर की एक आतंकवाद रोधी अदालत ने श्रीलंकाई नागरिक पिरयांथा कुमारा की पीट-पीटकर हत्या के मामले में शामिल 88 संदिग्धों को सजा सुनाई थी। उनमें से छह को मौत की सजा सुनाई गई थी।

यूके में प्रवासियों के खिलाफ प्रदर्शन, 15 लोग गिरफ्तार

बच्ची से छेड़खानी के बाद भड़के स्थानीय लोग, विरोध करने हथोड़े लेकर पहुंचे

लंदन।
नॉर्थ वेस्ट इंग्लैंड में प्रदर्शनकारियों के खिलाफ हुए हिंसक प्रदर्शन के बाद लोकल पुलिस ने 15 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। मर्सीसाइड पुलिस ने बताया कि प्रदर्शन में एक पुलिस वाला और 2 लोग घायल हो गए थे। जिस जगह पर घटना हुई वो लिवरपुल से 13 किलोमीटर दूर बसा एक गांव हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक एक प्रवासी पर स्थानीय बच्ची के साथ छेड़छाड़ के आरोप लगे थे। जिससे लोग भड़के गए। घटना के बाद 20 साल के लड़के गिरफ्तार किया गया था। हालांकि बाद में उसे चाइल्ड प्रोटेक्शन सर्विस के कहने पर छोड़ दिया गया।

प्रदर्शन करने हथोड़े लेकर पहुंचे लोग

पुलिस ने शनिवार को बताया कि जिस होटल में छेड़छाड़ का आरोपी लड़का ठहरा हुआ था। स्थानीय लोग वहां रात में हिंसा करने लगे। ये हथोड़े और विस्फोटक अपने साथ लेकर आए। ये लोग वहां काफी ज्यादा नुकसान पहुंचाना चाहते थे। जिससे किसी की जान भी जा सकती थी।

सांसद ने कहा- पूरी कम्यूनिटी एक जैसी नहीं

नॉस्ले के सांसद जॉर्ज होवार्थ ने पूरे मामले पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने प्रवासियों पर हमले की निंदा की और कहा, इलाके की पूरी कम्यूनिटी प्रवासियों को लेकर प्रदर्शनकारियों के विचारों से सहमत नहीं है। सभी लोग कट्टर नहीं हैं। हम दुनिया के खतरनाक इलाकों से बचकर आए लोगों का स्वागत करते हैं।

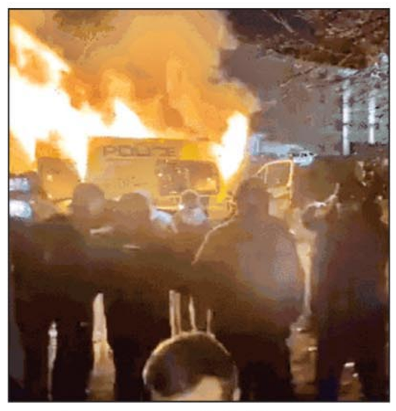

ब्रिटेन पूरे यूरोप में सबसे कम प्रवासियों को पनाह देता है, पर हाल ही में इंग्लिश चैनल पार कर छोटी-छोटी नावों से काफी प्रवासी इंग्लैंड पहुंच रहे हैं। 2022 में लगभग 45 हजार प्रवासी यहां पहुंचे। जिससे असायलम के लिए अप्लाई करने वालों की तादाद काफी बढ़ गई है। इन लोगों को समय पर रहने की जगह नहीं मिल पाती तो ये होटल में रहना शुरू कर देते हैं।

गलत तरह से ब्रिटेन पहुंचने वालों में भारतीय भी शामिल

भारतीय लोग भी छोटी बोट पर इंग्लिश चैनल को पार कर अवैध तरीके से ब्रिटेन में दाखिल होने वालों में तीसरे नंबर पर हैं। यह जानकारी खुद ब्रिटेन के गृह मंत्रालय ने दी थी।

रिपोर्ट के मुताबिक, होम ऑफिस के अधिकारियों ने बताया कि भारतीय छात्र नियमों में एक लूपहोल का इस्तेमाल कर रहे हैं, जिससे उन्हें ब्रिटेन में शरण लेने में आसानी हो रही है। इसके जरिए छात्रों को यहां रहकर पढ़ाई करने के लिए अंतरराष्ट्रीय फीस की जगह बहुत कम घरेलू फीस ही चुकानी पड़ती है।

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि साल 2022 में 233 से ज्यादा भारतीय प्रवासियों ने गैर-कानूनी तरह से इंग्लिश चैनल को पार किया था। वहीं 2023 में 1 महीने में ही ये आंकड़ा 250 को पार कर चुका है। इसके साथ ही भारतीय समूह अफगान और सीरियाई लोगों के बाद ऐसा करने वाला सबसे बड़ा ग्रुप बन गया है।

कौन होते हैं असायलम सीकर

असायलम सीकर वे लोग होते हैं जो गंभीर मानवाधिकार उल्लंघन के कारण अपना देश छोड़ चुके होते हैं और दूसरे देश में सुरक्षा की मांग करते हैं। ऐसे लोगों की एप्लिकेशन के आधार पर इन्हें कानूनी तौर पर शरणार्थी घोषित करने को लेकर फैसला किया जाता है।

बजट के 1 दिन बाद गहलोत सरकार ने किया 155 आरएएस अफसरों का तबादला

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में राज्य का बजट पेश करने के एक दिन बाद ही मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शनिवार देर रात 155 आरएएस अधिकारियों का तबादला कर दिया। दस फरवरी को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने वित्तीय वर्ष 2023-24 का बजट पेश किया। गहलोत ने बजट के जरिए जन कल्याणकारी योजनाओं की घोषणाओं की झड़ी लगाई। इसके बाद घोषणाओं को धरातल पर उतारने के लिए प्रशासनिक अधिकारियों को नए सिरे से जिम्मेदारी दे दी। बजट के एक दिन बाद ही मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने 155 आरएएस अफसरों के तबादले कर दिए, जिसमें 100 से ज्यादा एस-डीएम और 50 एडीएम का तबादला हुआ है। जबकि तहसीलदार सेवा से प्रमोट होकर आरएएस बने दो अधिकारियों को पोस्टिंग दी गई है, जबकि एक एसडीएम शिवा चौधरी को एपीओ किया गया है। कार्मिक विभाग की ओर से जारी आदेश के अनुसार दिनेश कुमार जांगिड़ को अतिरिक्त आयुक्त जीएस जयपुर, असलम शेर खान को अतिरिक्त संभागीय आयुक्त जयपुर, विष्णु कुमार गोयल को संयुक्त शासन सचिव पर्यटन विभाग जयपुर, हरि सिंह मीणा को प्रबंधन अधिकारी बीकानेर, चेतन चौहान को अतिरिक्त जिला कलेक्टर रोहतक जिला मजिस्ट्रेट शहर बीकानेर, संजय कुमार माथुर को सचिव राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड जयपुर, नरेश बुनकर को जिला रसद अधिकारी उदयपुर, अशोक कुमार योगी को सचिव नगर विकास न्यास अलवर, महावीर प्रसाद नायक को उपनिदेशक अल्पसंख्यक मामलात विभाग जयपुर, इंद्रजीत सिंह को जिला कलेक्टर जिला मजिस्ट्रेट प्रशासन अलवर लगाया गया है। इसी तरह सत्यनारायण आमेटा को अतिरिक्त जिला कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट जयपुर, सुरेश चौधरी को अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी आमेर विकास प्राधिकरण जयपुर, मुन्नी देवी यादव को भू प्रबंधन अधिकारी भरतपुर, राजेंद्र सिंह चुंडावत को सचिव नगर विकास न्यास जैसलमेर, राजेश डागा को उपायुक्त नगर निगम कोटा, प्रीति सिंह पंवार को उपनिदेशक एचसीएम रिपा जयपुर, दीपाली भगवती को संपदा प्रबंधन राजस्थान हाउसिंग बोर्ड जयपुर, गोवर्धन लाल मीणा को उपखंड अधिकारी मांगरोल बारां, विनोद कुमार को उपखंड अधिकारी भीलवाड़ा, गरिमा लाटा को संयुक्त निदेशक कॉलेज शिक्षा विभाग जयपुर, रक्षा पारीक को उपखंड अधिकारी आमेट राजसमंद, प्रियव्रत सिंह चारण को प्रबंधक रविंद्र रंगमंच जयपुर, अभिषेक गोयल को उपखंड अधिकारी सांगोद कोटा, दिनेश चंद्राकर को उपखंड अधिकारी आनंदपुरी बांसवाड़ा, दिनेशराय सापेला को अतिरिक्त जिला कलेक्टर जिला मजिस्ट्रेट बांसवाड़ा लगाया गया है। इसी प्रकार दुर्गा शंकर मीणा को अतिरिक्त जिला कलेक्टर एमबी अतिरिक जिला मजिस्ट्रेट प्रतापगढ़, बिंदु खत्री को रजिस्टार राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय बीकानेर, मीनू वर्मा को उपखंड अधिकारी लोहावट जोधपुर, पूजा सक्सेना को आयुक्त नगर परिषद पाली, बृजेश कुमार पांडे को उपखंड अधिकारी नया गांव उदयपुर, लक्ष्मण कटारा को उप सचिव राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड जयपुर, संजू मीणा को उपायुक्त आमिर विकास प्राधिकरण अजमेर, अशोक कुमार त्यागी को उपखंड अधिकारी अलवर, भरत भूषण गोयल को सहायक निदेशक लोक सेवाएं प्रशासनिक सुधार संबंधी विभाग टोंक, सुखाराम पिंडेल को उपखंड अधिकारी रुपनगढ़ अजमेर लगाया गया है। इसी तरह रामकुमार वर्मा को उपखंड अधिकारी लाखेरी बूंदी, महिपाल सिंह को उपखंड अधिकारी मालपुरा टोंक, मुकेश चौधरी प्रथम को उपखंड अधिकारी डूंगरपुर बीकानेर, आकांक्षा भैरव को सहायक कलेक्टर जोधपुर, बिरमाराम को उपखंड अधिकारी फतेहगढ़ जैसलमेर, निशा सारण को उपखंड अधिकारी बदनोर भीलवाड़ा, सुरेश कुमार को उपखंड अधिकारी रायपुर पाली, नीलम लखारा को सहायक कलेक्टर गिरवा उदयपुर, युगांतर शर्मा को उपायुक्त एसएमएसए एवं राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद जयपुर, बाबूलाल जाट को उपखंड अधिकारी साबला डूंगरपुर, राजवीर सिंह यादव को उपखंड अधिकारी नीमकाथाना सीकर, गोपाल परिहार को ऊपर नगर निगम जोधपुर दक्षिण, भंवरलाल जंगरोल को उपखंड अधिकारी रोहट पाली लगाया गया है। शैलेश बैरवा को उपखंड अधिकारी घाटोल बांसवाड़ा, रूबी अंसार को सहायक निदेशक लोकसेवा प्रशासनिक सुधार विभाग सवाई माधोपुर, रजत कुमार विजय वर्गीय को सहायक निरीक्षक लोकसेवा प्रशासन विभाग बारां, दीपक मित्तल को उपखंड अधिकारी असनावर झालावाड़, राकेश मीणा को उपखंड अधिकारी फूनियांकला भीलवाड़ा, सुप्रिया को उपखंड अधिकारी झुंझुनूं, दिव्या को उपायुक्त नगर निगम अजमेर, ललित मीणा को उपखंड अधिकारी वैर भरतपुर, मनीषा को उपखंड अधिकारी छिपाबड़ोद बारां, राहुल कुमार मेहरोत्रा को उपखंड अधिकारी हिंडोली बूंदी, गौरव कुमार मित्तल को उपखंड अधिकारी टोडाभीम करौली लगाया गया है। सीमा तिवारी को उपखंड अधिकारी मंडरायल करौली, राजू शर्मा को उपखंड अधिकारी ओसियां जोधपुर, सुनीता मीणा को सहायक निरीक्षक लोक सेवाएं प्रशासन सुधार सम्मान विभाग भरतपुर, दुर्गा प्रसाद मीणा को उपखंड अधिकारी देवली टोंक, जवाहर राम चौधरी को उपखंड अधिकारी देचू जोधपुर, बृजेश कुमार को खंड अधिकारी खंडेला सीकर, सुनीता यादव को निबंधक राजस्व मंडल अजमेर, सुबोध सिंह चारण को उपखंड अधिकारी बिजोलिया भीलवाड़ा, बृजेश गुप्ता को उपखंड अधिकारी राजसमंद, शिप्रा जैन को सहायक भू प्रबंधन अधिकारी जयपुर, स्वाति गुप्ता को उपखंड अधिकारी टिब्बी हनुमानगढ़, राधेश्याम मीणा को प्राधिकृत अधिकारी जयपुर विकास प्राधिकरण, मुक्ताराव को उपखंड अधिकारी जयपुर से दक्षिण, मनमोहन शर्मा को उपखंड अधिकारी नाथद्वारा राजसमंद, शिवाजी कांडला को सहायक कलेक्टर मुख्यालय, निखिल कुमार को उपखंड अधिकारी पुष्कर अजमेर लगाया गया है। यशवंत मीणा को खंड अधिकारी सपोटरा करौली, रवि कुमार गोयल को उपखंड अधिकारी डीग भरतपुर, भीनू देवल को उपखंड अधिकारी को टर्न एवं पदेन परियोजना अधिकारी जनजातीय कोटडा उदयपुर, विकास प्रजापत को उपखंड अधिकारी रामगढ़ शेखावाटी सीकर, सिद्धार्थ संदू को उपखंड अधिकारी जसवंतपुरा जालोर, मोनिका समोर को उपखंड अधिकारी काठगढ़ अजमेर, पूनम को उपखंड अधिकारी भीनमाल जालोर, डॉक्टर गरिमा शर्मा को उपायुक्त एसएम एसएम राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद जयपुर, निहारिका शर्मा को नगर निगम जयपुर हेरिटेज, रवि प्रकाश को उपखंड अधिकारी रामरस बाड़मेर, महेश गंगोरिया को उपखंड अधिकारी मांडलगढ़ भीलवाड़ा, हकीम चलानिया को उपखंड अधिकारी मांडल भीलवाड़ा, मालविका त्यागी को सहायक कलेक्टर बूंदी लगाया गया है। ऋषि सुधांशु पांडे को उपखंड अधिकारी समिति उदयपुर, सरिता शर्मा को सहायक कलेक्टर मुख्यालय बस्सी जयपुर, हनुमाना राम को उपखंड अधिकारी चितलवाना जालोर, कृति व्यास को उपखंड अधिकारी कनवास कोटा, पदमा देवी को उपखंड अधिकारी बावड़ी जोधपुर, कल्पित शिवराम को उपखंड अधिकारी नोखा बीकानेर दक्षिण, नेहा मिश्रा को उपखंड अधिकारी टोडारायसिंह टोंक, रवि कुमार को उपखंड अधिकारी रावतसर हनुमानगढ़, सुनील कुमार को उपखंड अधिकारी नारायणपुर अलवर, राजेश जाखड़ को उपखंड अधिकारी चौमू जयपुर, देवी लाल यादव को उपखंड अधिकारी अजमेर, कुणाल रहट को उपखंड अधिकारी बचेली धौलपुर, मनीषा चौधरी को सहायक कलेक्टर जयपुर, अनीता मान को उपखंड अधिकारी भूपालसागर चित्तौड़गढ़ और सृष्टि जैन को उपखंड अधिकारी उप परियोजना अधिकारी सहरिया विकास परियोजना किशनगंज बारां लगाया गया है। भरत राज गुर्जर को उपखंड अधिकारी मसूदा अजमेर, पुखराज कठोतिया को उपखंड अधिकारी लूणी जोधपुर, राजेंद्र कुमार को उपखंड अधिकारी छत्तरगढ़ बीकानेर, दिव्यराज सिंह चुंडावत को उपखंड अधिकारी रानी पाली, संजीव कुमार किधर को उपखंड अधिकारी सांचौर जालोर, संजना जोशी को उपखंड अधिकारी पीलीबंगा हनुमानगढ़, पुनीत कुमार गेलरा को उपखंड अधिकारी शाहपुरा भीलवाड़ा, यतीन्द्र पोरवाल को उपखंड अधिकारी सागवाड़ा डूंगरपुर, कुलदीप सिंह शेखावत को उपखंड अधिकारी पीपल खूंट प्रतापगढ़, जोगेंद्र सिंह को उपखंड अधिकारी नदबई भरतपुर, भजनलाल स्वामी को उपखंड अधिकारी विराटनगर जयपुर, नेहा छीपा को उपखंड अधिकारी जयपुर भीलव-ाड़ा, राजेंद्र कुमार को उपायुक्त नगर निगम बीकानेर और अर्चना बुगालिया को उपखंड अधिकारी कपासन चितौड़गढ़ लगाया गया है। नीतू करोड़ को उपखंड अधिकारी सैंथल दौसा, विष्णु बंसल को उपखंड अधिकारी भरतपुर, मनोज को उपखंड अधिकारी कुचामन सिटी नागौर, बृजेश कुमार को सहायक कलेक्टर मुख्यालय टोंक, अर्चना चौधरी को उपखंड अधिकारी सज्जनगढ़ बांसवाड़ा, गोविंद राम को उपखंड अधिकारी आबूरोड सिरोही, छत्रपाल चौधरी को उपखंड अधिकारी उप परियोजना अधिकारी सहरिया विकास प्राधिकरण शाहबाद बारां, पूजा मीणा को सहायक कलेक्टर चौमूं जयपुर, मनीषा कुमारी मीणा को उपखंड अधिकारी सहाड़ा उदयपुर, दीपक सिंह खटाना को उपखंड अधिकारी रावतभाटा चित्तौड़गढ़, गुलाब सिंह वर्मा को उपखंड अधिकारी छबड़ा बारां, रेखा मीणा को उपखंड अधिकारी सैपऊ धौलपुर, राम सिंह गुर्जर को उपखंड अधिकारी सिणधरी बाड़मेर और ओमप्रकाश चंदेलिया को उपखंड अधिकारी मंडावा झुंझुनूं लगाया गया है। दीपक महावर को उपखंड अधिकारी अंता बारां, पूरण मार शानी को खंड अधिकारी मेड़ता नागौर, रमेश कुमार को उपखंड अधिकारी बीदासर चूरू, रवि कुमार मीणा को उपखंड अधिकारी करौली, कपिल कुमार कोठारी को उपखंड अधिकारी लसाडिया उदयपुर, गरिमा शर्मा को उपखंड अधिकारी बागोड़ा, संजीव कुमार वर्मा को खंड अधिकारी लूणासर बीकानेर, बाबूलाल को उपखंड अधिकारी बामनवास सवाई माधोपुर, नवज्योति खमरिया को सहायक कलेक्टर मुख्यालय अलवर, प्रीति को सहायक कलेक्टर मुख्यालय करौली, अमिता बिश्नोई को उपखंड अधिकारी करसाना श्रीगंगानगर और गौरव बांकावत को सहायक आयुक्त खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग जयपुर लगाया गया है। भारती फुलफकर को उपखंड अधिकारी विजयनगर श्रीगंगानगर, निरमा विश्नोई को खंड अधिकारी भीलवाड़ा, अभिमन्यु सिंह को उपखंड अधिकारी अरनोद प्रतापगढ़, नारायणलाल जीनगर को खंड अधिकारी करेड़ा भीलवाड़ा, कविता गोदारा को उपखंड अधिकारी सूरजगढ़ झुंझुनूं, जय कौशिक को उपखंड अधिकारी सीकर, गिरधर सिंह को उपखंड अधिकारी बाड़ी धौलपुर, मणिलाल तीरघर को उपखंड अधिकारी झाड़ोल उदयपुर, संजय कुमार को सहायक कलेक्टर श्रीगंगानगर, रामनिवास मीणा को सहायक निदेशक लोकसेवा प्रशासन सुधार एवं समन्वय विभाग नागौर लगाया गया है।

पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता के बावजूद चुभ रही धूप

जयपुर, (हि.स.)। उत्तर भारत में नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो चुका है। इसके असर से देश के उत्तरी हिस्सों में बर्फबारी हुई है और उसका असर राजस्थान में नजर आ रहा है। शनिवार को प्रदेश के कई इलाकों का दिन का पारा कम हुआ है, हालांकि तापमान अभी भी सामान्य से अधिक बना हुआ है। मौसम विभाग के मुताबिक प्रदेश में धीरे-धीरे सर्दी कम हो रही है, लेकिन अभी भी सुबह-शाम ठंडी हवाओं चलने से सर्दी का असर बना हुआ है। आने वाले कुछ दिनों में मौसम में बदलाव हो सकता है। उत्तरी हवाओं का असर राजस्थान में 15 फरवरी तक रहेगा। सोलह फरवरी से राज्य में तापमान फिर से बढ़ने लगेगा। इससे बाड़मेर, जोधपुर समेत कई जगहों पर 35 डिग्री सेल्सियस या उससे ऊपर जा सकता है। राजधानी जयपुर में रविवार को आसमान साफ रहने की संभावना है। अधिकतम और न्यूनतम लगभग 26 डिग्री और 13 डिग्री सेल्सियस तक रहने की संभावना है। शनिवार को भीलवाड़ा का दिन का पारा प्रदेश में सबसे अधिक रहा। यहां का तापमान 32.8 डिग्री, वनस्थली 30.2 डिग्री, कोटा 30.0 डिग्री, चित्तौड़गढ़ 30.8 डिग्री, बाड़मेर 31.5 डिग्री, फलौदी 31.4 डिग्री, डूंगरपुर 31.5 डिग्री और जालोर का दिन का पारा 31.5 डिग्री सेल्सियस मापा गया। बीती रात प्रदेश के 29 जिलों का पारा 10 डिग्री सेल्सियस से अधिक रहा। इसमें से 8 जिलों का पारा 15 डिग्री सेल्सियस से अधिक रहा।

राज्यपाल बनने वाले उदयपुर से पांचवें हैं गुलाबचंद कटारिया

उदयपुर, (हि.स.)। राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और भाजपा के कद्दावर नेता उदयपुर शहर के विधायक गुलाबचंद कटारिया को असम का राज्यपाल बनाया गया है। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने रविवार को 13 राज्यों में राज्यपाल नियुक्त करने की सूची जारी की जिसमें उदयपुर के कटारिया के लिए यह घोषणा हुई। उदयपुर से गुलाबचंद कटारिया पांचवें व्यक्ति हैं जिन्हें राज्यपाल बनाया गया है। इससे पहले राज्यपाल बनने वाले चार व्यक्तियों में एक स्वाधीनता सेनानी, दो राजनीतिक क्षेत्र से और एक सेवानिवृत्त अधिकारी थे। इनमें स्वाधीनता सेनानी सादिक अली, पूर्व मुख्यमंत्री मोहनलाल सुखाड़िया, जनसंघ के नेता सुंदर सिंह भंडारी तथा रॉ के डायरेक्टर रहे अरविन्द दवे शामिल हैं। स्वाधीनता सेनानी व सांसद सादिक अली बोहरा 1910 में जन्मे थे, इलाहाबाद यूनिवरसिटी से उन्होंने पढ़ाई की। वे 70 के दशक में तमिलनाडु और महाराष्ट्र के राज्यपाल रहे थे। कांग्रेस के कद्दावर नेता और आधुनिक राजस्थान के निमार्ता कहे जाने वाले मोहनलाल सुखाड़िया राजस्थान में सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहे। वे 1954 से 1971 तक 17 साल लगातार राजस्थान के मुख्यमंत्री बने। इसके बाद में उन्होंने कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु के राज्यपाल का पद संभाला। उदयपुर को कर्मस्थली बनाने वाले जनसंघ के संस्थापक सदस्यों में रहे सुंदरसिंह भंडारी भी राज्यपाल रहे। हालांकि वे मूलतः उदयपुर के नहीं थे, लेकिन उन्होंने उदयपुर को कर्मस्थली बनाया। अटलबिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में बनी सरकार में राज्यपाल बनाया गया। भंडारी को 1998 में बिहार और 1999 में गुजरात का राज्यपाल बनाया गया। उदयपुर के अरविन्द दवे जो साल 1997 से 1999 तक रॉ के निदेशक रहे थे, वे भी चार राज्यों के राज्यपाल रहे। अरविन्द दवे का-रगिल युद्ध और भारत के परमाणु कार्यक्रम ह्लऑपरेशन शक्तिह्ल के दौरान रॉ के प्रमुख थे। वर्ष 1999 से 2003 के दौरान वह अरुणाचल प्रदेश, 2003 से 2004 के दौरान मणिपुर और 2002-2003 के दौरान मेघालय और असम के कार्यवाहक राज्यपाल रहे।

एग्जामिनर मूल्यांकन में गलती करेगा तो सीबीएसई बोर्ड उस पर लगा सकता है पाबंदी

लुधियाना (ईएमएस)। सीबीएसई ने 10वीं व 12वीं बोर्ड परीक्षा पर अनेक फैसले किए हैं। इसीके तहत बोर्ड ने आंसरशीट्स के मूल्यांकन पर स्कूलों को विशेष दिशा निर्देश जारी किए हैं। इसमे कहा गया कि यदि एग्जामिनर आंसरशीट के मूल्यांकन में कोई गलती करता है तो उसके लिए बोर्ड उस पर जुमार्ने के साथ भविष्य में उसे परीक्षा मूल्यांकन में शामिल करने पर भी पाबंदी लगा सकता है। 10वीं-12वीं की बोर्ड परीक्षा 15 फरवरी से शुरू होगी। 10वीं के मुख्य विषय की परीक्षा 27 फरवरी को अंग्रेजी से शुरू होगी। वहीं 12वीं बोर्ड की परीक्षा 18 फरवरी को हिन्दी विषय से शुरू होगी। मूल्यांकन बोर्ड के अनुसार परीक्षा समाप्त होने के 4 दिनों के बाद मूल्यांकन शुरू हो जाएगा। बोर्ड द्वारा हर स्कूल से पर-ीक्षकों की नियुक्ति कर दी गई है। बोर्ड द्वारा जारी दिशा निदेर्शों में कहा गया है कि आंसरशीट में गलत मूल्यांकन करने वाले अध्यापकों पर जुमार्ना लगेगा। जो अध्यापक अंक जोड़ने, स्टैप वाइज अंक देने, अधूरा मूल्यांकन करना जैसी गलतियां करेंगे, उनको आगे से मूल्यांकन में शामिल नहीं किया जाएगा। बोर्ड ने स्कूलों को कहा कि मूल्यांकन में लापरवाही करने वाले अध्यापकों पर कार्रवाई भी की जाएगी। रिजल्ट जारी होने के बाद छात्रों ने आंसरशीट के पुनर्मूल्यांकन के लिए आवेदन किया तो कुछ गलतियां सामने आईं हैं। कई अध्यापकों ने अंक कम दिए तो कुछ ने अंक जोड़ने में गलती की। कुछ ने अधूरा मूल्यांकन किया। कई अध्यापकों ने कापी पर अंक कुछ तथा एंट्री में कुछ और लिख दिए। इस बार आंसरशीट्स की जांच 2 पड़ावों में होगी। पहले परीक्षक कापी चैक करेंगे। दूसरी बार हैड एग्जामिनर द्वारा उसकी जांच की जाएगी।

राजस्थान के नेता प्रतिपक्ष कटारिया असम के नए राज्यपाल, नौ बार विधायक रहे

जयपुर, (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राजस्थान विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष गुलाब चंद कटारिया को असम का नया राज्यपाल नियुक्त किया है। राष्ट्रपति की ओर से जारी आदेश में अन्य 13 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के राज्यपाल, उपराज्यपाल बदले गए हैं। गुलाबचंद कटारिया राजस्थान भाजपा में सबसे वरिष्ठ नेता और विधायक हैं। वे नौ बार विधायक और एक बार लोकसभा सदस्य रह चुके हैं। कटारिया का जन्म उदयपुर में 13 अक्टूबर, 1944 को हुआ था। उनके परिवार में पांच पुत्रियां और पत्नी हैं। कटारिया 1977 में पहली बार विधायक चुने गए। 1980 से 1985, 1993 से 1998, 1998 से 2003, 2008 से 2013, 2013 से 2018 और 2018 से अभी तक विधायक हैं। इसके अलावा 1989 से 1993 तक उदयपुर से लोकसभा सदस्य भी रह चुके हैं। कटारिया दो बार नेता प्रतिपक्ष रहे हैं और दो बार वसुंधरा सरकार में गृहमंत्री भी रहे हैं। 2009 से 2013 तक भी गुलाबचंद कटारिया नेता प्रतिपक्ष रहे हैं और 2018 से अभी तक नेता प्रतिपक्ष के पद पर हैं। वो संगठन में भी विभिन्न पदों पर रहे हैं। कटारिया ने राजनीतिक जीवन की शुरूआत भारतीय जनता युवा मोर्चा से की थी । कटारिया 1977 से 1980 तक भारतीय जनता युवा मोर्चा के उपाध्यक्ष चुके हैं। 1980 से 1985 तक राजस्थान भाजपा के सचिव, 1986 से 1993 तक राजस्थान भाजपा के महासचिव और 1999 से 2000 तक प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। गुलाबचंद कटारिया को राज्यपाल नियुक्त करने पर उदयपुर सहित प्रदेश भर में उनके प्रशंसकों और भाजपा नेताओं ने खुशी जताई है। कटारिया आरएसएस के स्वयंसेवक रहे, फिर जनसंघ में आए। कटारिया ने प्राइवेट स्कूल में शिक्षक से अपने करियर की शुरूआत की थी। स्कूल में पढ़ाने के दौरान ही संघ से जुड़ गए। आदिवासी क्षेत्रों में काम किया । स्कूल में शिक्षक रहने के दौरान 1975 में इमरजेंसी लगी तो कई दिन अंउरग्राउंड रहकर काम किया। इमरजेंसी में जेल भी गए। कटारिया पहली बार छठीं विधानसभा में विधायक बने। कटारिया के राज्यपाल बनने के बाद अब राजस्थान में नेता प्रतिपक्ष का पद खाली हो गया है।

खुंखार कुत्तों ने बछड़े व गाय को नोंचा

जींद, (हि.स.)। शहर के सेक्टर 8 व 9 के वासी पिछले काफी दिनों से खूंखार कुत्तों के आतंक से परेशान हैं। रात के समय तो यह लोग घरों से बाहर तक निकलना उचित नहीं समझते। कुत्तों का खौफ इतना है कि सेक्टरों के बच्चे भी घरों में ही रहने को मजबूर हो हैं। सेक्टरवासी कुत्तों के आतंक की सूचना प्रशासन व नगर परिषद को दे चुके हैं, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई है। सेक्टर आठ और नौ के डिवाइडर के पास दर्जनों कुत्तों ने बछडी और गाय पर हमला कर गंभीर रूप से हमला कर दिया। वहां से गुजर रहे जींद विकास संगठन के अध्यक्ष एवं प्रमुख समाजसेवी राजकुमार गोयल ने इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने घायल बछड़े व उसकी मां को गौशाला पहुंचाया, जहां बछड़े व गाय का उपचार किया गया। एक माह पहले भी इन कुत्तों ने गोवंश पर हमला किया था, जिसका वीडियो भी वायरल हुआ था। इसे लेकर सेक्टरवासी नगर परिषद अधिकारियों तथा जिला प्रशासन से भी मिले थे लेकिन प्रशासन ने खूंखार कुत्तों से को पकडने के लिए कुछ नहीं किया गया, जिसके चलते अब सेक्टरवासी भय के साये में रह रहे हैं। समाजसेवी राजकुमार गोयल ने बताया कि जिंदा गायों को कुत्ते आएदिन हमला कर रहे हैं, लेकिन प्रशासन कोई कार्रवाई नहीं कर रहा है। जींद विकास संगठन ने डीसी से इस मामले में खुद हस्तक्षेप करने की कि मांग की है।

श्रीनगर-सोनमर्ग-गुमरी राजमार्ग आवाजाही के लिए दोनों तरफ से बंद

- जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग छोटे वाहनों के लिए दोनों तरफ से खुला

जम्मू, (हि.स.)। जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग दोनों ओर से वाहनों की आवाजाही के लिए सुचारू रूप से जारी है। बुधवार सुबह से छोटे वाहनों को राजमार्ग के दोनों तरफ से आवाजाही की अनुमति दी गई है। भारी वाहनों को हल्के वाहनों के गुजरने के बाद रवाना किया जाएगा। सभी छोटे और बड़े वाहनों के निकलने के बाद ही सुरक्षाबलों के वाहनों को जाने की इजाजत दी जाएगी। जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पिछले दो दिनों तक बंद था। राजमार्ग पर शनिवार दोपहर को आंशिक रूप से यातायात बहाल कर दिया गया था। बारिश के चलते शुक्रवार को रामबन जिले के मेहद, पंथियाल और कैफेटेरिया मोड़ में कई भूस्खलन हुए और पहाड़ों से पत्थरों के गिरने से विभिन्न स्थानों पर राष्ट्रीय राजमार्ग अवरुद्ध हो गया था। इसी बीच, श्रीनगर-सोनमर्ग-गुमरी राजमार्ग फिसलन के चलते दोनों तरफ से बंद है।

इस दौरान राजौरी व पुंछ जिलों को दक्षिण कश्मीर के शोपियां से जोड़ने वाला मुगल रोड आज भी बर्फबारी के चलते बंद है। हल्के वाहनों के निकलने के बाद ही भारी वाहनों को जाने की अनुमति दी जाएगी। अधिकारियों का कहना है कि तय समय के बाद किसी भी वाहन को राष्ट्रीय राजमार्ग तथा अन्य मार्गों पर आवाजाही की अनुमति नहीं दी जाएगी।

कश्मीर के रियासी जिले में मिले लिथियम भंडार की गुणवत्ता बेहतरीन : अधिकारी

जम्मू (ईएमएस)। जम्मू कश्मीर में मिले देश के पहले लिथियम भंडार के लिथियम की गुणवत्ता सर्वोत्तम है। यह जानकारी एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने दी। वहीं, ग्रामीणों को उम्मीद है कि इस खोज से उनका भविष्य उज्ज्वल होगा। भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) ने इलेक्ट्रिक वाहन और सोलर पैनल बनाने में अहम धातु लिथियम के 59 लाख टन भंडार का पता रियासी जिले में लगाया है। जम्मू-कश्मीर के खनन सचिव अमित शर्मा ने बताया लिथियम दुर्लभ संसाधनों की श्रेणी में आता है और पहले यह भारत में नहीं मिलता था, जिसकी वजह से हम इसके शत-प्रतिशत आयात पर निर्भर थे। जीएस-ाआई द्वारा किए गए जी-3 (एडवांस) अध्ययन में पता चला है कि माता वैष्णो देवी तीर्थ की तलहटी में बसे सलाल गांव (रियासी जिले) में मौजूद लिथियम भंडार उच्च गुणवत्ता का है। उन्होंने बताया कि सामान्य श्रेणी में लिथियम का ग्रेड 220 पार्ट्स पर मिलियन (पीपीएम) का होता है, जबकि जम्मू-कश्मीर में मिले भंडार का लिथियम 550 पीपीएम से अधिक ग्रेड का है और यह भंडार करीब 59 लाख टन है जो लिथियम की उपलब्धता के मामले में चीन को पीछे छोड़ देगा। उन्होंने कहा भारत इस खोज के साथ उन देशों के समूह में शामिल हो गया है, जिनके पास लिथियम है और यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण को पूरा करेगा। शर्मा ने कहा कि लिथियम का विस्तृत इस्तेमाल है और भारत की जी-20 की अध्यक्षता के समय इसकी खोज जम्मू-कश्मीर को अपने समृद्ध भंडारों को प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करेगा। खनन शुरू होने की समयसीमा के बारे में पूछे जाने पर खनन सचिव ने कहा कि प्रत्येक परियोजना अपना समय लेती है। उन्होंने कहा हमने जी-3 का अध्ययन किया है, धातु का खनन शुरू करने से पहले जी-2 और जी-1 अध्ययन होगा। इस खोज को लेकर ग्रामीण भी बहुत उत्साहित हैं। सलाल गांव के उप सरपंच राजेंद्र सिंह ने कहा यह हम सभी के लिए गौर-वान्वित करने वाला क्षण है। रेल परियोजना और माता वैष्णो देवी तीर्थ स्थानीय लोगों के लिए रोजगार का सबसे बड़ा साधन है, लेकिन अब यह (लिथियम) परियोजना परिवर्तनकारी साबित होगी।

फतेहाबाद में रविवार सुबह तीन वारदातों से लोगों में दहशत

फतेहाबाद, (हि.स.)। शहर में पुलिस की नाकामी के चलते अपराधियों के हौंसले बुलंद नजर आ रहे हैं। रविवार अलसुबह भी फतेहाबाद शहर में बदमाशों ने तीन वारदातों को अंजाम दिया। मिनी बाईपास पर रविवार सुबह करीब 5 बजे सैर पर निकले पीडब्ल्यूडी विभाग के उपाधीक्षक को दो युवकों ने छुरा दिखाकर सोने की अंगूठी छीन ली और फरार हो गए। इसी प्रकार जीटी रोड पर दुर्गा मंदिर के समीप सुबह सब्जी मण्डी जा रहे सब्जी व्यापारी पवन राठौड़ पर लूट की नीयत से बाइक सवारों ने कस्सी के बिंडे से उस पर हमला कर दिया। सब्जी व्यापारी ने बाइक भगाकर अपनी जान बचाई। सब्जी व्यापारी को सरकारी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। तीसरी घटना शहर के मॉडल टाऊन में हुई। यहां सुबह करीब 6 बजे बाइक पर आए दो युवकों ने एक व्यक्ति को रोक लिया और उसकी तलाशी ली लेकिन उसके पास कुछ न मिलने पर दोनों पपीहा पार्क की तरफ भाग गए । शहर में बढ़ती आपराधिक घटनाओं से लोगों में काफी रोष है। पीडब्ल्यूडी विभाग के उपाधीक्षक वासुदेव से सोने की अंगूठी छीनने की जानकारी पर सिटी एसएचओ राजपाल सिंह टीम के साथ मौके पर पहुंचे और आसपास सीसीटीवी फुटेज खंगालने शुरू कर दिए। वासुदेव ने बताया कि वह रोजाना की तरह सैर के लिए गया था। पीछे से बाइक सवार दो युवक आए और पहले उनसे माचिस मांगी, लेकिन उसने माचिस होने का मना कर दिया। युवकों ने छुरा मारने का डर दिखाकर उससे सोने की अंगूठी उतारवा लगी और भाग गए।

कर्मियों की मांगों पर ध्यान दें सरकारः कम्बोज

यमुनानगर, (हि.स.)। ब्लॉक रादौर के कर्मचारियों की एक बैठक रविवार को शहीद ऊधम सिंह धर्मशाला में संपन्न हुई। बैठक में कर्मचारियों की सेवा सुरक्षा की मांग को लेकर 14 मार्च को पंचकूला में प्रदर्शन करने की घोषणा की। बैठक में पब्लिक हेल्थ कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष विनोद कुमार, मंत्री जय कुमार और भारतीय मजदूर संघ के जिला अध्यक्ष विजय कम्बोज मौजूद रहे। इस बैठक में विजय कम्बोज ने कहा कि सरकार कर्मचारियों की मांगों पर ध्यान दें और उन्हें जरूरी उपकरण मुहैया करवाएं। इसके साथ-साथ उन्हें ईएसआई की सुविधा के लिए कार्ड बनवाना सुनिश्चित करें। इस सबके साथ सभी अनुबंध आधारित कर्मचारियों को स-रकार सेवा सुरक्षा देने की मांग को लेकर 14 मार्च को पंचकूला में भारतीय मजदूर संघ एक बड़ा आंदोलन करेगी, जिसमें 30 हजार से भी अधिक कर्मचारी भाग लेंगे। बैठक में रादौर के पब्लिक हेल्थ कर्मचारी संघ की कार्यकारिणी की घोषणा भी जिलाध्यक्ष विजय कम्बोज ने की। नई कार्यकारिणी में अध्यक्ष अशोक कुमार, उपाध्यक्ष राकेश, मंत्री संदीप, कैशियर विशाल, संगठन मंत्री रवि, सह मंत्री संदीप के अलावा गुरमुख सिंह, राजकुमार, भीम सिंह को कार्यकारिणी सदस्य चुना गया। अध्यक्ष ने पूरी कार्यकारिणी को बधाई दी और संगठन को अधिक मजबूत करने को कहा। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह कार्यकारिणी कर्मचारियों के हित में कार्य करेगी और भारतीय मजदूर संघ के आदर्शों पर चलेगी। इस अवसर पर बहुत से कर्मचारी उपस्थित रहे।

महाशिवरात्रि पर पाकिस्तान स्थित कटासराजद में शिव का महाअभिषेक करेंगे हिन्दूः बजाज

- तीर्थयात्रियों को एक दल 16 से 22 फरवरी तक पाकिस्तान की करेगा यात्रा

- यात्रा के लिए भारतीय विदेश मंत्रालय एवं पाकिस्तान हाई कमीशन ने दी मंजूरी

यमुनानगर, (हि.स.)। पाकिस्तान स्थित हिंदुओं के प्राचीन एवं ऐतिहासि-ाक तीर्थ कटासराज धाम की यात्रा के लिए भारत सरकार के विदेश मंत्रालय एवं पाकिस्तान हाई कमीशन ने हरी झंडी दे दी है। भारत के हिन्दू तीर्थयात्रियों का एक दल महाशिवरात्रि के दिन कटासराज धाम में भगवान शिव का महा अभिषेक करेगा। रवि-वार को जानकारी देते हुए यात्रा के मुख्य संयोजक एवं सनातन धर्म सभा के उत्तरी भारत के अध्यक्ष शिव प्रताप बजाज ने बताया कि सभा ने भारत सरकार को भेजें कार्यक्रम के अनुसार यह यात्रा 16 से लेकर 22 फरवरी तक आयोजित की जाएगी। तीर्थ यात्रियों का दल 16 फरवरी को अमृतसर के बाघा बॉर्डर पहुंचेगा। यह दल महाशिवरात्रि के पावन पर्व 18 फरवरी के दिन पाकिस्तान के कटास-राज में भगवान शिव का अभिषेक करेगा। तीर्थयात्रियों का दल लाहौर व अन्य स्थानों पर स्थित धार्मिक स्थलों का भ्रमण कर 22 फरवरी को यह वापस आएगा। सभा के वरिष्ठ उप प्रधान आई सागर एवं यात्रा प्रबंधक त्रिलोकचंद जसवंत सिंह ने यात्रा की अनुमति मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि पिछले कई वर्षों से किन्हीं कारणों से यह यात्रा स्थगित होती रही है और अब आशा है कि इस बार यह यात्रा निर्विघ्न संपन्न होगी। महाशिवरात्रि पर्व पाकिस्तान स्थित हिंदू भाइयों के साथ पाकिस्तान में धूमधाम से मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि तीर्थ यात्रियों के पासपोर्ट वीजा के लिए पाकिस्तान हाई कमीशन दिल्ली को भेज दिए गए हैं। उम्मीद है कि जल्दी वीजा प्राप्त होंगे। वर्ष 1974 में भारत-पाक प्रोटोकॉल के अनुसार देशभर के केवल दो सौ तीर्थयात्री ही इस पवित्र यात्रा में भाग ले सकते हैं। यात्रा को लेकर हिंदू श्रद्धालुओं में काफी उत्साह देखा जा रहा है।

बिना वेतन के सात घंटे से ज्यादा घरेलू काम करती हैं महिलाएं, पुरुष तीन घंटे से भी कम, स्टडी में दावा

अहमदाबाद।

भारतीय प्रबंधन संस्थान अहमदाबाद के एक प्रोफेसर द्वारा किए गए एक शोध के अनुसार, 15 से 60 वर्ष की कामकाजी आयु वर्ग की महिलाएं बिना वेतन लिए घरेलू काम पर पुरुषों द्वारा 2.8 घंटे खर्च करने की तुलना में 7.2 घंटे बिताती हैं। इतना ही नहीं टाइम यूज सर्वे पर आधारित शोध में कहा गया हैं।

कि मजदूरी कर कमाने वाली महिलाएं घर की सफाई, भोजन तैयार करने और देखभाल करने जैसी बुनियादी जरूरतों को पूरा करने में मजदूरी कर कमाने वाले पुरुषों की तुलना में घरेलू काम पर दोगुना समय खर्च करती हैं।

भारतीय प्रबंधन संस्थान अहमदाबाद के प्रोफेसर नम्रता चिंदारकर ने बताया कि टाइम यूज डेटा: ए टूल फॉर जेंडर पॉलिसी एनालिसिस के जरिए पहली बार यह पता लग सका कि भारत में महिलाएं घरेलू काम पर कितना समय खर्च करती हैं। औसतन, भारतीय महिलाएं अपने दैनिक समय में से 7.2 घंटे खर्च करती हैं। ऐसे काम के लिए जबकि पुरुष 2.8 घंटे खर्च करते हैं आईआईएमए की प्रोफेसर नम्रता चिंदारकर ने पीटीआई को बताया।

प्रोफेसर चिंदारकर ने कहा लैंगिक असमानता की जांच करने के लिए एक उपकरण के रूप में यह रिसर्च काफी उपयोगी है। उन्होंने कहा कि यूरोप में किए गए हार्मोनाइज्ड टाइम यूज सर्वे पर आधारित अध्ययनों से पता चलता है कि टाइम यूज डेटा विभिन्न गतिविधियों में महिलाओं और पुरुषों के बीच समय के आवंटन को समझने में सहायक रहा है। चिंदारकर ने कहा कि ये अध्ययन विशेष रूप से पाते हैं कि, देशों में महिलाएं घर की बुनियादी जरूरतों जैसे सफाई, भोजन तैयार करने और देखभाल करने पर अधिक समय बिताती हैं।

प्रोफेसर चिंदारकर ने आगे कहा कि साल 2019 में भारत के लिए पहला राष्ट्रीय समय उपयोग सर्वेक्षण है (अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के अपवाद के साथ)। यह 24 घंटे की समय डायरी (अगले दिन सुबह 4 बजे से सुबह 4 बजे) का उपयोग करके डेटा एकत्र करता है। इसमें आगे पता चलता है कि मजदूरी कमाने वाली महिलाएं भी मजदूरी कमाने वाले पुरुषों की तुलना में अवैतनिक घरेलू काम पर दोगुना समय बिताती हैं।

इस अध्ययन में यह भी पता चला है कि महिलाओं की तुलना में पुरुष प्रति दिन लगभग 150 मिनट अधिक अपने रोजगार के लिए खर्च करते हैं।

प्रोफेसर चिंदारकर ने कहा हम पाते हैं कि पुरुषों की तुलना में महिलाओं के पास फुरसत का समय 24 फीसदी कम होता है। इसके विपरीत, हम पाते हैं कि वेतन-अर्जन करने वाले पुरुषों में वेतन-अर्जन करने वाली महिलाओं की तुलना में 72 प्रतिशत अधिक काम करने की संभावना है। यह प्रशंसनीय हो सकता है। शोध पत्र में कहा गया है कि पुरुषों और महिलाओं द्वारा की जाने वाली नौकरियों और व्यवसायों की प्रकृति में अंतर के कारण हो सकता है।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिका में ईवी कंपनियों में प्राइस वॉर: ईवी-पेट्रोल कारों के दाम जल्द ही बराबर हो जाएंगे

न्यूयॉर्क। अमेरिका में साल के अंत तक इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) और पेट्रोल कारों के दाम लगभग बराबर होने की संभावना है। अमेरिका में अभी औसत पेट्रोल कार से ईवी कार के दाम लगभग 15 लाख रुपए ज्यादा हैं। केली ब्लू बुक की रिपोर्ट के अनुसार, इसका आधार है साल की शुरुआत में तीन स्तरों में आए बदलाव, पहला- ईवी कार निर्माता कंपनियों में कॉम्पिटीशन के कारण प्राइस वॉर, दूसरा- सरकारी प्रोत्साहन और तीसरा- लीथियम के दामों में कमी। अमेरिका में अब फॉक्सवैगन, निसान और हुंदे भी ईवी सेक्टर में उतर आई हैं। इससे पहले से ईवी बना रही टेस्ला, जीएम और फोर्ड को चुनौती मिल रही है। अब सभी कंपनियां ग्राहकों को दामों में कटौती और डिलीवरी ऑन डिमांड से लुभा रही हैं। बाइडेन सरकार की ओर से महंगाई कटौती एक्ट लागू कर ईवी की खरीद पर लगभग 8 लाख रुपए तक टैक्स में छूट दी जा रही है। कार्स डॉट कॉम की जेनी न्यूमैन के अनुसार ईवी निर्माता कंपनियों को सरकार की ओर से इन्सेन्टिव के रूप में स्पेशल टैक्स रिबेट भी दी जा रही है।

जोमैटो ने देश के 225 शहरों में बंद की सर्विस: दिसंबर में खत्म तिमाही में कंपनी को 346.6 करोड़ रुपए का घाटा, लेकिन रेवेन्यू बढ़ा

नई दिल्ली। फूड डिलीवरी टेक कंपनी जोमैटो ने देश के 225 छोटे शहरों में अपनी सर्विस बंद कर दी है। कंपनी ने अपने घाटे को कम करने के लिए ऐसा किया है। ये वो शहर है जिसने दिसंबर तिमाही में कंपनी के ग्रॉस ऑर्डर वैल्यू में केवल 0.3प्रतिशत क्रॉन्ट्रीब्यूट किया। दिसंबर में खत्म तिमाही में कंपनी को 346.6 करोड़ रुपए का घाटा हुआ है। शुक्रवार को कंपनी ने अपनी तीसरी तिमाही नतीजे जारी किए हैं। 225 शहरों में सर्विस बंद करने पर कंपनी ने कहा, पिछली कुछ तिमाहियों में इन शहरों का परफॉर्मेंस अच्छा नहीं रहा। हालांकि, कंपनी ने प्रभावित शहरों का नाम नहीं बताया हैं। वहीं कंपनी ने अपने मुनाफे को बढ़ाने के लिए किए जा रहे उपायों के बारे में भी बात की।

अब भारत में ही बनेगी कार्ल गुस्ताफ राइफल, स्वीडन की कंपनी साब स्थापित करेगी निर्माण संयंत्र

नई दिल्ली। स्वीडन की रक्षा कंपनी साब ने शनिवार को घोषणा की है कि वह कार्ल-गुस्ताफ रिकॉइललेस राइफलों का निर्माण भारत में ही करेगा। कंपनी ने कहा है कि वह भारत में एक विनिर्माण संयंत्र स्थापित कर रही है जो भारतीय सशस्त्र बलों के लिए मैन-पोर्टेबल मल्टी-रोल हथियार प्रणाली के उत्पादन में मदद करेगी। साब इंडिया टेक्नोलॉजीज के चेयरमैन व प्रबंध निदेशक मैट्स पामबर्ग ने कहा कि साब भारतीय उप-आपूर्तिकर्ताओं के साथ भी साझेदारी करेगा और संयंत्र में विनिर्मित प्रणालियां मेक इन इंडिया की जरूरतों को पूरी तरह से पूरा करेंगी। उन्होंने कहा, हम रक्षा क्षमता के लिए भारत सरकार के आत्मनिर्भर दृष्टिकोण को सक्षम करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। इसके लिए साब भारत में कार्ल गुस्ताफ के लिए विनिर्माण सुविधा स्थापित करेगा। पामबर्ग ने कहा कि यह सुविधा भारतीय सशस्त्र बलों के लिए कार्ल-गुस्ताफ एम 4 के उत्पादन के साथ-साथ दुनिया भर में सिस्टम के उपयोगकर्ताओं के लिए घटकों का समर्थन करेगी। कंपनी के एक बयान में कहा गया है कि कार्ल-गुस्ताफ एम 4 एक मानव-पोर्टेबल बहु-भूमिका हथियार प्रणाली है।

यूपी में उद्योगों और उद्यमियों का भविष्य पूरी तरह सुरक्षित : पीयूष गोयल

लखनऊ।

यूपी में माफिया के साम्राज्य को खत्म कर राज्य में बदलाव की जो बयार चलाई है वो यकीन दिलाती है कि यूपी में उद्योगों और उद्यमियों का भविष्य पूरी तरह सुरक्षित है। भारत सरकार के कॉमर्स एंड इंडस्ट्री मिनिस्टर पीयूष गोयल रविवार को यूपीजीआईएस को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने प्रदेश में निवेश करने वाले निवेशकों और प्रदेश की जनता को भरोसा दिलाया कि यूपी और केंद्र की सरकारें मिलकर उनकी सेवा करती रहेंगी।

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि उत्तर प्रदेश में आकर अहसास हो रहा है कि यहां विकास की लहर बह रही है। योगी जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश चल पड़ा है। कोई ताकत इसे आगे बढ़ने से नहीं रोक सकती। ये योगी जी का मार्गदर्शन ही है कि एक्साइज विभाग का जो राजस्व 6 साल पहले तक 14 हजार करोड़ रहता था वो बढ़कर 42 हजार करोड़ पर पहुंच रहा है। प्रक्रिया सरल हो, कानून व्यवस्था दुरुस्त हो तो निवेश आता है, यह योगी जी ने साबित किया है।

उन्होंने कहा कि स्टार्ट अप इंडिया की रैंकिंग में भी यूपी एस्पायरिंग और एमर्जिंग इकोसिस्टम के बाद अब लीडर बन चुका है। 6 साल में यहां 8 हजार से ज्यादा स्टार्टअप खुल चुके हैं। नए-नए आइडियाज आ रहे हैं। स्टार्टअप के जरिए लिथियम के विकल्प पर काम किया जा रहा है। भारत सरकार फ्री ट्रेड के लिए प्रयासरत है। यूपी का इसमें महत्वपूर्ण रोल हो सकता है। यूपी में 32 अलग-अलग रॉ मैटेरियल की पहचान की है, जिससे वाइन बन सके। मैं सीएम योगी से कहूंगा कि अपना एक डेलीगेशन दुनिया भर में भेजें और वहां की टेक्नोलॉजी को यहां लाने का प्रयास करें। साथ ही जो पॉलिसीज विभाग ने बनाई हैं, उन्हें नेशनल सिंगल विंडो में भी एड करें, ताकि दूसरे राज्य इसका लाभ ले सकें। प्रदेश सरकार ने जिस तरह टैक्स की चोरी रोकी है, उत्पादन बढ़ाया है, उसका दूसरे राज्य भी अनुसरण करे। यूपी ने सिर्फ उत्पादन में नहीं बल्कि एक्सपोर्ट में भी बड़ी उपलब्धि हासिल की है। पहले यूपी 85 हजार करोड़ का एक्सपोर्ट करता था, जो अब 177 हजार करोड़ के पार हो गया है।

इससे पहले उत्तर प्रदेश सरकार के मिनिस्टर ऑफ स्टेट एक्साइज नितिन अग्रवाल ने कहा कि हमारा विभाग राजस्व बढ़ाने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है। यूपी के बजट में करीब 7 प्रतिशत एक्साइज विभाग का रहा है। हमने नई वाइन नीति को जारी किया और पहली बार इससे किसानों को जोड़ा गया है। लोकल फ्रूट के इस्तेमाल से वाइन इंडस्ट्री लगाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। निवेशकों के लिए सारी प्रक्रिया को ऑनलाइन कर दिया गया है।

वहीं, शुगर इंडस्ट्रीज और एक्साइज विभाग के अपर मुख्य सचिव संजय आर भूसरेड्डी ने कहा कि यूपी अकेला राज्य है जो देश का 14 से 15 प्रतिशत एथेनॉल ब्लेंड कर रहा है। पहले 400 करोड़ का फ्रूट जूस बर्बाद होता था, अब हम उसे एक्सपोर्ट कर रहे हैं। हम इंपोर्टिंग स्टेट से एक्सपोर्टिंग स्टेट में बदल चुके हैं। हमें समिट के माध्यम से 25 हजार करोड़ का निवेश जुटाने का लक्ष्य मिला था और हमने अब तक 32 हजार करोड़ के एमओयू किए हैं।

इस अवसर पर विभिन्न निवेशकों ने भी अपनी राय रखी। गोल्डेन ऑर्गेनिक फार्म प्रा. लि. के डायरेक्टर अनिल कुमार साहनी ने कहा कि फार्मिंग इंडस्ट्री लगाने में सरकार की नीतियों का लाभ मिला। इससे वाइन और दूसरे प्रोडक्ट्स बनाने में मददगार फ्रूट्स की पैदावार हो रही है।

वहीं, रेडिको खेतान के सीओओ अमर सिन्हा ने कहा कि उत्तर प्रदेश अब निवेश के लिए सबसे पसंदीदा गंतव्य बन गया है। यहां 30 दिन में इंडस्ट्री सेटअप करने के लिए लाइसेंस मिल जाता है। सारी प्रक्रिया ऑनलाइन ही हो जाती है। हम 600 करोड़ के निवेश से 4 लाख लीटर प्रतिदिन उत्पादन वाली सबसे बड़ी यूनिट उत्तर प्रदेश में लगाने जा रहे हैं।

इसी तरह वैलॉप ब्रूइंग प्रा. लि. के एमडी विनीत चोपड़ा ने बताया कि उनके बेटे ने भी यूपी में बियर यूनिट लगाने के लिए एमओयू किया है।

देश में बेहतर लॉजिस्टिक इकोसिस्टम बनाने में निजी क्षेत्र की बड़ी भूमिका : अनुप्रिया पटेल

लखनऊ।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने लॉजिस्टिक खर्च को कम करने के राष्ट्रीय लक्ष्य की सफलता में उत्तर प्रदेश के प्रयासों की सराहना की है। केंद्रीय मंत्री ने कहा है कि देश में बेहतर लॉजिस्टिक इकोसिस्टम बनाने में निजी क्षेत्र की बड़ी भूमिका है। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के तीसरे दिन रविवार को भारत का उभरता हुआ वेयरहाउसिंग और लॉजिस्टक हब उत्तर प्रदेश विषयक सत्र में केंद्रीय मंत्री ने बताया कि वर्तमान में देश में लॉजिस्टिक लागत सकल घरेलू उत्पाद का 14 प्रतिशत है, जिसमें वर्ष 2030 तक लगभग 8 प्रतिशत तक की कमी लाने का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने के नाते भारत का लक्ष्य वर्ष 2030 तक लॉजिस्टिक्स परफॉर्मेंस इंडेक्स में शीर्ष 10 में शामिल होना है। देश के सबसे बड़े राज्य यूपी की सरकार, जिस तरह वेयरहाउसिंग और लॉजिस्टिक्स इंफ्रस्ट्रक्च र को बेहतर कर रही है, उससे हमें अपने लक्ष्य में निश्चित ही सफलता मिलेगी।

उन्होंने कहा कि केंद्र व राज्य की सरकार एक इकाई के रूप में काम कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के अनुरूप उत्तर प्रदेश सरकार की नई वेयरहाउसिंग और लॉजिस्टिक नीति निजी क्षेत्र को प्रोत्सहित करने वाली है। प्राइवेट सेक्टर को इसका अधिकाधिक लाभ लेना चाहिए।

विशेष सत्र में केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री सोम प्रकाश ने भी अपने विचार रखे। लॉजिस्टिक सेक्टर की चुनौतियों की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि लॉजिस्टिक लागत को कम करना उद्योग जगत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके लिए नीतिगत प्रयास किए जा रहे हैं। अमेरिका, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर और कुछ यूरोपीय देशों में लॉजिस्टिक्स लागत जीडीपी अनुपात से बहुत कम है। सरकार का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि लॉजिस्टिक मुद्दों को कम-से-कम किया जाए, निर्यात कई गुना बढ़े और छोटे उद्योगों एवं उनमें काम करने वाले लोगों को अधिक लाभ मिले।

यूपी सरकार की नई लॉजिस्टिक नीति की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि यह नीति इस क्षेत्र को देश में एक एकीकृत, लागत-कुशल, लचीला तथा सतत लॉजिस्टिक परितंत्र बनाने में मदद करेगी क्योंकि यह नियमों को सुव्यवस्थित करने व आपूर्ति-पक्ष की बाधाओं को दूर करने के साथ-साथ क्षेत्र के सभी बुनियादों को कवर करती है।

केंद्रीय मंत्री सोम प्रकाश ने योगी सरकार की नीतियों की सराहना करते हुए कहा कि एक समय था जब लोग यूपी से पंजाब नौकरी करने जाते थे, आज पांच-छह साल में योगी सरकार ने ऐसा काम दिया है कि दूसरे प्रदेशों के लोग यूपी के शानदार बदलाव को देखने आते हैं।

भारतीय बाजार से विदेशी निवेशकों की निकासी जारी, फरवरी में अब तक निकाल चुके हैं 9600 करोड़

नई दिल्ली।

भारतीय शेयर बाजार से विदेश निवेशकों को निकासी लगातार जारी है। रिपोर्ट के मुताबिक, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) इस महीने फरवरी में अब तक 9600 करोड़ रुपये से अधिक की निकासी कर चुके हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि अन्य उभरते बाजारों की तुलना में भारतीय इक्विटी बाजार के ऊंचे मूल्यांकन को देखते हुए विदेशी निवेशक निकासी कर रहे हैं।

आंकड़ों के मुताबिक, एफपीआई ने जनवरी में भी 28,852 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की थी। यह पिछले सात महीनों में सबसे अधिक निकासी थी। वहीं, एक से 10 फरवरी के बीच भारतीय शेयर बाजार से शुद्ध रूप से 9,672 करोड़ रुपये की निकासी की गई है।

नवंबर-दिसंबर में किया था निवेश

विदेशी निवेशकों ने दिसंबर 2022 में 11,119 करोड़ रुपये और नवंबर में 36,238 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश भारतीय बाजार में किया था। कोटक सिक्योरिटीज के श्रीकांत चौहान का कहना है कि केंद्रीय बैंकों के ब्याज दर में वृद्धि का सिलसिला जारी रखने से आगे भी एफपीआई द्वारा निकासी जारी रहने की आशंका है। वहीं, मॉर्निंगस्टार इंडिया के सह निदेशक हिमांशु श्रीवास्तव ने बताया, पूंजी निकासी की यह प्रवृत्ति तब तक जारी रहेगी जब तक अदाणी मामले पर अधिक स्पष्टता नहीं आती है, बाजार में अधिक स्थिरता आती है और एफपीआई को भारतीय अर्थव्यवस्था में सुधार के अधिक ठोस संकेत नजर आते हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय बाजारों का तुलनात्मक रूप से अधिक मूल्यांकन होना भी विदेशी पूंजी की इस निकासी का एक प्रमुख कारण है।

ताइवान, द.कोरिया में लग रही पूंजी

बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि भारतीय बाजारों से निकाली गई पूंजी को ताइवान, दक्षिण कोरिया और जापान जैसे बाजारों में लगाया जा रहा है। चीन में सख्त लॉकडाउन हटाने के बाद फिर से विदेशी निवेशकों उसकी तरफ आकर्षित हो रहे हैं।

रिकार्ड बजट मिलने से उत्साह में रेलवे, 300 वंदे मेट्रो और 35 हाइड्रोजन ट्रेन खरीदने की तैयारी

नई दिल्ली।

केंद्रीय बजट में रिकॉर्ड बजट आवंटन मिलने के बाद रेल मंत्रालय उत्साह में नज़र आ रहा है। रेलवे ने आगामी वित्तीय वर्ष में 3.14 लाख करोड़ डॉलर के नए रोलिंग स्टॉक (इंजन और डिब्बे हासिल करने की योजना बनाई है। यह रेलवे के वार्षिक रोलिंग स्टॉक कार्यक्रम 2023-23 (वित्त वर्ष 24) के तहत प्राप्त किया जाएगा। रेलवे की वित्त वर्ष 2024 में 300 वंदे मेट्रो ट्रेन, 1000 आठ डिब्बे वाली वंदे भारत ट्रेन, 35 हाइड्रोजन ट्रेन और माल ढुलाई बढ़ाने के लिए इंजन सहित अन्य को हासिल करने की तैयारी है। रेलवे मंत्रालय से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, वित्त वर्ष 2024 में प्राथमिक संपत्ति को हासिल करने की लागत 1.9 लाख करोड़ रुपये के करीब आएगी। लेकिन अत्यधिक व्यय वाली योजनाओं को सामान्य तरीके से आगे बढ़ाया गया है। दरअसल, रेलवे का 2024 में महंगी योजनाओं जैसे वंदे भारत और हाइड्रोजन ट्रेन को संचालित करना पहली प्राथमिकता है। इन योजनाओं के निविदाएं जारी होने और ठेके दिए जाने के बीच अगले वित्त वर्ष में रोलिंग स्टॉक की इन नई परिसंपत्तियों पर शुद्ध पूंजीगत व्यय करीब 47,000 करोड़ रुपये होने की उम्मीद है। कोविड-19 के दौरान यात्रियों की संख्या कमी होने के कारण रेलवे का ध्येय मुख्यतौर पर माल ढुलाई पर था। लेकिन अब इसने फिर मुसाफिरों की सुविधाओं व आराम पर ध्यान देना शुरू कर दिया है। रेलवे को 1000 आठ कोच वाली वंदे भारत ट्रेन खरीदने की लागत 65,000 करोड़ रुपये आएगी। इसमें बजटीय कोष से आवंटित 35,000 करोड़ रुपये ट्रांसपोर्टर से मिलने की उम्मीद है। जबकि 30,000 करोड़ रुपये ऋण के जरिए जुटाए जाएंगे।

टैक्स छूट के साथ मिलेगा ज्यादा ब्याज

फिक्स्ड डिपॉजिट और नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट सहित पोस्ट ऑफिस की इन 5 स्कीम्स में लगाएं पैसा

नई दिल्ली।

हाल ही में एक्सिस, आईसीआईसीआई और केनरा बैंक सहित कई बैंकों ने फिक्स्ड डिपॉजिट पर मिलने वाले ब्याज में बढ़ोतरी की है। हालांकि इसके बाद भी पोस्ट ऑफिस की कई योजनाएं ऐसी हैं जिनमें आपको फिक्स्ड डिपॉजिट से ज्यादा ब्याज के साथ इनकम टैक्स छूट का फायदा भी मिल रहा है। इनकम टैक्स एक्ट के सेक्शन 80सी के तहत पोस्ट ऑफिस की इन योजनाओं में निवेश करके आप 1.5 लाख रुपए तक की रकम पर टैक्स बचा सकते हैं। आज हम आपको पोस्ट ऑफिस द्वारा संचालित ऐसी ही 5 स्कीम्स के बारे में बता रहे हैं जिनमें आपको बेहतर रिटर्न के साथ इनकम टैक्स छूट का लाभ भी मिलेगा।

योजना में सालाना 8प्रतिशत की ब्याज दर मिल रही है। 60 साल या उससे अधिक आयु के बाद अकाउंट खोला जा सकता है। वीआरएस लेने वाला व्यक्ति जो 55 वर्ष से अधिक लेकिन 60 वर्ष से कम है वो भी इस अकाउंट को खोल सकता है। स्कीम के तहत 5 साल के लिए पैसा निवेश किया जा सकता है। मैच्योरिटी के बाद इस स्कीम को 3 साल के लिए बढ़ाया जा सकता है। योजना के तहत आप अधिकतम 15 लाख रुपए तक का निवेश कर सकते हैं।

सुकन्या समृद्धि योजना - इसके तहत अकाउंट किसी बच्ची के जन्म लेने के बाद 10 साल की उम्र से पहले ही खोला जा सकता है। आप केवल 250 रुपए में ये खाता खुलवा सकते हैं। इसमें सालाना 7.6प्रतिशत की दर से ब्याज दिया जा रहा है जो फिक्स्ड डिपॉजिट से ज्यादा है। चालू वित्त वर्ष में सुकन्या समृद्धि योजना के तहत अधिकतम 1.5 लाख रुपए जमा कराए जा सकते हैं। अकाउंट किसी पोस्ट ऑफिस या बैंक की अधिकृत शाखा में खोला जा सकता है।

पब्लिक प्रॉविडेंट फंड - पोस्ट ऑफिस पब्लिक प्रॉविडेंट फंड खातों में जमा राशि पर फिलहाल 7.1प्रतिशत ब्याज मिल रहा है। जमा पर ब्याज कैलकुलेशन सालाना आधार पर किया जाता हैं, जिसका अर्थ है कि इसे हर साल मूलधन में जोड़ा जाता है। फिक्स्ड डिपॉजिट छूट की ईईई कैटेगरी के अंतर्गत आता है। इसका मतलब यह है कि रिटर्न, मैच्योरिटी राशि और ब्याज से इनकम पर इनकम टैक्स छूट मिलती है। यह अकाउंट 15 साल के लिए खोल सकते हैं, जिसे आगे 5 साल के लिए बढ़ाया जा सकता है। फिक्स्ड डिपॉजिट में मिनिमम 500 रुपए से अकाउंट खुलवाया जा सकता है। इसमें एक फाइनेंशियल में कम से कम 500 रुपए निवेश करना जरूरी है। इस स्कीम के तहत आप एक साल में अकाउंट में अधिकतम 1.5 लाख रुपए निवेश कर सकते हैं।

नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट - पोस्ट ऑफिस नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट में निवेश पर 7प्रतिशत सालाना ब्याज मिल रहा है। इसमें ब्याज की गणना सालाना आधार पर होती है, लेकिन ब्याज की राशि निवेश की अवधि होने पर ही दी जाती है। एनएससी अकाउंट खुलवाने के लिए आपको न्यूनतम 1000 रुपए निवेश करना होगा। आप एनएससी में कितनी भी रकम निवेश कर सकते हैं। इसमें निवेश की कोई अधिकतम सीमा नहीं है।

टाइम डिपॉजिट स्कीम - यह एक तरह की फिक्स डिपॉजिट है। इसमें एक तय अवधि के लिए एकमुश्त पैसा निवेश करके आप निश्चित रिटर्न और ब्याज भुगतान का फायदा ले सकते हैं। पोस्ट ऑफिस टाइम डिपॉजिट अकाउंट 1 से 5 साल तक की अवधि के लिए 5.5 से 7प्रतिशत तक ब्याज दर की पेशकश करता है। भारतीय डाक की आधिकारिक वेबसाइट के मुताबिक 5 साल की सावधि जमा के तहत निवेश करने पर 80सी के तहत टैक्स छूट का फायदा ले सकते हैं। 5 साल के लिए टाइम डिपॉजिट में जमा करने पर आपको सालाना 7प्रतिशत के हिसाब से ब्याज मिलेगा।

जियो के नए सुपर एप पर देखने को मिलेगी फिल्में

- एप आईपीएल 2023 के साथ लांच होने की तैयारी में

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड स्टार ऋतिक रोशन और सैफ अली खान की विक्रम वेधा और वरुण धवन की भेडिय़ा अब जियो के नए सुपर एप पर देखने को मिलेगी, जो आईपीएल 2023 के साथ लांच होने की तैयारी में है। ऋतिक रोशन और वरुण धवन की यह फिल्में बॉक्स ऑफिस पर असफल साबित हुई थी। निमार्ता इन फिल्मों से हुए नुकसान की भरपाई करने के लिए ओटीटी प्लेटफार्म से ज्यादा कीमत मांग रहे थे, जो उन्हें मिल नहीं पा रही थी। प्राप्त समाचारों के अनुसार अब ये डील हो चुकी है और इसके राइट्स करोड़ों में बिके हैं। कहा जा रहा है कि इस ऐप को आईपीएल 2023 के शुरू होने के कुछ हफ्ते पहले लॉन्च किया जाएगा। इस ऐप में आईपीएल 2023 की फ्री स्ट्रीमिंग होगी, लेकिन फिल्म देखने के लिए लोगों को हर महीने इसका सब्सक्रिप्शन लेना पड़ेगा। एक सूत्र ने कहा, इस नए ओटीटी ऐप को लेकर तैयारियां हो रही हैं। विक्रम वेधा और भेडिय़ा को ही नहीं बल्कि कई और फिल्मों को भी इस पर प्रीमियर करने का विचार हो रहा है। प्लान के मुताबिक हर हफ्ते एक फिल्म का प्रीमियर होगा। इनमें से कुछ थिएट्रिकल रिलीज हैं, वहीं इनमें से कुछ को सीधे ओटीटी रिलीज मिलेगी। इस ऐप के लॉन्च के समय इन सभी फिल्मों की लिस्ट सामने आएगी। विक्रम वेधा में एक गैंगस्टर और पुलिस वाले के बीच के थ्रिल से भरे गेम को दिखाया गया है। यह फिल्म साउथ फिल्म विक्रम वेधा की ऑफिशियल हिंदी रीमेक है। इस फिल्म का बजट 180 करोड़ था, हालांकि इसने मात्र 78.66 करोड़ की ही कमाई की थी। अमर कौशिक के निर्देशन में बनी भेडिय़ा भारत की पहली क्रीचर कॉमेडी फिल्म है। इसमें वरुण धवन और कृति सेनन लीड रोल में हैं। इसके अलावा इसमें दीपक डोबरियाल और अभिषेक बनर्जी भी अहम भूमिका में हैं। 60 करोड़ के बजट में बनी इस फिल्म ने 66.65 करोड़ की कमाई की थी। बता दें कि लम्बे समय से ओटीटी प्लेटफार्म के दर्शकों को ऋतिक रोशन और सैफ अली खान की विक्रम वेधा और वरुण धवन की भेडिय़ा के ओटीटी प्लेटफार्म पर आने का इंतजार था, लेकिन यह फिल्में किसी भी ओटीटी प्लेटफार्म-प्राइम वीडियो, डिज्जी प्लस हॉटस्टार, जी5 या नेटफ्लिक्स को नहीं मिल पाई थी।

अपकमिंग सीरीज फर्जी की रिलीज की तैयारी में शाहिद

-शाहिद ने किया विजय सेतुपति के साथ काम

मुंबई (ईएमएस)। पहली बार बॉलीवुड एक्टर शाहिद कपूर ने अपकमिंग सीरीज फर्जी में साउथ इंडस्ट्री के लोकप्रिय स्टार विजय सेतुपति के साथ काम किया। इस बारे में एक्टर ने कहा कि उन्हें विजय सेतुपति बेहद मासूम लगे। शाहिद ने कहाः वह जिस तरह से सामने आते हैं, वह बहुत ही बच्चों जैसा और मासूम है। एक एक्टर के रूप में उनमें बहुत ईमानदारी है, और वह एक अभिनेता के रूप में भी अप्रत्याशित है। वह एक प्योर आर्टिस्ट है। जब आप उनके साथ काम करेंगे, तो आप इन सब चीजों को महसूस कर पाएंगे। उनके साथ काम करने में एक अलग खुशी थी। किसी एक फिल्म का नाम लेने पर, जो वह हर किसी को दिखाना चाहते हैं, इस पर शाहिद ने कहा, जाने भी दो यारो एक ऐसी फिल्म है जिसे मैं चाहता हूं कि हर कोई देखे। इसमें पापा (पंकज कपूर), नसीर अंकल, सतीश कौशिक जी और कुछ शानदार कलाकार है। मुझे नहीं पता कि कितने लोगों ने इसे देखा है। इसमें एक अभिनेता के रूप में विधु विनोद चोपड़ा भी है। वे सभी दोस्तों का एक समूह थे, जो एक साथ आए और इसे बनाया। कुंदन शाह ने इसे निर्देशित किया था। यह मैंने देखी और मुझे सबसे मजेदार फिल्मों में से एक लगी। यह

फिल्म मुझे कभी भी हंसा सकती है। यदि आप एक मजेदार समय बिताना चाहते हैं, तो बस इसे देखें, यह बढ़िया है। फर्जी की स्ट्रीमिंग को लेकर, शाहिद ने कहा, मैं शो से बहुत खुश हूं। जब आप अपने काम को लेकर संतुष्ट महसूस करते हैं, तो आप बहुत सारी घबराहटों से दूर हो जाते है। मैं इसे लोगों के साथ साझा करने के लिए काफी उत्साहित हूं। मैं पहली बार डिजिटल प्लेटफॉर्म पर हूं और यह लोगों की प्रतिक्रिया जानने के लिए बेसूब्री से इंतजार कर रहा हूं। शाहिद ने 20 साल पहले हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू किया था।

भारत के असली हीरो सोनू सूद!

- एक्टर बोले- मैं इसके लायक नहीं

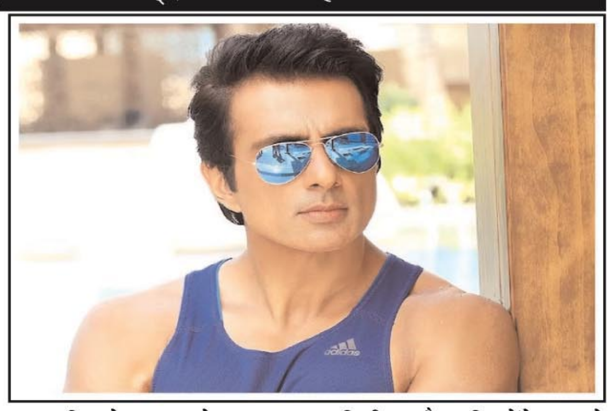

मुंबई (ईएमएस)। फैंस द्वारा अपना मंदिर बनाने को लेकर बॉलीवुड एक्टर सोनू सूद ने कहा कि मैं इसके लायक नहीं हूं। एक्टर ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे बहुत सम्मानित महसूस कर रहे हैं। एक्टर के सम्मान में तेलंगाना की सीमा पर एक और मंदिर बनाया गया। इस बारे में सोनू सूद ने कहा, हां, अभी अभी एक और मंदिर के बारे में पता चला, जो आंध्र और तेलंगाना की सीमा पर बना है। यह चौथा मंदिर है। इसस पहले तेलंगाना, आंध्र और एक चेन्नई में मंदिर बनाया गया। मैं वास्तव में सम्मानित महसूस कर रहा हूं, मेरे पास कहने के लिए शब्द नहीं हैं। मैं वास्तव में आभारी हूं कि लोग मुझे इतना प्यार करते हैं, लेकिन मैं यह भी कहना चाहता हूं कि मैं इसके लिए पूरी तरह से योग्य नहीं हूं।मैं हमेशा कहानियों या किताबों में पढ़ता था और कभी-कभी खबरों पर भी कि लोग इतना प्यार करते थे। कभी नहीं सोचा था कि मुझे भी इतना प्यार दिया जाएगा, मैं बस हर एक व्यक्ति को धन्यवाद देना चाहता हूं और वे लोग जो मेरा मंदिर बना रहे हैं, अगर कुछ स्कूल और अस्पताल बना सकते हैं जो लोगों को शिक्षा और जरूरतमंदों का इलाज देने में मदद करेगा, इस ओर भी अपना कदम बढ़ाए। वर्कफ्रंट की बात करें तो, सोनू जल्द ही फतेह में दिखाई देंगे, जो वास्तविक जीवन की घटनाओं से प्रेरित है और इसमें हाई-ऑक्टेन एक्शन सीक्वेंस होंगे। एक्शन-थ्रिलर अभिनंदन गुप्ता द्वारा अभिनीत है, जिन्होंने पहले बाजीराव मस्तानी और शमशेरा जैसी फिल्मों में सहायक निर्देशक के रूप में काम किया था। फतेह के बाद वह दूसरी फिल्म किसान पर काम शुरू करेंगे। बता दें कि सेलिब्रिटी पैपराजी विरल भयानी द्वारा साझा किए गए एक वीडियो में सोनू सूद की एक मूर्ति दिखाई दे रही है, जिस्के पीछे एक बैनर लगा हुआ है, इस पर लिखा हुआ है, भारत के असली हीरो सोनू सूद मंदिर।

वैलेंटाइन्स डे पर भारत के 37 शहरों में रिलीज होगी डीडीएलजे

बॉलीवुड स्टार शाहरुख खान और काजोल की ब्लॉकबस्टर फिल्म दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे वैलेंटाइन्स डे पर बड़े पैमाने पर रिलीज होने के लिए तैयार है। वाईआरएफ के वाइस प्रेजिडेंट रोहन मल्होत्रा ने कहा, सिनेमा के इतिहास में सबसे लंबे समय तक चलने वाली फिल्म दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे (डीडीएलजे) भारत और भारतीयों के लिए रोमांस का सिम्बल है। इस साल, वैलेंटाइन्स डे के मौके पर, हम उनकी इच्छा पूरी कर रहे हैं। डीडीएलजे को पूरे भारत में 10 फरवरी से केवल एक सप्ताह की अवधि के लिए प्रदर्शित किया जाएगा! डीडीएलजे मुंबई, पुणे, अहमदाबाद, सूरत, वडोदरा, गुड़गांव, फरीदाबाद, लखनऊ, नोएडा, देहरादून, दिल्ली, चंडीगढ़, कोलकाता, गुवाहाटी, बेंगलुरु, हैदराबाद, इंदौर, चेन्नई, वेल्लोर, त्रिविंद्रम समेत भारत के 37 शहरों में रिलीज होगी। रोहन ने कहाः वाईआरएफऔर शाहरुख खान भारतीय सिनेमा में सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर फिल्म देने के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने भारतीय फिल्म उद्योग को फिर से परिभाषित किया है और इनका स्थायी सांस्कृतिक प्रभाव रहा है।

क्राइम रिपोर्टर्स से हुई यामी की मुलाकात

-फिल्म में क्राइम रिपोर्टर की भूमिका निभा रही यामी

मुंबई (ईएमएस)। बॉलीवुड एक्ट्रेस यामी गौतम धर ने फिल्म लॉस्ट की शूटिंग के दौरान क्राइम रिपोर्टर्स से मुलाकात की ताकि उनके काम के बारे में अच्छी तरह से समझ सके। फिल्म लॉस्ट में यामी क्राइम रिपोर्टर की भूमिका निभा रही है। लॉस्ट 16 फरवरी को ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर रिलीज होने के लिए तैयार है। इस फिल्म में यामी एक कहानी की तलाश में अपराध रिपोर्टर की भूमिका निभा रही है। अभिनेत्री ने बताया, शूटिंग से पहले मैं किसी क्राइम जर्नलिस्ट से नहीं मिली थी, लेकिन हां, शूटिंग के दौरान मैं उनसे मिली थी और वे काफी सीनियर थे। वे बहुत दयालु थे।उनसे मिलकर खुशी हुई क्योंकि अगर उन्होंने मुझे नहीं बताया होता कि वह कौन हैं, तो मैं उनके महत्वपूर्ण काम को कभी नहीं जान पाती। मुझे उनकी पृष्ठभूमि का पता नहीं चलता। वह बेहद गर्म स्वभाव के थे। उन्होंने हमें शूट और प्रदर्शन करते हुए देखा। उन्होंने हमें शूट और परफॉर्म करते देखा। भूमिका की तैयारी करते समय मेरे दिमाग में कोई विशेष पत्रकार नहीं था। उन्होंने कहा, सिनेमा का लोगों पर बड़ा प्रभाव है, यही वजह है कि इसे दुनिया में सबसे पसंदीदा और सम्मानित पेशों में से एक माना जाता है। यह आपके भीतर भावनाओं को जगाने का प्रबंधन करता है। इसमें एक दर्शक के रूप में आपका मनोरंजन करने और आपको बांधे रखने की क्षमता है और इसे ही मैं सफलता कहती हूं। मुझे उम्मीद है कि लॉस्ट दर्शकों को उस तरह का अनुभव दे सकती है। अभिनेत्री ने यह भी साझा किया कि उन्हें क्यों लगता है कि सिनेमा दुनिया के सबसे सम्मानित व्यवसायों में से एक है।

कजिन्स के साथ खेलती दिखी प्रियंका की लाडली

प्रियंका चोपड़ा और निक जोनास की बेटी का एक नया वीडियो ऑनलाइन सामने आया है, जिसमें मालती निक के बड़े भाई केविन और उनकी पत्नी डेनियल जोनास की बेटियों अलीना और वेलेंटीना के साथ खेलती हुई दिखाई दे रही है। इंस्टाग्राम पर एक फैन पेज पर शेयर किए गए वीडियो में, मालती मैरी चोपड़ा जोनास अपने चचेरे भाइयों और प्रियंका के एक दोस्त की बेटी के साथ खेलती नजर आ रहीं हैं। शॉर्ट क्लिप में मालती के खिलौने के साथ खेलते हुए उन्हें मुस्कुराते हुए देखा गया। हालांकी, क्लिप में मालती का चेहरा नहीं दिख रहा। निक जोनास के भाई जो जोनास और उनकी पत्नी, सोफी टर्नर, दो बेटियों के माता-पिता हैं। उन्होंने 2020 में अपनी पहली बेटी विला का स्वागत किया, उसके बाद उनकी छोटी बहन, जो 2022 में पैदा हुई। सोफी और जो की बेटियों को पिछले महीने हॉलीवुड वॉक ऑफ फेम समारोह में नहीं देखा गया था। प्रियंका और निक अक्सर अपनी बेटी की तस्वीरें शेयर करते हैं, लेकिन आमतौर पर मालती के चेहरे को छिपा कर रखते हैं।

दर्शकों को एक्शन से भरपूर 'अंडरवर्ल्ड का कब्जा' का बेसब्री से इंतजार

फिल्म 'अंडरवर्ल्ड का कब्जा' का टीजर जारी होने के बाद से दर्शकों को इस एक्शन से भरपूर फिल्म का बेसब्री से इंतजार है। यह फिल्म निर्देशक आर चंद्रू और उपेंद्र की शानदार साझेदारी का प्रतीक है। फिल्म 'अंडरवर्ल्ड का कब्जा' की पैन-इंडिया रिलीज को प्रशंसकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। फिल्म 'अंडरवर्ल्ड का कब्जा' के साथ प्रसिद्ध निमार्ता आनंद पंडित दक्षिण फिल्म उद्योग में पदार्पण करेंगे। आर. चंदू के साथ अपने जुड़ाव के बारे में बताते हुए आनंद पंडित कहते हैं, मैंने हमेशा से ही चंदू के काम की प्रशंसा की है। उनका विजन अनुकरणीय है। वह बेहतरीन कहानियों को लेकर आते हैं और इसलिए जब मैंने अंडरवर्ल्ड का कब्जा फिल्म की कहानी सुनी, तो मुझे यकीन हो गया कि यह फिल्म आम जनता के लिए बनाई गई है। मुझे सर्वश्रेष्ठ आर. चंद्रा द्वारा निर्देशित इस कहानी का हिस्सा बनना चाहिए। मुझे पूरा विश्वास है कि अंडरवर्ल्ड का कब्जा को दर्शकों का भरपूर प्यार मिलेगा। 'अंडरवर्ल्ड का कब्जा' में उपेंद्र, किच्छा सुदीपा और श्रिया सरन जैसे प्रसिद्ध कलाकार प्रमुख भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म 17 मार्च को हिंदी, कन्नड़, तमिल, तेलुगु और मलयालम में रिलीज होने के लिए पूरी तरह से तैयार है। श्री सिद्धेश्वर एंटरप्राइजेज और अलंकार पांडियन के सहयोग से आनंद पंडित मोशन पिक्चर्स द्वारा निर्मित इस फिल्म को आर. चंद्रू ने निर्देशित किया है।

कपड़े सुखाने वाली क्लिप से उर्फी ने बनाया अपना बोल्ड आउटफिट

उर्फी जावेद किसी भी चीज से ड्रेस बना सकती हैं। समय-समय पर उर्फी ने करके दिखाया है। लेकिन कई बार उर्फी खुद भी अपना आउटफिट तैयार करती हैं। लोग जिन चीजों के बारे में कल्पना भी नहीं कर सकते उर्फी उससे नया ड्रेस बनाकर आ जाती हैं। शनिवार को उन्होंने नया वीडियो शेयर किया जिसमें उन्होंने कपड़े सुखाने वाली क्लिप से अपना बोल्ड आउटफिट बना लिया। उर्फी कपड़े सुखाने वाले एक स्टैंड के पास खड़ी होती हैं। स्टैंड पर कई कपड़े सूखने के लिए लगे हैं। उर्फी एक क्लिप निकालती हैं और उस कैमरे की ओर दिखाती हैं। वह स्टैंड से एक कपड़ा लेकर साइड में फेंकती हैं और फिर वह अपने नए लुक में दिखती हैं। उन्होंने ढेर सारी क्लिप से अपनी शॉर्ट ड्रेस बनाई। बेज कलर के आउटफिट के साथ उन्होंने मैचिंग हील्स पहने हैं और बालों का पोनी बनाया है।

साल 2012 बहुत अच्छा साल नहीं था श्रुति के लिए

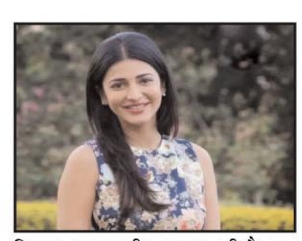

साउथ की अभिनेत्री-गायिका श्रुति हासन ने सोशल मीडिया के माध्यम से अपने फॉलोअर्स के साथ 2012 के बाद की अनिश्चितताओं को साझा किया। अपने इंस्टाग्राम पर श्रुति हासन ने 2012 की अपनी एक तस्वीर पोस्ट की और साझा किया कि यह वर्ष उनके लिए व्यक्तिगत रूप से उतना अच्छा नहीं था और उन्हें नहीं पता था कि पेशेवर रूप से भी उनके लिए चीजें बदलने वाली थीं। तस्वीर को शेयर करते हुए श्रुति ने कैप्शन में लिखा, यह तस्वीर 2012 की है, यह मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से बहुत अच्छा साल नहीं था और मुझे क्या पता था कि पेशेवर रूप से मेरे लिए चीजें बदलने वाली थीं.. मैं अपने उस संस्करण को देखती हूं और मेरी इच्छा है कि मैं उस समय पर वापस जा सकूं और उसे गले लगा सकूं और उसे दिखा सकूं कि आखिर वह कहां खत्म होगी। आगे लिखा, मैं उसे बताना चाहती हूं कि लोग हमेशा बेकार की बातें करेंगे और यह कि हवा में लगातार बनावटीपन की तेज हवा चल रही है। वह निरंतर सीखने के लिए आभारी महसूस करती है कि जीवन ने उसे विषम गेंदों के रूप में फेंक दिया है।

सूडोकु नवताल- 6341

★★★✯☆ मध्यम

7	4	6		1		8		2
	5		8		7			
9				6				
	6		7	9		5		3
5				4				1
3		1		8	2		7	
				5				6
			4		3		9	
4		3		2		1	5	7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6340 का हल

8	7	9	4	2	5	6	1	3
5	6	3	8	1	7	4	2	9
4	1	2	6	9	3	5	8	7
1	9	8	3	7	4	2	6	5
7	3	4	2	5	6	8	9	1
2	5	6	1	8	9	7	3	4
9	8	5	7	3	2	1	4	6
6	2	7	9	4	1	3	5	8
3	4	1	5	6	8	9	7	2

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल- 7088

शब्दजाल में 'दुनिया की प्राचीन 10 सभ्यताए' ढूंढिए.शब्द ऊपर से नीचे,दाएं से बाएं एवं तिरछे हो सकते हैं

मिस्र, मेसोपोटामिया, सुमेरियन, असीरिया, यूनान, बेबीलोनिया, रोम, चीन, सिंधु घाटी, वैदिक

अ	ज	प	रे	दा	मि	ज	ब	न	र	ट
दा	रा	यू	न	आ	स्र	वै	द	इ	ह	मे
सिं	व	ना	पू	ग	खा	थ	दि	ग	क	सो
धु	ची	न	ते	र्व	ज	का	म	क	त	पो
घा	त	र	दा	री	लं	ग	गो	ग	व	टा
टी	अ	म	सु	य	अ	पू	न	रो	र	मि
ती	जं	सी	मे	हि	प	नु	श	म	ज	या
क	ल	ग	रि	वि	व	नी	प	ल	न	ण
ने	ब	म	य	या	चि	त्या	री	म	प	क
ज	ग	त	न	ज	ज	त्र	दा	जी	र्य	त
बे	बी	लो	नि	या	ल	ज	र	वा	त	थ

शब्दजाल - 7087 का हल

श	रा	अ	र	क्षा	बं	ध	न	झ	क	श
ना	वै	र	ह	र	म	त	द	हो	ली	त
ग	र	शा	झ	श	शि	हो	र	ल	ल	त्रा
पं	म	द	खी	श	मी	डो	शि	श	रा	क
च	र	द	ष	व	मि	री	श	व	र	ट
मी	ह	प	न	पे	पू	ह	न	शि	रा	ती
शं	र	म	अं	प	स	थ	दी	ल	विं	त्रि
ब	रा	व	ल	ध	ड़	क	पा	कां	ज	दू
ग	ण	गौ	र	जी	ल	ड़ी	व	गो	र	द
र	ल	प	चा	गें	ब	ल	ली	री	रु	थो
ग	णे	श	च	तु	र्थी	ब	श	त्रु	घ्न	ट

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6041

1	2		4		6	
	21	1	36		39	
3		4			1	2
	36		30		26	
5	6		1	2		4
	48	6	32		22	
			4		2	1

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6040 का हल

1	6	7	3	4	2	5
6	32	2	31	3	32	1
2	3	5	1	6	7	4
4	27	4	26	1	39	6
5	1	3	4	2	6	7
7	33	6	32	7	38	3
3	7	1	4	5	6	2

Jagrutidaur.com, Bangalore

दिल्ली टेस्ट से बाहर हो सकते हैं वार्नर : पहले टेस्ट में स्पिनर्स के सामने हुए परेशान ; तीन स्पिनरों के साथ उतर सकता है ऑस्ट्रेलिया

नई दिल्ली ।

नागपुर टेस्ट में 132 रनों और पारी की मिली हार से परेशान ऑस्ट्रेलियाई टीम दिल्ली टेस्ट में प्लेइंग इलेवन में बदलाव कर सकता है। चार टेस्ट मैचों की सीरीज का दूसरा मैच 17 फरवरी से दिल्ली में खेला जाना है। नागपुर टेस्ट में दोनों पारी में फ्लॉप रहे ओपनर डेविड वॉर्नर को प्लेइंग इलेवन से बाहर का रास्ता दिखाया जा सकता है। वार्नर नागपुर टेस्ट में स्पिनर्स के सामने जूझते नजर आए। उन्हें नागपुर टेस्ट में पहली पारी में शमी ने एक रन पर और दूसरी पारी में अश्विन ने दस रन पर पवेलियन की राह दिखाई।

दूसरी पारी में उनको को एक जीवनदान भी मिला था। कोहली ने उनका कैच छोड़ दिया था। उसके बाद वार्नर उसका फायदा नहीं उठा पाए और सस्ते में अश्विन को अपना विकेट दे दिए। वह भारतीय स्पिनरों के सामने पहली गेंद से ही संघर्ष करते नजर आए। दिल्ली में भी नागपुर की तरह स्पिनर्स की मार्फत पिच होने की संभावना है। ऐसे में ऑस्ट्रेलियाई टीम वार्नर की जगह टीम में शामिल दूसरे ओपनर ट्रेविस हेड को शामिल करने का विचार कर रहा है। हेड इस समय टेस्ट क्रिकेट में शानदार फॉर्म में हैं। उन्होंने साल 2022 में 10 मैच खेले थे और 50.38 की औसत से 655 रन बनाए थे। इस साल उन्होंने एक टेस्ट मैच खेला है और 70 रन बनाए हैं। टेस्ट रैंकिंग में वह चौथे स्थान पर हैं। हेड टेस्ट में तेजी से बल्लेबाजी करने के लिए जाने जाते हैं और वह स्पिन भी अच्छी खेल लेते हैं।

मिचेल स्टार्क भी दिल्ली में पहुंचे - भारतीय दौरे के लिए शामिल मिचेल स्टार्क दिल्ली पहुंच चुके हैं। वह चोट की वजह से टीम के साथ भारत नहीं आए थे। वह पहले टेस्ट के लिए टीम के साथ नहीं थे। अब दूसरे टेस्ट में चयन के लिए उपलब्ध रहेंगे। ऑस्ट्रेलिया टीम के कप्तान पैट कमिंस ने शनिवार को मैच खत्म होने के बाद पत्रकारों से कहा, स्टार्क दिल्ली कल तक आ जाएंगे। जोश हेजलवुड दिल्ली टेस्ट के लिए तैयार नहीं हैं। कैमरून ग्रीन पहले से बहुत बेहतर हैं। मुझे उम्मीद है कि वह दूसरा मुकाबला खेलेंगे। वह गेंदबाजी भी कर रहे हैं। आने वाले कुछ दिन हम उनके खेल को अच्छी तरह से देखेंगे।

दिल्ली में तीन स्पिनर्स के साथ उतर सकता है ऑस्ट्रेलिया - मीडिया रिपोर्ट की मानें तो दिल्ली में नागपुर की तरह ही पिच होने की संभावना है। ऐसे में ऑस्ट्रेलिया दिल्ली में तीन स्पिनर्स के साथ उतर सकता है। नागपुर टेस्ट में गिरे 30 विकेट में से 24 विकेट तो दोनों टीमों के स्पिनर्स ने लिए। नागपुर टेस्ट में ऑस्ट्रेलियाई टीम दो स्पिनर नाथन लायन और टॉड मर्फी के साथ उतरी थी। उन्हें तीसरे स्पिनर्स की कमी महसूस हो रही थी। वहीं भारतीय टीम तीन स्पिनर्स रविंद्र चंद्रन अश्विन, रविंद्र जडेजा और अक्षर पटेल के साथ उतरी थी। तीनों ने शानदार प्रदर्शन किया और ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को विकेट गंवाने के लिए विवश कर दिया। ऐसे में दिल्ली टेस्ट में ऑस्ट्रेलियाई टीम भी तीन स्पिनर्स के साथ उतर सकती है।

न्यूज ब्रीफ

रोहित बोले-इंडियन बॉलर्स को संभालना मुश्किल: कोई 250 तो कोई 450 विकेट के करीब, किसी को 5 विकेट चाहिए; कहते हैं मुझे बॉल दे यार

जामथा (नागपुर)। टीम इंडिया ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का पहला मुकाबला पारी और 132 रनों से जीता। इसके साथ ही भारतीय टीम ने चार मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। मैच के बाद कप्तान रोहित शर्मा इरफान पठान से बातचीत कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने इंडियन बॉलर्स की एक आदत का खुलासा किया। उन्होंने कहा कि गेंदबाजों को रोकना कभी-कभी मुश्किल हो जाता है। रोहित ने कहा, मुझे सच में रिकार्ड्स के बारे में पता नहीं रहता है। ये लोग आते हैं और मुझसे कहते हैं कि मैं 250 के पास हूं, मुझे बॉल दे यार, वो 450 के पास हैं, मुझे बॉल दे यार। मेरे 4 विकेट हो गए, मुझे 5 चाहिए। रोहित ने कहा- सिराज को संभालना मुश्किल होता है। त्रिवेंद्रम में श्रीलंका को हमने 22 ओवर में ही ऑल आउट कर दिया था। सिराज 4 विकेट पर था। उसने उन 22 ओवरों में 10 ओवर फेंके, क्योंकि उसे 5 विकेट चाहिए थे। वो रुक ही नहीं रहा था। मैंने उससे बोला कि टेस्ट सीरीज भी आ रही है। नागपुर के जामथा क्रिकेट स्टेडियम में भारतीय गेंदबाजों ने दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलिया को 91 रनों पर ऑलआउट कर दिया। कंगारू टीम से स्टीव स्मिथ ने सबसे ज्यादा 24 रन बनाए। मार्नस लाबुशेन 17 रन का योगदान दिया। जबकि डेविड वॉर्नर और एलेक्स कैरी 10-10 रन बनाकर आउट हुए। भारतीय स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने 5 विकेट हासिल किए। मोहम्मद शमी और रवींद्र जडेजा ने दो-दो विकेट लिए। अक्षर पटेल को एक विकेट मिला।

धर्मशाला से बेंगलुरु शिफ्ट हुआ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का तीसरा टेस्ट: कारण-नए ड्रेनेज सिस्टम के कारण आउटफील्ड तैयार नहीं, 1 मार्च से होना था मैच

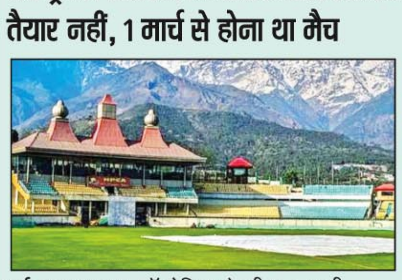

धर्मशाला। भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच चल रही बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का तीसरा टेस्ट मैच धर्मशाला से बेंगलुरु शिफ्ट हो गया है। सूत्रों ने बताया कि एक मार्च से शुरू होने वाला यह मुकाबला अब धर्मशाला की जगह बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाएगा। इस मैच का वेन्यू बदलने की वजह धर्मशाला स्टेडियम की आउटफील्ड का तैयार नहीं होना है। इसी वजह से इसे बेंगलुरु में कराने का फैसला लिया गया है। धर्मशाला का क्रिकेट स्टेडियम धौलाधार की पहाड़ियों से घिरा हुआ है। पहाड़ी इलाका होने की वजह से यहां बारिश की आशंका हमेशा बनी रहती है। यहां हुए अधिकांश मैच बारिश की भेंट चढ़ते रहे हैं। बारिश की वजह से मैच रद्द या उनमें होने वाली देरी को रोकने के लिए ही हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन ने इस स्टेडियम में नया ड्रेनेज सिस्टम लगवाया है। पुराने ड्रेनेज सिस्टम की वजह से बारिश होने के बाद ग्राउंड को सुखाने में 2 घंटे लग जाते थे जबकि नए ड्रेनेज सिस्टम से बारिश होने की सूरत में महज 15 मिनट में ग्राउंड खेल के लिए तैयार किया जा सकेगा।

शीतकालीन खेलों के लिए बनेगा विश्व स्तरीय उत्कृष्टता केंद्र, खेल मंत्री बोले-विश्व में श्रेष्ठ होगा

नई दिल्ली । केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा है कि उनका मंत्रालय जम्मू एवं कश्मीर के गुलमर्ग स्की

रिसॉर्ट में शीतकालीन खेलों के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (उत्कृष्टता केंद्र) खोलने के लिए अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों की मदद ले रहा है। गुलमर्ग देश में शीतकालीन खेलों के लिए सबसे बड़े केंद्र के रूप में उभर रहा है। गुलमर्ग में शुरू हुए छह दिवसीय विंटर गेम्स के इतर पत्रकारों से बातचीत में केंद्रीय खेल मंत्री ने कहा कि एक बार गुलमर्ग में उत्कृष्टता केंद्र खुलने के बाद यह न केवल भारत में बल्कि विश्व में श्रेष्ठ होगा। उत्कृष्टता केंद्र के गठन की घोषणा दो साल पहले फरवरी 2021 में तात्कालीन खेल मंत्री किरेन रिजिजू ने की थी, इस बाबत पूछे जाने पर अनुराग ठाकुर ने कहा दो वर्ष कोविड महामारी का रहा। उन्होंने कहा कि खेलो इंडिया अभियान से प्रतिभाओं की तलाश के अलावा उनके हुनर को और तराशने का भी काम होता है। इन प्रतिभाओं को चुनने के बाद विभिन्न अकादमियों में विशेष प्रशिक्षण के लिए भेजा जाता है।

रियल मैड्रिड ने रिकॉर्ड पांचवीं बार क्लब विश्व कप जीता, फाइनल में अल हिलाल को 5-3 से हराया

मोरक्को ।

रियल मैड्रिड ने रिकॉर्ड पांचवीं बार क्लब विश्व कप जीत लिया है। मोरक्को में फाइनल मुकाबले में रियल मैड्रिड ने अल हिलाल को 5-3 से हराया। मैड्रिड के लिए विनीसियस जूनियर और फेडे वाल्वरडे ने दो-दो गोल किए, जबकि करीम बेंजेमा ने भी खिताबी मुकाबले में गोल कर शानदार वापसी की।

पिछले सीजन में चैंपियंस लीग जीतकर इसके लिए क्वालीफाई करने वाली कार्लो एंसेलोटी की टीम ने विपक्षी टीम को एकतरफा अंदाज में हराया। इसके साथ ही इस टीम ने अगस्त में यूरोपीय सुपर कप जीतने के बाद सीजन का दूसरा बड़ा खिताब हासिल किया।

रबात के प्रिंस मौले अब्देलह स्टेडियम में मैड्रिड की जोरदार जीत ने इसने उनके ला लीगा अभियान से भी स्वागत योग्य राहत प्रदान की, जहां वे प्रतिद्वंद्वी टीम बार्सिलोना से आठ अंक पीछे हैं, जिन्होंने उन्हें जनवरी में स्पेनिश सुपर कप फाइनल में भी हराया था। मैड्रिड ने 1960, 1998 और 2002 में तीन इंटरकांटिनेंटल कप जीते।

एंसेलोट्टी ने इस जीत पर कहा हम बहुत खुश हैं, आठवीं बार मैड्रिड विश्व के चैंपियन हैं, यह वही था जो हमें करना था। हम खुश हैं, यह एक अच्छा मैच था। मुझे लगता है कि हम सामने अच्छे थे, विनीसियस, करीम, वाल्वरडे के साथ, जिन्होंने दो गोल किए, और टीम में गतिशीलता और गुणवत्ता थी।

एंसेलोटी ने बेंजेमा को शुरुआती लाइन-अप में वापस ला दिया, जब वह जांघ की चोट के साथ अल अहली पर सेमी-फाइनल जीत से चूक गए थे, जब रोड्रिगो बेंच पर गिर गए थे। 35 वर्षीय स्ट्राइकर ने ब्राजीलियाई विंगर को गोल के माध्यम से भेजने के लिए एक छोटे से पास के साथ विनीसियस के लिए शुरुआती लक्ष्य बनाया।

स्टैंड से नस्लवादी दुर्व्यवहार और पिच पर विरोधियों का निशाना बनने के कारण स्पेन में एक निराशाजनक स्पेल के बाद, विनीसियस मोरक्को में शानदार लय में थे और टीम की जीत में अहम योगदान दिया।

एंसेलोट्टी इस पर कहा, हम उससे खुश हैं क्योंकि वह लगातार सुधार कर रहा है, वह कहीं अधिक प्रभावी है। वह लगभग सभी मैचों में स्कोर करता है और उन सभी में अंतर बनाता है।

विश्व चैंपियन का खिताब हासिल करने के लिए जावी हर्नांडेज के बार्सिलोना के साथ अपनी घरेलू लड़ाई से एक छोटा ब्रेक लेने में खुशी हुई, पूरी टीम के लिए भी ऐसा ही हुआ। एंसेलोटी ने कहा, हम सुधार कर रहे हैं। यह ट्रॉफी हमें बाकी सीजन के लिए ऊर्जा देगी।

वाल्वरडे ने डिफेंडर अली अल्बुलाही के जरिए दूसरा गोल किया, जिससे गोलकीपर अब्दुल्ला अल-मयूफ भौचक्का रह गए। पूर्व पोर्टो स्ट्राइकर मौसा मरेगा ने 2021 एशियन चैंपियंस लीग विजेताओं के लिए एक शॉट पीछे खींच लिया, एंड्री लुनिन से एक शॉट फिसल गया, जिसे इसे बाहर रखने के लिए और अधिक प्रयास करना चाहिए था।

चोटिल कर्टोइस की जगह मैदान में आए यूक्रेनी गोलकीपर अपना जन्मदिन मना रहे थे, लेकिन जीत के बावजूद उनके पास भूलने के लिए एक मैच था। एक छोटी अवधि के लिए ऐसा लग रहा था कि सऊदी अरब की टीम वास्तव में अपने अधिक शानदार प्रतिद्वंद्वियों का परीक्षण करने जा रही है, लेकिन मैड्रिड ने दूसरे हाफ में एक गियर बढ़ाया और एक मनोरंजक जीत हासिल की।

विनीसियस ने दूसरे हाफ की शुरुआत में बेंजेमा को अपने बूट के बाहरी हिस्से का उपयोग करते हुए एक आश्चर्यजनक क्रॉस के साथ सेट किया और फ्रेंच फॉरवर्ड ने क्लोज रेंज से कोई गलती नहीं की। उरुग्वे के मिडफील्डर वाल्वरडे ने डिफेंडर दानी कारवाजल के साथ एक चालाक संयोजन के बाद अपना दूसरा गोल किया, फॉर्म में गिरावट के बाद फिर से अपनी फॉर्म और गोल ढूंढा।

विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में जीता इंग्लैंड

कप्तान नाइट और सीवर ने 67 रन की नाबाद पार्टनरशिप की; वेस्टइंडीज को 7 विकेट से हराया

पार्ल।

विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज को 7 विकेट से हरा दिया। साउथ अफ्रीका के पार्ल में वेस्टइंडीज ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 135 रन बनाए। जवाब में इंग्लैंड ने 14.3 ओवर में ही 3 विकेट पर टारगेट हासिल कर लिया। 30 बॉल पर नाबाद 40 रन बनाने वाली नेटली सीवर ब्रंट प्लेयर ऑफ द मैच रहीं।

पावरप्ले में विंडीज ने नहीं खोया विकेट

ग्रुप-1 में वेस्टइंडीज की कप्तान हेली मैथ्यूज ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग चुनी। उन्होंने पावरप्ले में अपनी टीम को तेज शुरुआत दिलाई। टीम ने 6 ओवर में बगैर नुकसान के 47 रन बना लिए थे फिर 7वें ओवर स्टेफनी टेलर 15 बॉल में 3 रन की बेहद धीमी पारी खेलकर आउट हो गईं। 11वें ओवर में 69 रन के स्कोर पर मैथ्यूज सोफी एक्लेस्टोन का शिकार हो गईं। मैथ्यूज ने 42 रन बनाए।

एक्लेस्टोन ने विंडीज को 3 झटके दिए

वेस्टइंडीज की शेमैन काम्पबैल ने 37 बॉल पर 34 रन बनाए। उनके और कप्तान के अलावा कोई भी बैटर कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर सकीं। टीम 20 ओवर में 7 विकेट पर 135 रन ही बना पाई। इंग्लैंड से सोफी एक्लेस्टोन ने सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए। केथरीन ब्रंट और सारा ग्लेन को एक-एक विकेट मिला। जबकि 2 बैटर रनआउट हुईं।

डंकली ने दिलाई ताबड़तोड़ शुरुआत

136 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी इंग्लैंड को ओपनर सोफिया डंकली ने ताबड़तोड़ शुरुआत दिलाई। उन्होंने 18 बॉल पर एक छक्का और 4 चौकों की मदद से 34 रन बनाए। उन्हें शिनेले हेनरी ने पवेलियन भेजा। हेनरी ने डानी व्याट को भी आउट किया और टीम का स्कोर 5.1 ओवर में 2 विकेट के नुकसान पर 50 रन हो गया।

कैच लेते हुए फुटबॉल खेलने लगा फील्डर: तेंदुलकर बोले- ऐसा तभी मुमकिन जब प्लेयर को दोनों खेल आते हों

बेलगाम।

कर्नाटक के बेलगाम में एक लोकल क्रिकेट टूर्नामेंट के दौरान खिलाड़ी की फील्डिंग का वीडियो वायरल हो रहा है। टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में एक खिलाडी हवा में अपना पैर उठाकर बॉउंड्री पर जाती बॉल को रोक रहा है। सचिन तेंदुलकर ने इस वीडियो को रिट्वीट करते हुए कहा - ऐसा ही होता है जब ऐसा व्यक्ति क्रिकेट खेले, जो फुटबॉल खेलना भी जानता हो।

बॉउंड्री के अंदर उछलकर किक की बॉल

वीडियो में दिखाई दे रहा है कि बल्लेबाज छक्का मारने के लिए बल्ला उठाता है। जैसे ही वह शॉट लगाता है, तो बॉउंड्री पर खड़ा फील्डर उसे रोकने की कोशिश करता है। फील्डर का बैलेंस बिगड़ने पर वह बाउंड्री के बाहर जाने लगता है, लेकिन इसी बीच वह बॉल को हवा में फेंक देता है। जैसे ही बॉल नीचे आती है, फील्डर हवा में उछलकर बॉल को किक करता है। इसके बाद वह अंदर आकर उसे कैच कर लेता है।

बिग बैश लीग में ऐसे कैच पर हुई थी कॉन्ट्रोवर्सी

ऑस्ट्रेलिया की बिग बैश लीग में जनवरी 2023 में खिलाड़ी ने तीन कोशिश में कैच पकड़ा था। प्लेयर ने बाउंड्री के अंदर बॉल को पकड़ा और बॉल को हवा में पहले उछाल दिया। बॉल बाउंड्री के बाहर गई। नेसर करीब 2-3 मीटर बाउंड्री के बाहर गए और हवा में उछलते हुए बॉल को दूसरी बार उछाल कर ग्राउंड के अंदर पहुंचा दिया। फिर वापस बाउंड्री के अंदर गए और कैच पूरा कर लिया। इसे लेकर कई क्रिकेट एक्सपर्ट्स में डिबेट हुई थी।

रेन्शो के कैच पर भी हुआ था विवाद

बिग बैश लीग से पहले होबार्ट हरिकंस और ब्रिसबेन हीट के बीच 9 जनवरी 2020 को मैच के दौरान ऐसी ही कॉन्ट्रोवर्सी हुई थी। हीट के बॉलर बेन कटिंग की बॉल पर हरिकंस के मैथ्यू वेड ने स्लॉग शॉट खेला था। बॉल डीप मिड-विकेट पर गई। जहां मैथ्यू रेन्शो ने बाउंड्री के बाहर से हवा में उछलकर बॉल को साथी फील्डर टॉम बैंटन को दिया। बैंटन ने बाउंड्री के अंदर कैच पूरा किया और वेड 61 रन के स्कोर पर आउट हो गए।

विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप : ऑस्ट्रेलिया ने न्यूजीलैंड को 97 रनों से हराया, एलिसा हीली का अर्धशतक

नई दिल्ली ।

पांच बार के वर्ल्ड चैंपियन ऑस्ट्रेलिया ने टी-20 वर्ल्ड कप के अपने पहले मैच में न्यूजीलैंड को 97 रनों से हराया। पहले बैटिंग करते हुए पार्ल के बोलैंड पार्क में ऑस्ट्रेलिया ने निर्धारित ओवर में 173-9 स्कोर बनाया। सलामी बल्लेबाज एलिसा हीली के 55 रन, कप्तान मेग लैनिंग के 41 और एलिसे पेरी के 40 रन बनाए। जवाब में न्यूजीलैंड 14 में 76 रन पर ऑलआउट हो गया। ऑस्ट्रेलिया की ऑफ ब्रेक स्पिनर एशले गार्डनर ने 5 विकेट लिए। मेंस और विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में ऑस्ट्रेलिया के लिए अब तक का यह सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

ऑस्ट्रेलिया के मिडिल आर्डर ने पारी संभाली

ओपनर एलिसा हिली के अलावा मिडिल आर्डर बैटर मेग लैनिंग (41) और एलिसे पेरी ने 40 रन बनाए। पहले बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया का पहला विकेट चौथी बॉल पर ही गिर गया था। बेथ मूनी बिना खता खोले आउट हुई। इसके बाद मेग लेंनिंग ने पारी संभाली और दोनों बैटर ने 70 रन की सांझेदारी की। न्यूजीलैंड की ले ताहू और एमिला केर ने 3 विकेट लिए। वहीं, जेस केर और हेले जेनसन को 1-1 विकेट मिला।

न्यूजीलैंड के दोनों ओपनर खता नहीं हो सके

लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम के दोनों ओपनर खता नहीं खोल सके। सूजी बैट्स और कप्तान सोफी डेविन पहली ही बॉल पर आउट हो गए। मेगन शट ने दोनों को आउट किया। इसके बाद न्यूजीलैंड की पारी लड़खड़ाती ही चली गई। एमेलिया केर ने न्यूजिल्द के लिए सबसे ज्यादा (21) रन बनाए। वहीं 8 खिलाडी 10 का आकड़ा भी नहीं छू सके। ऑस्ट्रेलिया की ओर से एशले गार्डनर के अलावा मेगन शट को 2, एलिस पेरी और डार्सी ब्राउन को 1-1 विकेट मिला।

महिला टी-20 वर्ल्ड कप में भिड़ेंगे भारत-पाकिस्तान: इंजर्ड स्मृति मंधाना नहीं खेलेंगी

केप टाउन।

महिला टी-20 वर्ल्ड कप में टीम इंडिया पाकिस्तान के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। केप टाउन के न्यूलैंड्स मैदान पर होगा। भारत की उप कप्तान मुकाबले से पहले चोटिल हो गईं, इस कारण वह इस मैच के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगी। भारत-पाकिस्तान मुकाबले के बाद श्रीलंका और बांग्लादेश का मुकाबला भी खेला जाएगा। आगे स्टोरी में हम भारत-पाकिस्तान का हेड टु हेड रिकॉर्ड, पिच रिपोर्ट, वेदर कंडीशन और पॉसिबल प्लेइंग इलेवन के बारे में जानेंगे। भारत और पाकिस्तान के बीच ग्रुप-2 का दूसरा मुकाबला खेला जाएगा। इस ग्रुप का पहला मुकाबला वेस्टइंडीज और इंग्लैंड के बीच शनिवार को खेला गया था। भारत और पाकिस्तान महिला टीमों के टी-20 रिकॉर्ड की बात करें टीम इंडिया का रिकॉर्ड शानदार है। दोनों के बीच अब तक 13 टी-20 इंटरनेशनल मुकाबले खेले गए। भारत ने 10 में जीत हासिल की, वहीं 3 ही मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा।

वर्ल्ड कप में पाकिस्तान ने 2 बार हराया - पाकिस्तान ने टी-20 इंटरनेशनल में भारत को 3 में से 2 बार वर्ल्ड कप में ही हराया। महिला टी-20 वर्ल्ड कप में दोनों टीमों के बीच अब तक 6 मुकाबले खेले गए हैं। जिनमें से भारत को 4 में जीत मिली। पाकिस्तान ने भारत को पिछले दिनों महिला एशिया कप में भी हराया था। पाकिस्तान के 137 रन के जवाब में टीम इंडिया 124 रन ही बना सकी थी। हालांकि एशिया कप भारत ने ही जीता था। पिछले कुछ मैचों का रिकॉर्ड देखें तो पाकिस्तान ने भारत को कई मौकों पर टक्कर दी है। ऐसे में टीम इंडिया पाकिस्तान को हल्के में नहीं ले सकती। भारत-पाकिस्तान मैच से ठीक पहले टीम इंडिया को बड़ा झटका लगा है। टीम की ओपनर और उप कप्तान स्मृति मंधाना ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वॉर्म-अप मुकाबले में चोटिल हो गईं। उनकी उंगली में चोट लगी, जिस कारण वे पाकिस्तान के खिलाफ टूर्नामेंट में भारत का पहला मुकाबला नहीं खेल पाएंगी। स्मृति 15 फरवरी को वेस्टइंडीज से मुकाबले तक ठीक हो पाएंगी या नहीं इस बारे में अभी तक टीम मैनेजमेंट ने कुछ नहीं कहा है। वहीं, पाकिस्तान की स्टार पेसर डायना बैग भी टूर्नामेंट के ठीक पहले इंजर्ड हो कर पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गईं।

मरूफ, निदा से मिलेगी चुनौती - टीम इंडिया को पाकिस्तान के खिलाफ उनकी कप्तान बिस्माह मरूफ और अनुभवी गेंदबाज निदा दार से कड़ी चुनौती मिलेगी। मरूफ ने टी-20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान के लिए 26 मैचों में सबसे ज्यादा 506 रन बनाए हैं। वहीं, निदा ने टूर्नामेंट इतिहास में पाकिस्तान के लिए सबसे ज्यादा 22 विकेट लिए हैं।

हरमनप्रीत, राधा भारत की टॉप प्लेयर - मंधानी की गैरमौजूदगी में भी टीम इंडिया ही इस मैच को जीतने की फेवरेट मानी जा रही है। हरमनप्रीत टीम की कप्तान हैं, जो टी-20 वर्ल्ड कप के सभी 8 एडिशन में भारतीय टीम का हिस्सा रहीं। उन्होंने इस टूर्नामेंट के 30 मैचों में 458 रन बनाए हैं। वहीं, लेफ्ट आर्म स्पिनर राधा यादव भी पाकिस्तान को चुनौती देंगी। उन्होंने वर्ल्ड कप में भारत के लिए 8 मैचों में 14 विकेट लिए हैं। टूर्नामेंट में दोनों मैच केप टाउन के न्यूलैंड्स मैदान पर खेले जाएंगे। यहां विमेंस टी-20 के 6 मुकाबले खेले गए हैं। पहले बैटिंग करने वाली टीमों ने 5 और बाद में बैटिंग करने वाली टीमों ने एक मुकाबला जीता। भारत ने यहां 2018 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ एक टी-20 खेला था, जिसमें टीम को जीत मिली थी। श्रीलंका ने यहां 2 मुकाबलों में से एक जीता और एक हारा है। वहीं, बांग्लादेश और पाकिस्तान ने अब तक यहां कोई मुकाबले नहीं खेले। केप टाउन में बारिश नहीं होगी। मौसफ साफ रहेगा और टेम्परेचर 18 से 24 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। रात 6:30 बजे के बाद बादल छाए रहेंगे और भारत-पाकिस्तान मैच में ओस गिरने की कोई संभावना नहीं है। श्रीलंका-बांग्लादेश के बीच मैच में ओस गिरना शुरू हो जाएगी।

दोनों टीमों का स्क्वॉड

भारत : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्ज, हरलीन देओल, रिचा घोष (विकेटकीपर), पूजा वस्त्राकर, दीप्ति शर्मा, राधा यादव, देविका वैद्य, अंजलि सर्वनी, रेणुका सिंह, स्मृति मंधाना, शिखा पांडे, राजेश्वरी गायकवाड़ और यस्तिका भाटिया।

पाकिस्तान : बिस्माह मरूफ (कप्तान), मुनीबा अली (विकेटकीपर), जावेरिया खान, निदा दार, आयेशा नसीम, आलिया रियाज, ओमैमा सोहेल, फातिमा सना, ऐमन अन्वर, सादिया इकबाल, तुबा हसन, सदफ शमास, सिद्रा नवाज, नशरा संधु और सिद्रा अमीन।

दिमाग तेज करने के लिए चाहिए केवल 40 सेकेंड

हमारा दिमाग

कभी-कभी यह ख्याल आता है कि दिमाग भी कितने काम की चीज़ है, इतना छोटा-सा होकर भी हमारे पूरे शरीर पर नियंत्रण रखता है दिमाग। दिमाग की शिक्तयों का अंदाजा भी हम नहीं लगा सकते, यह हरदम हमारे लिए काम करता है। जब हमें दिमाग की जरूरत हो यह हाजिर रहता है, हर बेशक थक जाएं लेकिन दिमाग चलता रहता है।

दिमाग कभी थकता नहीं

वो बात अलग है कि जब हम दिमागी रूप से थक चुके होते हैं तो खुद से यही कहते हैं कि आज दिमाग काम नहीं कर रहा, लेकिन हम गलत हैं। उस समय भी दिमाग चल रहा है, वह हजार तरह के ख्याल बुन रहा है। उस समय भी दिमाग में वह सभी चिंताएं, वह सभी ख्याल चल रहे हैं जिसे हम पूरा करना चाहते हैं लेकिन थकान के चलते दोष अपने दिमाग को देते हैं।

साइंस के तथ्य

क्या आप जानते हैं कि साइंस के मुताबिक इस सृष्टि में हर मनुष्य को एक जैसा दिमाग मिलता है, बस उसे कैसे इस्तेमाल किया जाए और सक्षम बनाया जाए यह भिन्न-भिन्न लोगों पर निर्भर करता है। शायद आपको जानकर हैरानी होगी लेकिन यह सत्य है कि दिमाग के पास बातों को याद रखने की कोई सीमा नहीं होती।

अनिगनत बातें याद रखता है दिमाग

जी हां.... आप चाहे तो हजारों बातें, लाखों या करोडो बातें भी अपने दिमाग में भर सकते हैं। दिमाग कभी भी यह नहीं कहेगा कि मैं भर गया हूं और अब और बातें याद नहीं रख सकता। यह केवल हमारी मानिसक आवस्था है कि हम समय-समय पर जब बातों को दोबारा दोहराते नहीं हैं तो उन्हें भूलते जाते हैं।

सक्षम है

हमार दिमाग अनिगनत बातों को याद रख सकने में सक्षम होता है तो फिर हम बातों को भूलते क्यों जाते हैं? कुछ समय बाद नहीं, बल्कि कुछ ही पलों के बाद कई बार हम बातों को सही से याद नहीं कर पाते।

आंखों देखी बातें

साइंस का मानना है कि सुनने की तुलना में जो चीज़ें देखी गई हों वह और भी अच्छे से याद रहती हैं, लेकिन कई बार ऐसा होता है कि आंखों देखी बातें भी हम कुछ ही पलों में भूल जाते हैं। पूरी तरह से नहीं तो कम से कम उन्हें उसी रूप में याद रख सकना हमारे लिए असंभव-सा हो जाता है।

याद रखने की क्षमता

आज इन बातों को सामने रखने के पीछे हमारा एक कारण है, कुछ समय पहले ही बीबीसी ऑनलाइन में प्रकाशित एक रिपोर्ट पढी जिसमें यह लिखा था कि कैसे हम एक आसान तरकीब से लंबे समय तक बातों को याद रख सकते हैं। आज वही रिपोर्ट आपके साथ यहां साझा करने जा रहे हैं

एक शोध

बीबीसी ऑनलाइन में छपी एक रिपोर्ट के मुताबिक शोधकर्ता क्रिस बर्ड्स ने दिमागी ताकतों पर शोध किया है। उनकी रिपोर्ट में यह सवाल उठाया गया है कि आखिरकार वह क्या कारण है जिससे हम बातों को लंबे समय तक याद नहीं रख पाते।

भूलने क्यों लगते हैं

बर्ड्स का कहना है कि कई बार हम आंखों से कोई दृश्य देखते हैं, लेकिन जब दोबारा से हमसे कोई उस दृश्य की व्याख्या मांगता है तो हम उसे टूटे-फूटे अंदाज़ में बताते हैं। असल में किस घटना के बाद कौन सा पल आया हम ठीक से याद नहीं कर पाते हैं, ऐसा क्यों!

दृश्य देखने के तुरंत बाद

इसका उत्तर और साथ ही इसका समाधान निकालने के लिए भी बर्ड्स ने कुछ लोगों पर शोध किया। इस शोध के अंतर्गत उसने कुछ लोगों को ब्रेन स्कैनर के भीतर रहते हुए यूट्यूब पर कुछ वीडियो देखने को कहा। वीडियो देखने के तुरंत बाद ही कम से कम 40 सेकेंड के लिए दोबारा से उस वीडियो के दृश्यों को दिमाग में याद करने को कहा।

बडे काम का है ये नुस्खा

इससे बर्ड्स को यह हासिल हुआ कि वीडियो देखने के तुरंत बाद ही जब लोगों ने खुद के दिमाग को ही उस वीडियो के दृश्यों को समझाया तो वे उसे और भी अच्छे से याद रखने में सफल हुए। जब उनसे थोडी देर बाद वीडियो के बार में पूछा गया तो बिना किसी गलती के उन्होंने वीडियो को बिल्कुल सही तरीके से समझाया।

वरदान है अवसाद...

> शुरुआत में अवसाद श्राप लग सकता है लेकिन अंत में अवसाद वरदान साबित होता है। असल में, अवसाद जीवन का एक अस्थाई दौर होता है। अप्रिय अनुभव दर्दनाक होते हैं लेकिन वे उन्नत बौद्धिक विकास को आवश्यक योगदान देते हैं। इस तरह के अनुभव को महसूस किए बिना कोई भी महान नहीं बन सकता।

एक हालिया रिसर्च ने पाया है कि उदासी और निराशावाद जैसे लक्षण अवसाद को परिभाषित करते हैं लेकिन इसका सकारात्मक पहलू भी है। यह रिसर्च जो कि बेसल विश्वविद्यालय, स्विट्जरलैंड द्वारा कराई गई है कहती है कि निर्णय लेने वाले कार्यों में अवसाद ग्रस्त व्यक्ति सामान्य लोगों से अच्छा प्रदर्शन करते हैं। अवसाद क्या है? अवसाद मानसिक अशांति का संकेत होता है। इस तरह की अशांति बौद्धिकता बढ़ाती है। अवसाद क्यों होता है? अवसाद अभाव के कष्ट का लक्षण होता है। जब आप यह सोचते हैं कि आप किसी ऐसी चीज में बहुत पिछड़ रहे हैं, जिसकी आपको बहुत ख्वाहिश है, यह विचार आपको अवसाद की तरफ ले जाता है। अवसाद शारीरिक घटना नहीं है। यह मानसिक प्रकृति से संबंधित होता है। यदि आप महसूस करते हैं कि आपने वह पा लिया है जो आप पाने चाहते थे तो वह आपको संतुष्टि की भावना देता है। लेकिन जब आपको लगता है कि आप अपने लक्ष्य को पाने में असफल हो गए हैं तो इससे अवसाद होता है। पहले मामले में, आपकी जिंदगी में जल्द पूर्णविराम की स्थिति आ जाएगी, लेकिन दूसरे मामले में, आपका जीवन अल्पविरामों के साथ आगे बढ़ता रहेगा।

बौद्धिक विकास में योगदान

अप्रिय अनुभव दर्दनाक होते हैं लेकिन वह उन्नत बौद्धिक विकास को आवश्यक योगदान देते हैं। इस तरह के अनुभव को महसूस किए बिना, कोई भी महान प्राप्तकर्ता नहीं बन सकता। रिसर्च में में सौ सफल लोगों की जिंदगी के बारे में अध्ययन किया गया, ताकि उनके समान तत्व निकाले जा सकें। उन्होंने यह पाया कि सभी महान सफल लोगों में एक समान लक्षण असंतोष की भावना थी। यह असंतोष न केवल अपने लक्ष्यों को पाने के लिए जुनूनी बनाता है बल्कि यह अधिक से अधिक हासिल कर लेने की इच्छा को भी पैदा करता है। तब यह सफलता के उच्च स्तर के लिए महत्वपूर्ण कुंजी बन जाता है, चाहे वह किसी भी प्रकार का काम हो।

संतुष्टि है पूर्ण विराम

जहां संतुष्टि सब चीजों के आगे पूर्ण विराम लगा देती है, असंतोष आपको कभी न रुकने वाली यात्रा की ओर ले जाता है। अवसाद का यह सबसे बड़ा फायदा है। इतिहास ने हमेशा दिखाया है कि जो लोग आराम में रहते हैं वे निराशा का शिकार नहीं होते। ऐसे इंसान किसी बड़ी सफलता को पाने में आमतौर पर नाकाम साबित होते हैं, लेकिन इससे उलट, जो विपरीत स्थितियों के कारण अवसाद का शिकार हो जाते हैं वही महान सफल इंसान के रूप में उभरकर आते हैं। आप ऐसा महसूस कर सकते हैं कि अवसाद एक ऐसी चीज है जिसे आप महसूस नहीं करना चाहते, लेकिन यह घटना प्रकृति के नियम द्वारा तैयार होती है। जब प्रकृति के नियम की बात आती है, तो आपके पास उसे स्वीकार करने के अलावा कोई और विकल्प नहीं होता। यदि प्रकृति के नियम के अनुसार, महान सफलता की यात्रा एक दर्दभरा अहसास कराती है, तो आपको वह अहसास प्राप्त करना पड़ेगा। इस तरह से, आपके पास केवल दो विकल्प हैं-या तो आप प्राकृतिक कीमत चुकाकर बड़ी सफलता हासिल करें, या महान सफलता को जाने बिना मर जाएं।

प्रकृति के आभारी

यदि आपको सेब के जूस का एक ग्लास चाहिए, तो आपको एक सेब को घिसना पड़ेगा। सेब को बिना घिसे, आपको वह जूस नहीं मिल सकता। यह उन सब पर लागू होता है जो महान सफल इंसान बनना चाहते हैं। वे प्रकृति के कांटेदार पथ पर चलकर आभारी है क्योंकि इस शर्त को पूरा करे बिना कोई भी इच्छित लक्ष्य तक नहीं पहुंच सकता। यह जीवन का एक सत्य है कि जो अपने मुंह में चांदी का चम्मच लिए पैदा होता है वह एक सामान्य इंसान की तरह जीता है जबकि जो बिना चांदी का चम्मच लिए पैदा होते हैं वह महान सफलता पाते हैं। शुरुआत में, अवसाद श्राप लग सकता है लेकिन अंत में, अवसाद वरदान साबित होता है। असल में, अवसाद जीवन का एक अस्थाई दौर होता है।

आध्यात्मिक आपातकाल...

वे लोग जो समझते हैं कि वे अपने जीवन का मतलब और उसके ध्येय को ढूंढने के उद्देश्य तक पहुंच जाएंगे, उन्हें उन लोगों पर बहुत जल्दी भरोसा हो जाता है जिनकी सोच उनसे मिलती जुलती है। जैसे कि मौत का बहुत ही करीब से अनुभव, उनकी नई सुबह उत्साह से भरी नहीं होती, इसके बजाय कभी-कभी वे सारे आध्यात्मिक आपातकाल की घटनाओं को एक साथ जोड़ने की कोशिश करते हैं। धार्मिक संकट के संकेत दुनिया के आध्यात्मिक परंपराओं में बताए गए हैं। देखा गया है कि जब जीवन में आगे बढ़ने और बदलाव लाने में सब कुछ अस्त-व्यस्त हो जाता है। पूर्व जीवन व अभी के शुरुआती जीवन के बीच दिमाग तकलीफदेह स्थिति में पहुंच जाता है। यह आतंरिक अस्थिरता का कारण बन सकता है, वह इंसान की पहचान, अनिश्चितता, भ्रम और अकथ निराशा के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज करा सकता है।

निरीक्षण के स्तर

आध्यात्मिक आपातकाल को मदर टेरेसा ने लगभग 1948 से लेकर अपने जीवन के अंतिम क्षणों तक झेला। जो राहत की अपने आप में एक ही ऐसी कहानी है जो आज भी याद आती है। बुद्ध के विपासना ध्यान में भी बताया गया है कि साधक को निरीक्षण के 16 स्तरों से होकर गुजरना पड़ता है। तब जाकर 10 मुश्किल और केंद्रित कदम बढ़ाकर ही दु:ख का ज्ञान, विघटन का ज्ञान और भयानकता, दुख और घृणा का ज्ञान प्राप्त होता है। विपासना में स्पष्ट रूप से चेताया गया है कि इन सारे कदमों को जरा भी आसान नहीं समझना चाहिए। खासकर तब जब ध्यान अकेले में या बिना गुरु के ज्ञान के केंद्रित किया जा रहा हो।

डाइग्नोस्टिक श्रेणी

बहुत साल तक, व्यवहारवादी विशेषज्ञ आध्यात्मिक आपातकाल जैसी स्थिति को भ्रमित करने वाला, स्वयं का पतन या खात्मे की तरफ बढ़ने वाला, सबसे बदतर मानसिक बीमारी जिसे ठीक करने के लिए दवाइयों से उपचार करने तक की नौबत आ जाती है कहते रहे। वे लोग जो आध्यात्मिक संकट से जूझ रहे थे या फिर जो दिमागी अस्थिरता और पागलपन से जूझ रहे थे उन्हें कभी-कभी अस्पताल में भर्ती कराया गया और उन्हें ठीक करने के लिए दवाइयों की मदद ली गई। सौभाग्य से पिछले कुछ सालों में इसमें बदलाव आया है, जैसा कि अमेरिका के एक मनोरोग असोसिएशन के द डाइग्नोस्टिक एंड स्टैटिस्टिकल मेनुअल में बताया गया है। इसके नवीनतम अंक में धार्मिक और आध्यात्मिक परेशानी में पहली बार आम लोगों के तजुर्बे को तवज्जो दी गई है। लेखकों के मुताबिक, नई डाइग्नोस्टिक श्रेणी ऐसे मसलों को हल करने में कहीं ज्यादा सक्षम है जिसमें आध्यात्मिक मामले शामिल हों। नई तकनीक और प्रणाली दिमागी बीमारी और आध्यात्मिक चिंताओं के गलत इलाज होने और उससे होने वाले नुकसान से भी बचाती है; इतना ही नहीं बल्कि इन परेशानियों को सही तरीके से मरीज को सही अस्पताल में सही इलाज से और सही शिक्षा से इसके प्रबंधन करने और अनुशासनात्मक ढंग से जीने के लिए भी प्रेरित करती है।

मिस्टिकल एक्सपेरिएंस

तो वह क्या है जो प्राप्त ज्ञान में अचानक बदलाव का कारण है? इसका सटीक उत्तर है मनोविज्ञान। मनोविज्ञान जिसका केंद्र विलियम जेम्स और कार्ल जंग के काम में नजर आता है। इसे लोगों ने सराहा। मनोविश्लेषण, आचरण और मानवता मनोविज्ञान- जो इंसान के आध्यात्मिक जरूरतों को ध्यान में रखकर उन्हें समझने की कोशिश करता हैं। मनोचिकित्सकों का मुख्य ध्येय और उनकी रूचि मनुष्यों के हर तरह से अनुभवों को ध्यान में रखकर उनके अवचेतन का पूर्वी और पश्चिमी विचार के साथ संश्लेषण करना है। वे हर इंसान के जीवन को समझने की कोशिश करते हैं जिसमें हर व्यक्ति के भीतर की उच्च या गहरी स्वयं की वास्तविकता रहती है। नया चिकित्सकीय वर्ग जिसका नाम है मिस्टिकल एक्सपेरिएंस विथ सायकोटिक फीचर्स यानी मानसिक विशेषताओं के साथ रहस्यमय अनुभव को चिकित्सा क्षेत्र में शामिल करने का प्रस्ताव एक मनोविज्ञान के जर्नल द्वारा दिया गया है। अधिक संवेदनशील आध्यात्मिक मुद्दों और आध्यात्मिक उन्मुख आख्यान के अलावा। इसमें कोई शक नहीं है कि यह भविष्य में विज्ञान और धर्म के बीच के ज्ञान को बढ़ाएगा।

वैज्ञानिक नजरिये से भगवत गीता...

भगवत गीता के अनुसार, मन आपका दोस्त या दुश्मन हो सकता है। यह आप पर निर्भर करता है कि आप इसे कैसे नियंत्रित करते हो। श्रीकृष्ण ने कहा था कि मन जिद्दी और मजबूत होने के बावजूद चंचल और बैचेन होता है। हवाओं पर काबू पाने से ज्यादा मन पर काबू पाना कठिन है। यहां मन, तत्व और हवा की तुलना की जा रही है। तत्व एक भौतिक विषय है। यह मन का कार्यक्षेत्र नहीं है। मन की जांच करने का कोई भी भौतिक तरीका नहीं है। फिर भी कृष्ण के मन के द्वारा विज्ञान के आधार पर हम इस पर रोशनी डालने की कोशिश करते हैं। सबसे पहले हम मन की चंचलता और बैचेनी की बात करते हैं। यह आपकी दुविधा के कारण उतार-चढ़ाव को दर्शाता है। यदि व्यक्ति का आत्मविश्वास मजबूत होगा तो वह मन पर काबू कर सकता है। यही बात पूरी तरह से भौतिक शरीर पर भी लागू होती है। यह देखना दिलचस्प है कि आदेशित घटनाएं मजबूत आतंरिक ऊर्जा से प्रेरित होती हैं। दिलचस्प रूप से भौतिक गुणों में चुंबकत्व और सुपरकंडक्टिविटी के उदाहरण मिलते हैं।

लहरें और कण

मजबूती और हठ की दो अन्य विशेषताएं उनके विरोध को दर्शाती हैं। मन की मजबूती हमेशा से ही सकारात्मक होती है, जबकि हठ एक अनचाही या अवांछित विशेषता है। भौतिक ऊर्जा स्रोतों द्वारा आपके मजबूत मन की उपलब्धियां छाया बनकर रहती है। शेक्सपियर और कालीदास ने जो ज्ञान दिया है, वह दुनिया के बड़े सुपर कंप्यूटर का समूह भी नहीं दे सकता। आईस्टीन ने मन के कारण ही उपलब्धियां हासिल की हैं, किसी कंप्यूटर के कारण नहीं। इसे ही मन की शक्ति कहते हैं। भौतिकी में हर तत्व से तरंगें आती हैं। प्रकाश भी एक तरंग है, लेकिन इसकी प्रकृति कण है। दोनों घटनाएं एक-दूसरे की पूरक होती हैं। जिस तरह अणु एक कण है, लेकिन उसमें तरंग भी होती है। यह विज्ञान का तथ्य है। कण और तरंग का यह द्वंद्व सिर्फ बीती सदी में जाकर समझ में आ पाया।

मानसिक तरंगें

आध्यात्मिकता के क्षेत्र में, कई बार संदर्भ को मानसिक तरंगों के समान बनाया जाता है। हम नहीं कह सकते हैं कि इनका अस्तित्व है या नहीं। यदि यह वाकई अस्तित्व रखता है तो इसकी पहचान क्या है? कई बार हम ऐसे व्यक्ति के लिए तीव्र भावना महसूस करते हैं, जो हमें सबसे ज्यादा प्रिय होता है। यह एक अप्रत्यक्ष संबंध है। यदि आपके दिल से प्रभावित होकर आपके मन में चंचलता आती है तो धड़कन में भी बदलाव आएगा। इसका पता इलेक्ट्रॉनिक एनालॉग सर्किट द्वारा लगाया जा सकता है।

दिमाग की शक्ति

हम अक्सर मन की शक्ति की बात करते हैं। शक्ति क्या होती है? क्या इसका वैज्ञानिक आधार है? यह शक्ति किस तरह के नियमों का अनुसरण करती है। क्या यह सार्वभौमिक है? किसी काम का करना भी शक्ति कहलाता है। हमारा किसी काम का करना या उसमें निष्क्रियता दिखाना पूरी तरह से हमारे दिमाग से प्रेरित होता है। इसलिए मन भी निश्चित रूप से शक्ति है, लेकिन इस पर भौतिकी के नियम लागू नहीं होते। तत्व और ऊर्जा की समानता पूरी तरह से स्थापित है। कई संतों और उनके समर्थकों का दावा है कि मन की शक्ति के कारण तत्व को बाहर से कुछ नहीं किया जा सकता। यदि यह सच है कि निष्क्रियता अंदर से खालीपन की तरह होती है तो यह भी संभव है कि इसमें ऊर्जा शून्य होगी। यदि क्वांटम सिद्धांत दिमाग को विकसित कर सकता है तो ऊपर दी गई संभावनाओं के सार्थक जवाबों का पता लगाया जा सकता है। इस विषय पर कुछ सिद्धांतकारों ने कब्जा कर लिया है। इंतजार करते हैं और देखते हैं कि दिमाग और तत्व में किसी तरह की एकता हो सकती है। हालांकि अब तक इस बारे में कोई नहीं जान सका है।

एक भौतिक तुलना

मन की विशेषता होती है कि वह आसानी से भौतिक वस्तुओं की विशेषताओं से तुलना कर लेता है। पी-एन जंक्शन डायोड के एक उदाहरण से समझते हैं। इसका इस्तेमाल एसी करेंट को डीसी करेंट में बदलने की प्रक्रिया में किया जाता है। एसी करेंट में उतार-चढ़ाव होते हैं। जबकि, डीसी करेंट में स्थिरता होती है। मजबूत दिमाग भी ऐसा ही होता है। यह जीवन के सुख-दुख को शांति और सद्भाव में बदल देता है। एक होशियार दिमाग सजग होता है। यह बाहरी उत्तेजनाओं को समझ कर शरीर को उचित व्यवहार करने का आदेश देता है। इस तरह से यह एक सेंसर यानी संवेदक की तरह कार्य करता है। इसमें कठोर अवस्था में थरथराने वाली विशेषता भी है। यह थरथराहट इलेक्ट्रॉनिक तरंगों को जन्म देती हैं। इसका पता भी अन्य उपकरण से लगाया लगाया जाता है। यदि इस डिटेक्टर की फ्रीक्वेंसी को मिलाएं तो इन इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की प्रकृति और अनुसरण क्वांटम के नियम की तरह हो जाएगा। इसके बाद शायद क्वांटम सिद्धांत को समझना और दिमाग का विश्लेषण करना संभव हो जाएगा।

नजरिये को पास से दूर ले जाएं...

यदि नजदीक से देखा जाए तो जीवन दुखद घटना लगता है लेकिन यदि दूर से देखा जाए तो सुखी लगता है। कॉमेडी के चैंपियन चार्ली चैपलिन द्वारा कही गई यह प्यारी बात हमें जिंदगी के सबसे बड़े विरोधाभासों में से एक का सामना करवाती है। इस बात को यदि हम अपनी याददाश्त में बिठा लें तो यह हर समय हमारा संतुलन बनाए रखने में हमारी मदद कर सकती है। चैपलिन कह रहे हैं कि नजरिये को पास से दूर ले जाने पर दर्द कम हो जाता है। अक्सर जब हम जिंदगी के किसी मुश्किल दौर से गुजर रहे होते हैं, तो हमारी समस्याएं दुर्गम लगने लगती हैं और ऐसा लगता है कि कभी कुछ ठीक नहीं होगा। जिस अंधेरे से हम घिरे हुए होते हैं वह अनंत लगने लगता है। फिर भी सूरज दोबारा उगता है, बिना अपवाद के। कुछ समय बाद जब हम पीछे मुड़कर उस स्थिति को देखते हैं तो हमें महसूस होता है कि ये उतनी बुरी नहीं थी जितनी हमें शुरू में लगी थी।

कभी कभी हम अपनी अति-प्रतिक्रिया पर हंसते भी हैं। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि पास से सब कुछ बड़ा दिखता है, लेकिन जब हम दूर जाते हैं, तो वो छोटा होता जाता है। यही चार्ली चैपलिन हमसे कह रहे हैं कि हमारी समस्याओं का आकार और भार हमेशा ज्यादा लगता है जब हम उसके करीब होते हैं। लेकिन जब हममें और समस्या में कुछ दूरी होती है, तो हमें पता चलता है कि वह इतनी गंभीर नहीं थी। इसलिए जब भी आप किसी समस्या का सामना करें, अनचाहे परिणाम या घटना के बारे में सोचें। कल्पना समय से आगे जाएगी, एक

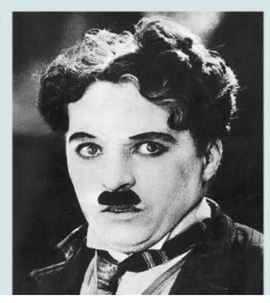

हफ्ता, एक महीना, फिर एक साल, दो साल, पांच साल और इसी तरह। आपको महसूस होगा कि कुछ भी हो, जीवन चलता रहता है और जो आपको बड़ी समस्या लगती है, कुछ समय बाद किसी और संभाले जा सकने वाले वाकये की तरह लगेगी। आपके और आपकी चुनौतीपूर्ण समस्या के बीच में दूरी बनाने का एक और रास्ता ये है कि इसे तीसरे व्यक्ति के नजरिये से देखें। ये आपको समस्या से तटस्थ रखने में मदद करता है। अगर आप चीजों को देखने का नजरिया बदल लें, तो वो चीजें जिन्हें आप देखते हैं, बदल जाएंगी।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**